नई दिल्ली, रविवार 9 फरवरी 2025 ■ माघ मास शुक्ल पक्ष, द्वादशी ■ वर्ष : 28, अंक : 301 ■ पृष्ठ : 12 मूल्य : 2.00 मौसम अधि. 26 न्यून. 12 haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

भाजपा ने 48 सीटें जीती, आम आदमी पार्टी मात्र 22 सीटें बचा पायी

अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली सीट पर प्रवेश वर्मा से हारे

कांग्रेस का फिर नहीं खुला खाता, आप की कई सीटों पर लुटिया डुबोई

27 साल के बाद दिल्ली में खिल गया कमल, आप को भाजपा ने चटाई धूल

ये है मोदी मैजिक

1. देश में जीत की गारंटी बने पीएम मोदी
2. पहले महाराष्ट्र व हरियाणा, फिर दिल्ली
3. अब बिहार में भी 'चौका' मारने की तैयारी
4. 12 लाख की आय कर मुक्त भी जीत का कारण

आप के टॉप लीडर्स को भी चटाई धूल केजरीवाल, सिसोदिया व सौरभ भारद्वाज हारे बाकी जो भी जीते हारते-हारते जीते आतिशी बमुश्किल सीट बचा सकीं

कांग्रेस ने अपना रिकॉर्ड बरकरार रखा। खाता तक नहीं खुला, हर बार की तरह जीरो पर आउट, पर आप का खेल बिगाड़ा, 14 सीटों पर कांग्रेस ने आप को हराया

ये दिग्गज जीते

अतिशी मार्लेना (आप), कालकाजी

कैलाश गहलोत (भाजपा), बिजवासन

कपिल मिश्रा (भाजपा),करावल

ये दिग्गज हारे

मनीष सिसोदिया (आप), जंगपुरा

रमेश बिधूड़ी (भाजपा), कालकाजी

सौरभ भारद्वाज (आप), ग्रेटर कैलाश

आतिशी कालकाजी सीट बचाने में कामयाब रही रमेश बिधूड़ी हारे

मनीष सिसोदिया, सौरभ भारद्वाज, सतेन्द्र जैन और राखी बिडला सहित कई दिग्गज हारे

सतीश उपाध्याय, कपिल मिश्रा, मोहन बिष्ट, कुलवंत, मनोज शौकिन, हरीश खुराना जीते

भाजपा ने यह भी किया

भाजपा ने माइक्रो मैनेजमेंट को प्राथमिकता दी। पार्टी ने दलित पूर्वांचली मतदाताओं और उत्तराखंड से आए प्रवासियों तक अपनी पहुंच बनाई। इसके अलावा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और बंगाल के लोगों को साधने के लिए विशेष रणनीति बनाई।

किसका कितना वोट शेयर? दो प्रतिशत वोटों के अंतर से खेल	
45	प्रतिशत : भाजपा
43	प्रतिशत : आप
06	प्रतिशत : कांग्रेस

भावुक हुए अन्ना हजारे...कहा वह रास्ता छोड़ गए

अन्ना हजारे यह कहते हुए भावुक हो गए कि उन्होंने केजरीवाल को बहुत समझाया, लेकिन उन्होंने समाज के बारे में नहीं सोचा और राजनीति में चले गए। उन्होंने कहा कि मुझे उससे बहुत उम्मीद थी, मैंने उसे बहुत सारा प्यार दिया था, लेकिन वह रास्ता छोड़ गए। चुनाव लड़ते समय उम्मीदवार का आचार विचार और चरित्र शुद्ध होना चाहिए ये शराब में लिप्त रहे।

केजरीवाल ने हार स्वीकार की, बोले लोगों की सेवा करते रहेंगे

अरविंद केजरीवाल ने अपनी हार स्वीकर कर ली है। उन्होंने एक वीडियो मैसेज के जरिए लोगों से कहा कि हम जनता के जनादेश को बहुत विनम्रता से स्वीकार करते हैं। हम न केवल एक रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएंगे बल्कि लोगों के बीच रहेंगे और उनकी सेवा करते रहेंगे।

गदगद हुए सीएम मोहन- आप-दा से मुक्त हुई दिल्ली

मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि दिल्ली में खिला विकास का कमल। यह महाविजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी नीतियों, विकसित भारत-भ्रष्टाचार मुक्त दिल्ली, सुशासन के संकल्प व दिल्ली की जनता के समर्थन और आशीर्वाद का सुफल है। आप-दा से मुक्त हुई दिल्ली।

प्रवेश बोले- राजधानी पर सबको गर्व होगा

प्रवेश वर्मा ने कहा कि दिल्ली में बनने जा रही यह सरकार पीएम मोदी के विजन को दिल्ली में लेकर आएगी। मैं इस जीत का श्रेय पीएम मोदी को देता हूं। हमारी प्राथमिकता महिलाओं को 2500 रुपए देना, भ्रष्टाचार की जांच के लिए एसआईटी बनाना, यमुना रिवरफ्रंट, प्रदूषण कम करना, ट्रैफिक जाम कम करना होगी। हम ऐसी राजधानी बनाएंगे जिस पर सभी को गर्व होगा।

दिल्ली विस चुनाव में जीत से गदगद हुए प्रधानमंत्री

दिल्ली आप-दा से हुई मुक्त, जिन्हें मालिक होने का घमंड था वे हारे: मोदी

- कहा, दिल्ली में विकास, विजन और विश्वास की जीत हुई
- पीएम बोले, मोदी की गारंटी पर भरोसा करने के लिए सिर झुकाकर नमन करता हूं
- भाजपा मुख्यालय में मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को किया संबोधित

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में भाजपा की जीत से गदगद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जिन्हें मालिक होने का घमंड था, उन्हें दिल्ली की जनता ने नकार दिया। दिल्ली में 48 सीटों पर की विजय के बाद शनिवार शाम को पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि आज दिल्ली में विजय का उत्साह और आप-दा से मुक्त होने का सुकून है। दिल्ली के इस जनादेश से ये भी स्पष्ट है कि राजनीति में शॉर्टकट के लिए, झूठ और फरेब के लिए कोई जगह नहीं है। दिल्ली भाजपा के सांसदों ने जीत पर नरेंद्र मोदी का अभिनंदन किया। कार्यकर्ताओं ने नारों और तालियों से प्रधानमंत्री का स्वागत किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मैंने हर दिल्ली वासी के नाम एक पत्र भेजा था और आप सबने हर परिवार में मेरा ये पत्र पहुंचाया था। मैंने दिल्ली से प्रार्थना की थी कि 21वीं सदी में भाजपा को सेवा का अवसर दीजिए, दिल्ली को विकसित भारत की विकसित राजधानी बनाने के लिए भाजपा को मौका दीजिए। उन्होंने कहा कि मैं दिल्ली के हर परिवारजन को मोदी की गारंटी पर भरोसा करने के लिए सिर झुकाकर नमन करता हूं। मैं दिल्ली वासियों के आभार व्यक्त करता हूं।

मोदी ने कहा कि दिल्ली ने दिल खोलकर हमें प्यार दिया है। और मैं दिल्ली वासियों को फिर से एक बार विश्वास दिलाता हूं कि आपके इस प्यार को सवा गुना करके विकास के रूप में हम लौटाएंगे। उन्होंने कहा कि आज की ये विजय ऐतिहासिक है। दिल्ली के लोगों ने आप-दा को बाहर कर दिया है। एक दशक की आप-दा से दिल्ली मुक्त हुई है। दिल्ली का जनादेश स्पष्ट है, आज दिल्ली में विकास, विजन और विश्वास की जीत हुई है। आज आडंबर, अराजकता, अहंकार और दिल्ली पर छाई आप-दा की हार हुई है। उन्होंने कहा कि इस नतीजे ने भाजपा के कार्यकर्ताओं की दिन रात की मेहनत, उनके परिश्रम को चार चांद लगा दिए हैं। आप सभी कार्यकर्ता इस विजय के हकदार हैं। मैं भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता को इस विजय की बहुत बहुत बधाई देता हूं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दिल्ली की जनता ने साफ कर दिया है कि दिल्ली की असली मालिक सिर्फ और सिर्फ दिल्ली की जनता है। जिनको दिल्ली का मालिक होने का घमंड था, उनका सच से सामना हो गया। उन्होंने कहा कि ▶▶ शेष पेज 5 पर

प्रवेश मप्र के हैं दामाद

नई दिल्ली सीट से ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाले प्रवेश वर्मा की ससुराल धार में जमकर जश्न मनाया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने धार से उनकी सास और मौजूदा भाजपा विधायक नीना वर्मा के निवास स्थान पर जमकर आतिशबाजी की। ससुर विक्रम वर्मा पूर्व सांसद और केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं। प्रवेश के तीन बच्चे हैं, एक बेटा शिवेन सिंह और दो बेटियां सानिधि और प्रिशा। उनकी सास दिल्ली पहुंच गई हैं। प्रवेश दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के पुत्र हैं। उनका जन्म 7 नवंबर 1977 को दिल्ली में हुआ था।

आंनद राणा ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा आखिरकार पूरे 27 साल बाद दिल्ली विधानसभा चुनाव में 48 सीटें हासिल कर जीत का झंडा फहराने में कामयाब रही है। भाजपा 1993 में पिछली बार जीती थी, 1998 तक दिल्ली की सत्ता पर काबिज रही। इसके बाद कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने राज किया। लगातार छह चुनाव हारने के बाद भाजपा एक बार फिर दिल्ली में सरकार बनाने जा रही है। 70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा में सरकार बनाने के लिए 36 सीटों की जरूरत थी, भाजपा ने बहुमत से 12 सीटें ज्यादा प्राप्त की हैं।

आम आदमी पार्टी के 11 साल के शासनकाल को समाप्त कर भाजपा ने दिल्ली पर कब्जा किया है। शनिवार को चुनाव नतीजे आये तो आप के तमाम दिग्गज एक एक कर ढह गये। अरविंद केजरीवाल को भाजपा के प्रवेश वर्मा ने नई दिल्ली सीट पर धूल चटाई। हालांकि मुख्यमंत्री आतिशी अपनी सीट बचाने में कामयाब रही पर आम आदमी पार्टी के कई मंत्री और दिग्गज विधायक चुनावी अखाड़े में पटकनी खा बैठे। उनकी पार्टी 62 सीटों से 22 पर सिमट कर रह गयी है। भाजपा पिछले चुनाव में 8 सीटों पर जीती थी इस बार उसने आप से 40 सीटें छीन ली। कांग्रेस इस चुनाव भी शून्य पर ही रही। पिछले तीन चुनाव से कांग्रेस का खाता नहीं खुला है। हालांकि कांग्रेस कई सीटों पर अच्छे वोट लेकर आप की लुटिया डुबोने में कामयाब रही।

भाजपा पिछली बार 1993 में दिल्ली विधानसभा का चुनाव जीती थी। कांग्रेस 1998 में जीती तो फिर 2013 में आम आदमी पार्टी के हाथों हारी। तब से लेकर अब तक पूरे 11 साल अरविंद केजरीवाल की पार्टी दिल्ली की गद्दी पर काबिज रही।

अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सौरभ भारद्वाज, सतेंद्र जैन, राखी बिडला से लेकर रघुविंद्र शौकीन तक चुनाव हार गये। आप के 48 उम्मीदवार पराजित रहे। हालांकि निवर्तमान मुख्यमंत्री आतिशी अपनी सीट कांटे की टक्कर में बचाने में सफल रही।

भाजपा के जो बड़े चेहरे जीते, उनमें नई दिल्ली सीट से केजरीवाल को प्रवेश वर्मा ने धूल चटाकर सबको अचंभित कर दिया। यहां त्रिकोणीय मुकाबले में कांग्रेस के संदीप दीक्षित भी भाजपा की जीत में मददगार साबित हुए। प्रवेश वर्मा इस सीट पर पहली बार चुनाव लड़ रहे थे जबकि केजरीवाल लगातार तीन विधानसभा चुनाव इस सीट से जीत चुके थे। कई साल पहले कांग्रेस के विधायक रहे और अब भाजपा की टिकट पर जंगपुरा से चुनाव लड़े तरविंद्र सिंह मरवाह ने आप के नंबर दो मनीष सिसोदिया को हार का ▶▶ शेष पेज 5 पर

बेंगलुरु में पूरी हुई एयरो इंडिया-2025 के आयोजन की तैयारियां

वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने फ्लाई पास्ट के जरिए प्रदर्शित की अपनी मारक क्षमता

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अगले सप्ताह की शुरुआत से बेंगलुरु में आयोजित किए जा रहे 'एयरो इंडिया शो-2025' को लेकर सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं। शनिवार को भारतीय वायुसेना के विभिन्न प्रकार के विमानों ने अनोखे फ्लाईपास्ट के साथ फुल ड्रेस रिर्हसल संपन्न हुई।

जिसमें बल के जंगी लड़ाकू और परिवहन विमानों की गर्जना से कर्नाटक का आसमान गुंजायमान रहा। जबकि वायुसेना के हेलिकॉप्टरों ने अपनी उड़ान के साथ देश का राष्ट्रीय ध्वज फहराया। रिर्हसल में बड़ी तादाद में आम लोगों ▶▶ शेष पेज 5 पर

आयोजित की जाएंगी कई द्विपक्षीय बैठकें

मंत्रालय ने बताया कि एयरो शो में एक पूर्वावलोकन कार्यक्रम, उद्घाटन समारोह, रक्षा मंत्रियों का सम्मेलन, सीईओ गोलमेज सम्मेलन और आईडेक्स स्टार्ट-अप जैसे कार्यक्रम होंगे। रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन ▶▶ शेष पेज 5 पर

मेक इन इंडिया को प्रदर्शित करेगा इंडिया पवेलियन

इंडिया पवेलियन स्वदेशी रक्षा विनिर्माण क्षमताओं और अंतरराष्ट्रीय मंच के लिए तैयार अत्याधुनिक तकनीकों का प्रदर्शन करके मेक इन इंडिया पहल के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करेगा। भारतीय स्टार्टअप को बढ़ावा देना एयरो इंडिया का ध्यान केंद्रित करने ▶▶ शेष पेज 5 पर

वायुसेना प्रमुख, सेनाप्रमुख तेजस में उड़ान भरेंगे

एयरो इंडिया की एक खास बात यह होगी कि इसमें वायुसेना प्रमुख एयरचीफ मार्शल ए.पी. सिंह और सेनाप्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी एक साथ स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस में उड़ान भरेंगे। सूत्रों ने बताया कि देश की सशस्त्र सेनाओं से लेकर हर खासो आम के लिए यह एक ऐतिहासिक पल होगा। जिसमें दो सेनाओं के प्रमुख एक साथ तेजस में उड़ान भरते हुए नजर आएंगे। यह उड़ान कुल करीब पौने घंटे यानी 45 मिनट की होगी।

महत्वपूर्ण फाईल, डाटा चोरी की आशंका

आप की हार के बाद एलजी के आदेश पर सचिवालय सील

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में आम आदमी पार्टी की करारी हार के बाद उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के आदेश पर दिल्ली सचिवालय को सील कर दिया गया। एलजी ने यह कदम संभावित फाइलें, कंप्यूटर डाटा आदि के चोरी होने की संभावना को देखते हुए उठाया। एलजी के आदेश में दिल्ली सचिवालय में मौजूद महत्वपूर्ण दस्तावेजों की सुरक्षा संबंधी जिक्र किया गया है। जिसमें लिखा है कि विभाग की अनुमति के बिना कोई भी फाइल, दस्तावेज, कंप्यूटर हार्डवेयर आदि दिल्ली सचिवालय परिसर के बाहर नहीं ले जाया जा सकता। दोपहर बाद भाजपा के जीत की तरफ बढ़ते कदमों व केजरीवाल सहित अन्य दिग्गजों के हारने के बाद एलजी सक्सेना ने सचिवालय सील करने के आदेश जारी किए। एलजी के निर्देशानुसार दिल्ली सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने तुरंत एक आदेश जारी किया और सचिवालय से किसी भी प्रकार की फाइल, दस्तावेज, कंप्यूटर हार्डवेयर , पैन ड्राइव आदि के बाहर ले जाने पर रोक लग गई। इसके अलावा जीएडी ने सभी विभागों, एजेंसियों और मंत्रिपरिषद के कैंप कार्यालयों को निर्देश दिया कि वे विभाग की अनुमति के बिना कोई भी रिकॉर्ड या फाइल न हटाएं। दिल्ली विधानसभा चुनाव में 27 साल बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बड़े बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। वहीं वर्तमान सीएम आतिशी को छोड़ दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, मंत्री सौरभ भारद्वाज, पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन सहित अधिकांश दिग्गज चुनाव चुनाव हार गए हैं।

केजरीवाल की झूठ और धोखे की राजनीति को दिल्ली की जनता नकार चुकी है: यादव

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में लगातार तीसरी बार शून्य पर रही कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा है कि आज आए विधानसभा के परिणाम इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि अरविंद केजरीवाल की झूठ और धोखे की राजनीति को दिल्ली की जनता अब नकार चुकी है। यादव ने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए कहा कि पार्टी संगठन के सभी सिपाहियों ने न्याय की लड़ाई बेहद मजबूती के साथ लड़ी, मगर परिणाम हमारे पक्ष में नहीं आये। उन्होंने कहा कि हम अपनी कमियों और गलतियों की समीक्षा करेंगे और दिल्ली की जनता की सेवा का कार्य निरंतर जारी रखेंगे। यादव ने दोहराया कि हम दिल्ली वालों के साथ हर क्षण खड़े रहेंगे।

केजरीवाल ने स्वीकार किया जनता का फैसला, भाजपा को दी जीत की बधाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- हम राजनीति में सत्ता के लिए नहीं आए, हम राजनीति को जनता की सेवा का एक जरिया मानते हैं और यह काम करते रहेंगे : केजरीवाल

दिल्ली विधानसभा चुनाव के आए नतीजे आने के बाद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली की जनता के फैसले को हम पूरी विनम्रता के साथ स्वीकार करते हैं। साथ ही, इस जीत के लिए भाजपा को बधाई देते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि जनता के सभी उम्मीदों और आशाओं पर भाजपा खरा उतरेगी। वहीं केजरीवाल ने कहा कि हम राजनीति में कोई सत्ता के लिए नहीं आए, बल्कि हम राजनीति को जनता की सेवा का एक जरिया मानते हैं और सेवा का काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले दस साल में हमने शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी, बिजली समेत अन्य क्षेत्रों में ढेरों काम करके लोगों की जिंदगी में राहत पहुंचाने की कोशिश की। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमें जनता ने जो 10 साल में मौका दिया, उन 10 सालों में हमने बहुत सारे काम किए। पिछले दस सालों में हमने शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी, बिजली के क्षेत्र में हमने बहुत सारे काम किए। हमने लोगों की जिंदगी में और भी अलग-अलग तरीकों से राहत पहुंचाने की कोशिश की और हमने दिल्ली के इंफ्रास्ट्रक्चर को भी सुधारने की कोशिश की। अब जनता ने जो हमें निर्णय दिया है। हम ना सिर्फ एक संरचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएंगे बल्कि समाज सेवा और जनता के सुख-दुख में हमेशा काम आएंगे। क्योंकि हम राजनीति में कोई सत्ता के लिए नहीं आए। हम राजनीति को एक जरिया मानते हैं जिसके जरिए जनता की सेवा की जा सके। जिसके जरिए लोगों के सुख-दुख में काम आया जा सके। हम वे काम करते रहेंगे। हमें आगे भी इसी तरह जनता के सुख-दुख में काम आना है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं आम आदमी पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं। उन्होंने बहुत शानदार चुनाव लड़ा। उन्होंने बहुत मेहनत की और उन्होंने इस पूरे चुनाव के दौरान बहुत कुछ सहा।

पीएम की जनकल्याणकारी नीतियां और उनके कुशल नेतृत्व ने दिलाई दिल्ली में भाजपा को ऐतिहासिक जीत : गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- जीत की हैट्रिक लगाने वाले विजेंद्र गुप्ता ने निकाला विजय जुलूस
- केजरीवाल और आतिशी के झूठ के कारण डूबा 'आम आदमी पार्टी' का जहाज

रोहिणी विधानसभा क्षेत्र से तीसरी बार लगातार जीत हासिल कर हैट्रिक मारने वाले भाजपा प्रत्याशी विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देते हुए कहा है कि यह विजय उनकी जनकल्याणकारी नीतियों, विकसित भारत के निर्माण की योजनाओं और प्रभावशाली व कुशल नेतृत्व का प्रतिफल है। गुप्ता ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा पर विश्वास व्यक्त कर ऐतिहासिक और प्रचंड जीत सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली की देवतुल्य जनता का हार्दिक आभार व्यक्त किया है। बकौल गुप्ता दिल्ली में डबल इंजन की भाजपा सरकार बनाने के लिये दिल्ली की देवतुल्य जनता ने आज विकास और समृद्धि का कमल खिलाकर एक इतिहास रचने का काम किया है। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक जनादेश भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा के कुशल सांगठनिक नेतृत्व, गृहमंत्री अमित शाह की कुशल रणनीति और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में भाजपा के असंख्य समर्पित कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का परिणाम है। रोहिणी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी के रूप में भारी मतों से जीत हासिल करने के बाद विजेंद्र गुप्ता ने रोहिणी में अपनी विजय यात्रा निकाली। उनकी जीत का जुलूस रोहिणी के सेक्टर-15 के एनसीसी भवन से शुरू हुआ और सेक्टर 18 की रेड लाइट, मानव चौक, सेक्टर 15 की C-D डिवाइडिंग रोड, E-F ब्लॉक डिवाइडिंग रोड, बंसल प्रॉपर्टी, एफ ब्लॉक, ए ब्लॉक ड्रेन रोड, सचदेवा स्कूल, नीलकंठ अपार्टमेंट, तुलसी अपार्टमेंट, प्रशांत विहार के बाबोसा मंदिर रोड, डीसी चौक, कैप्टन संजीव दहिया मार्ग, फायर स्टेशन, शिव रोड, सेक्टर 7-8 की डिवाइडिंग रोड और अशोका अपार्टमेंट से होता हुआ सेक्टर 7 के चुनाव कार्यालय पर सम्पन्न हुआ।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग का शूटर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शूटर को गिरफ्तार किया है। हरीश नामक यह बदमाश रंगदारी वसूलने के लिये फायरिंग की योजना पर काम कर रहा था। इसके पास से एक पिस्टल और पांच कारतूस बरामद हुये हैं। पुलिस के अनुसार सात फरवरी को हेड कांस्टेबल अमित राणा को इसके बारे में इनपुट मिला था। सूचना मिली थी कि लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का एक शूटर और अंकित का करीबी फायरिंग की वारदात को अंजाम देने के लिये टी प्वाइंट गंदा नाला रोड, सेक्टर 24 रोहिणी के पास अपने अन्य साथियों से मिलने आएगा। इसके बाद रात करीब 10 बजे ट्रैप लगाकर इसे दबोच लिया गया।

लावारिस बक्सा मिलने से रोहिणी में हड़कंप

नई दिल्ली। रोहिणी के प्रशांत विहार में शनिवार को काले रंग का एक लावारिस बक्सा मिलने से इलाके के लोग दहशत में आ गए। आनन फानन में सूचना पुलिस को दी गई। जांच में बक्से में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। लोग इसलिये भी घबराये हुये थे क्योंकि दो बार पहले विस्फोट हो चुके हैं और पुलिस आजतक इसके पीछे के शरारती तत्वों को तलाश नहीं सकी है। पुलिस नियंत्रण कक्ष को दोहपर 1.28 बजे संदिग्ध बक्से के बारे में सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने तत्काल मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। गहन जांच के बाद अधिकारियों ने बक्से में कुछ भी संदिग्ध वस्तु नहीं होने की पुष्टि की। इस दौरान इलाके में घेराबंदी कर दी गई थी। करीब एक घंटे तक यातायात भी इलाके का बाधित रहा। इससे वाहन चालकों को सड़कों पर कतारों में खड़ा रहना पड़ा।

उम्रकैद की सजा के बाद पैरोल जंप करने वाला किया अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- ओखला के हत्या केस में मिली थी सजा

अपराध शाखा ने एक पैरोल जम्पर को गिरफ्तार किया है। इसे ओखला के मर्डर केस में आजीवन कारावास की सजा सुनाई जा चुकी थी। आरोपी जब्बार सिंह पिछले दो सालों से अहमदाबाद में सुरक्षा गार्ड के तौर पर कार्य कर रहा था। हाल ही में फरीदाबाद आया था। इसे मई 2021 में 90 दिनों की अवधि के लिए आपातकालीन पैरोल दी गई थी।

पुलिस के अनुसार अपराध शाखा की नई दिल्ली रेंज की टीम ने इस पैरोल जंपर को पकड़ा है। वह जुलाई 2021 से फरार था। जब्बार सिंह को 15 मई 2021 को 90 दिनों के लिए आपातकालीन पैरोल दी गई थी। उसे 24 मार्च 2023 को आत्मसमर्पण करना था, लेकिन उसने जेल प्राधिकरण के सामने आत्मसमर्पण नहीं किया और फरार हो गया था। हाल ही में एएसआई रवींद्र सिंह को सूचना मिली कि आरोपी फतेहपुर चंदीला गांव, फरीदाबाद में रह रहा है। छापेमारी टीम ने भगौड़े को फरीदाबाद से पकड़ लिया। इसे जेल अधिकारियों को सौंपा जा रहा है। आरोपी मूलरूप से जालोन, यूपी कर रहने वाला है। 2011 में वह काम की तलाश में अपने एक दोस्त के साथ दिल्ली आया था। ओखला औद्योगिक क्षेत्र इसे लोडर का काम मिल गया था। अपने दोस्तों के साथ किराए का कमरा लेकर रह रहा था। एक दिन उसके दोस्त कमरे पर शराब पी रहे थे। इसी दौरान एक दोस्त के साथ गाली-गलौज और झगड़ा हो गया था। झगड़े के दौरान इसने दोस्त के सिर पर तराजू से वार कर दिया था। बाद में घायल की मौत हो गई थी। आरोपी वारदात के बाद फरार हो गया था और इसे भिंड, एमपी से पकड़ा गया था। 2015 में इसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। 2021 में कोरोना महामारी के दौरान इसे पैरोल मिला था। 29 जनवरी को वह इसे फरीदाबाद में सिक्युरिटी गार्ड की नौकरी मिल गई थी।

600 ई सिगरेट के साथ तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली। शाहदरा जिले की एसटीएफ टीम ने इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट की बिक्री में शामिल एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। इसके पास से 600 इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट बरामद हुई है। शुक्रवार को इसके दिलशाद गार्डन मेट्रो स्टेशन के पास आने की सूचना मिली थी। पुलिस ने जाल बिछाया और मयंक गिरी (26) निवासी जनकपुरी को पकड़ लिया। उसके पास से तीन बैग मिले। प्रत्येक बैग में 20 बॉक्स इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट थे। हर बॉक्स में 10 इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट थे। पूछताछ के दौरान मयंक ने खुलासा किया कि वह जनकपुरी निवासी गौरव के निर्देश पर इन ई सिगरेट की तस्करी में शामिल था। गौरव व्हाट्सएप कॉल के जरिए उससे संपर्क कर ई सिगरेट उपलब्ध कराता था। बाद में उसकी लोकेशन को दूसरी पार्टियों के लिए फॉरवर्ड करता था। इस गिरफ्तारी के संबंध सीमापुरी थाने में केस दर्ज किया गया है। मयंक गिरी के पास बीबीए की डिग्री है। अच्छी नौकरी नहीं मिलने के कारण जल्दी पैसा कमाने की चाहत में उसने तस्करी शुरू की थी। वह पहले भी कॉल सेंटर धोखाधड़ी मामले में जेल जा चुका है।

दिल्ली में भाजपा की बन सकती है ट्रिपल इंजन की सरकार

दया राम ⏭ नई दिल्ली

- नवंबर माह में मात्र तीन मतों से महापौर चुनाव हारी थी भाजपा

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में आम आदमी पार्टी को भाजपा ने हरा दिया है और इसी जनादेश के चलते भाजपा की दिल्ली में डबल इंजन की सरकार तो बन ही जाएगी। इसके बाद देखा जाए तो दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में अप्रैल में महापौर पद के लिए चुनाव होने हैं और गत एक दो माह के दौरान की राजनीति देखी जाए तो आम आदमी पार्टी से भाजपा में कुछ विधायक, पार्षद शामिल हुए हैं, जिसके बाद यह सिलसिला चल रहा है और अब निगम सूत्रों की माने तो आगामी महापौर चुनाव से पहले या तो कुछ पार्षद भाजपा में शामिल हो सकते हैं या फिर महापौर चुनाव के दौरान भाजपा के पक्ष में अपना वोट क्रॉस कर सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि यदि ऐसा हो जाता है तो निगम में भाजपा का महापौर बनने पर दिल्ली में भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार बन जाएगी।

बता दें कि गत वर्ष नवंबर माह में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के महापौर चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) के पार्षद महेश कुमार खींची को 3 मतों से जीत मिली थी। महापौर चुनाव के दौरान भाजपा के पास केवल 122 मत थे। इसके बावजूद भाजपा को 10 मत ज्यादा मिले। इसका मतलब यह हुआ कि आप के कुछ पार्षदों ने भाजपा के पक्ष में क्रॉस मतदान किया। जानकारी के अनुसार संख्या बल के हिसाब से आप के पास 142 वोट थे, जिनमें से 3 राज्यसभा सांसद, 13 विधायक और 126 पार्षद शामिल हैं। जबकि भाजपा के पास 7 लोकसभा सांसद, एक विधायक और 114 पार्षदों के समर्थन से 122 वोट थे। बता दें कि सिविक सेंटर, निगम मुख्यालय में महापौर पद के निर्वाचन के लिए कुल 265 मत डाले गए जिसमें से 2 मत अवैध घोषित किये गए। महेश कुमार को 133 मत प्राप्त हुए वहीं किशन लाल ने 130 मत हासिल किये। किशन लाल शकुरपुर, वार्ड संख्या - 62 से पार्षद हैं।

युवा लेखकों को बधाई दी और मेले को ज्ञान कुंभ बताया

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने 41 पुस्तकों का किया लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को पीएम युवा मेंटरशिप प्रोग्राम 2.0 के तहत 41 पुस्तकों का लोकार्पण किया। शिक्षा मंत्रालय के इस पहल का उद्देश्य मेंटरशिप के माध्यम से युवा साहित्यिक प्रतिभाओं को विकसित करना है। धर्मेंद्र प्रधान ने कार्यक्रम में शामिल युवा लेखकों को बधाई दी और मेले को "ज्ञान कुंभ" बताया। नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) प्रशासन ने शनिवार को विश्व पुस्तक मेला की यह जानकारी दी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बौद्धिक विमर्श को आकार देने में युवा लेखकों के महत्व पर जोर दिया और इस वर्ष के विषय "लोकतंत्र" पर प्रकाश डाला। मंत्री ने ओडिशा के 1857 के संग्राम की कहानी "कुडोपाली की गाथा" के हिंदी संस्करण के प्रकाशन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा यह भारत के स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण लेकिन कम चर्चित अध्याय रहा है, इसका प्रकाशन इतिहास के भूले हुए नायकों को सम्मान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) से नए लेखकों को मार्गदर्शन देने के लिए युवा 3.0 मेंटरशिप योजना शुरू करने का आह्वान किया। मंत्री ने युवा पाठकों के साथ एक घंटे से अधिक समय तक बातचीत की और उनकी रुचियों और प्राथमिकताओं को जाना।

शिक्षा मंत्री ने राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय के ग्रेडेड रीडिंग मैस्कॉट चीता से भी मुलाकात की और एप्लीकेशन के नए संस्करण के बारे में जानकारी ली। राष्ट्रीय ई -पुस्तकालय स्कूली शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय की महत्वाकांक्षी योजना है जिसके अंतर्गत बाल एवं किशोर पाठकों हेतु आयु वर्ग उपयुक्त गैर अकादमिक डिजिटल पुस्तकें मोबाइल और वेब बेस्ड एप्लीकेशन के माध्यम से मुफ्त उपलब्ध कराई जाती हैं।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा पीएम युवा मेंटरशिप कार्यक्रम के अंतर्गत संविधान की आठवीं अनुसूची में सूचीबद्ध किसी भी भाषा के साथ-साथ अंग्रेजी में पुस्तकें प्रकाशित की जाती हैं। हजारों प्रस्तुतियों में से, 41 होनहार आवेदकों को युवा 2.0 मेंटरशिप योजना के लिए चुना गया। पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में त्रिपुरा के राज्यपाल इंद्रसेन रेड्डी नल्लू, विनीत जोशी (आईएएस) (सचिव, उच्च शिक्षा), प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे (अध्यक्ष, एनबीटी), प्रो. एम. जगदीश कुमार (अध्यक्ष, यूजीसी), संजय कुमार (आईएएस) (सचिव, स्कूल शिक्षा) और युवराज मलिक (निदेशक, एनबीटी) का भी स्वागत किया गया। पुस्तक मेले में लेखिका लिट्टी चाको की मलयालम पुस्तक, संगमग्राम माधवंते रंडू कृतिकाल और एक अन्य पुस्तक द सागा ऑफ कुडोपाली का हिंदी संस्करण भी जारी किया गया।

हार से स्पष्ट है जनता मानती है, केजरीवाल भ्रष्ट : सचदेवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- मोदी, नड्डा एवं शाह के कुशल नेतृत्व और कार्यकर्ताओं के परिश्रम की है जीत

आम आमदी पार्टी के मुखिया व पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल लगातार कहते थे कि वह ईमानदार हैं और दिल्ली की जनता अपने वोट से उन्हे जेल भेजने का बदला भाजपा से लेगी पर आज दिल्ली की जनता ने केजरीवाल को एक बड़ी चौतरफा हार दे कर यह स्पष्ट कर दिया कि जनता मानती है कि केजरीवाल भ्रष्ट हैं। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने शनिवार को यह बयान जारी कर केजरीवाल पर उक्त आरोप लगाए। सचदेवा ने कहा कि जनता का आज का जनमत एक निर्णायक जनमत है जिसमे जनता ने दिल्ली सरकार के अकूट भ्रष्टाचार के सभी प्रमुख दोषियों अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सत्येन्द्र जैन, सौरभ भारद्वाज एवं दुर्गेश पाठक को हरा दिया है। सचदेवा ने कहा है कि दिल्ली की जनता ने आज आम आदमी पार्टी एवं अरविंद केजरीवाल के भ्रष्टाचार, आराजकता एवं अकर्मण्यता से भरे शासन को पूरी तरह नकार दिया है भाजपा पर विश्वास प्रकट करते हुए एक बड़ा बहुमत भाजपा को दिया है। लगभग 27 वर्ष के लम्बे अंतराल के बाद दिल्ली की जनता ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को अभूतपूर्व जन समर्थन के साथ चुन कर विकसित दिल्ली के निर्माण का अवसर दिया है जिसके लिए हम दिल्ली में समाज के हर वर्ग के लोगों का आभार प्रकट करते हैं।

सचदेवा ने कहा है कि यह चुनाव विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जनता के विश्वास की है, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा एवं गृह मंत्री अमित शाह के कुशल नेतृत्व की है और सर्वोपरि हमारे कार्यकर्ताओं के परिश्रम की है। दिल्ली भाजपा केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विभिन्न अन्य केंद्रीय मंत्रियों, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं अन्य मुख्यमंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं द्वारा किये सघन प्रचार के लिए आभारी है जिसने दिल्ली भाजपा के लिए अनुकूल राजनीतिक विजय वातावरण बनाया।

हारने के पूर्वानुमान के चलते प्रदेश कांग्रेस में सुबह से ही गायब रहे नेता, छायी रही वीरानी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में लगातारी तीसरी बार चुनाव हार चुकी है। अपनी हार की संभावना के चलते ही मतगणना वाले दिन शनिवार को कांग्रेस प्रदेश कार्यालय राजीव भवन सुबह से ही वीरान नजर आया। यहां तक की छोटे से छोटे नेता भी अगर भूले बिसरे आ भी गया तो चारों तरफ पसरे सन्नाटे को देखकर तुरंत वापस चला गया। जबकि मतदान वाले दिन से पहले हर रोज यही राजीव भवन सुबह से लेकर देर रात तक कार्यकर्ताओं की आवाजाही से आबाद दिखाई देता था। कभी लगातार 15 साल दिल्ली पर एकछत्र राज करने वाली कांग्रेस ने लगातार तीसरी बार शून्य सीट जीतने का भी इतिहास अपने नाम कर लिया है। भाजपा बेशक सत्ता से 27 साल बाहर रही लेकिन सीटों का शून्य रिकॉर्ड कभी नहीं रहा। सूत्रों की मानें तो मतदान वाले दिन के बाद ही पार्टी को पता चल गया था कि लाख दावों के बावजूद सरकार बनाने से कोसों दूर है। लेकिन पार्टी यह मानकर चल रही थी कि इस सूखा समाप्त होगा और चार पांच सीटें जीत जाएंगे, ऐसा नहीं हआ। मतदान वाले दिन 5 फरवरी 2025 की शाम को आए चुनावी एक्जिट पोल के नतीजों ने कांग्रेस पर जैसे कुठाराघात ही कर दिया, लेकिन वह इससे सहमत नहीं थी। लेकिन शनिवार को आए नतीजों ने एक बार फिर कांग्रेस को चारों खाने चित कर दिया।

भाजपा ने दिल्ली के विकास को मुद्दा बनाया, नाकामियों पर आप को घेरा

केजरीवाल का अंहकार, शीशमहल और भ्रष्टाचार आम आदमी पार्टी को ले डूबा

खास बातें

- भाजपा ने आप के बड़े नेताओं को उनकी सीटों पर घेरा, रणनीति रही कारगर
- केजरीवाल झूठे आरोपों पर फंसे, नैतिक मापदंड़ों को तोड़ा, भरोसा गंवा बैठे
- जनता बदलाव के मूड में थी, आप मुगालते में रही
- भाजपा ने यमुना, इंफ्रास्टैक्चर से लेकर फ्री योजनाओं के जरिये लोगों को साधा

हरिभूमि विशेष
आनंद राणा

पिछले 11 साल से दिल्ली की सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी चुनाव हार गई। अगर एक लाइन में कहा जाए तो केजरीवाल का अंहकार ही उन्हें और उनकी पार्टी को ले डूबा। भाजपा लोगों को यह विश्वास दिलाने में कामयाब रही कि अरविंद केजरीवाल भ्रष्टाचार में आकंठ डूब चुके हैं और दिल्ली के विकास से जुड़े आम आदमी पार्टी के दावे सच्चाई से कोंसो दूर हैं।

अरविंद केजरीवाल भले ही कट्टर ईमानदार होने का राग अलापते रहे हों पर जनता का भरोसा उठ चुका था। शराब घोटाला और शीशमहल जैसे मुद्दों ने उनकी छवि को तार तार कर दिया। पिछले विधानसभा चुनाव हों, नगर निगम चुनाव या फिर हालिया विधानसभा चुनाव उनकी पार्टी के कई नेता ही केजरीवाल पर पैसे लेकर टिकट बांटने का आरोप लगाते रहे। केजरीवाल का अपने नैतिक मापदंड़ों से पलटना ही उन्हें ले बैठा। बड़ी तादाद ऐसे लोगों की थी जो आम आदमी पार्टी के मतदाता थे पर केजरीवाल की कथनी और करनी में समानता नहीं देख पा रहे थे, ऐसे लोगों ने इस चुनाव में भाजपा की तरफ रूख कर लिया।

हालांकि एक बात ये भी है कि जो जीता वो सिकंदर होता है। इस लिहाज से भाजपा अपनी पीठ थपथपा सकती है, पर सच ये भी है कि आम आदमी पार्टी यह चुनाव हारी है। जाहिर तौर पर कांग्रेस दौड़ में लगभग थी ही नहीं तो मतदाताओं के सामने भाजपा ही विकल्प थी।

भाजपा नेतृत्व इस अवसर को भांप चुका था। इसलिए भरपूर ताकत और सियासी रणनीति से चुनावी बिसात पर आप को मात देने की तैयारी की गई। भागवा पार्टी ने प्रचार के दौरान मुकाबले को शुरू से ही कांटे का बनाये रखा और पिछले दो विधानसभा चुनावों में मिली पराजय को भूलाकर आक्रामक तरीके से बहुमत हासिल करने के लक्ष्य के साथ मैदान में ताल ठोंकी। आप की हार के ताबूत में कील ठोंकने में जुटी भाजपा के लिए कुछ सीटों पर कांग्रेस भी मददगार साबित हुई।

भाजपा ने यूं पलटी पाजी

दिल्ली देहात में ताकत झोंकी

दिल्ली देहात में भाजपा ने अपनी ताकत झोंकी। केजरीवाल गांव देहात से कटे रहे जिसका फायदा भाजपा ने बखूबी उठाया। साल 2015 और 2020 के विधानसभा चुनाव में भाजपा नरेला से लेकर छत्तरपुर तक कोई सीट नहीं जीत पायी थी। आप सरकार ने बावजूद इसके गांव के विकास की अनदेखी की। भाजपा ने यहां मजबूत उम्मीदवार उतारे। नतीजा ये रहा कि भाजपा लगभग सभी सीटें केजरीवाल की पार्टी से झटक ले गयी। नरेला, बवाना, बादली, रिठाला, मुडंका, सुलतान पुर माजरा, मादीपुर, नांगलोई जाट, नजफगढ़, मटियाला, बिजवासन, महरौली और छतरपुर भाजपा जीत गई।

भाजपा फुलप्रूफ रणनीति बनाकर मैदान में उतरी

ये कहना सही होगा कि दिल्ली के लोग केजरीवाल की पार्टी से नाराज थे और झाडू की विदाई चाहते थे। केजरीवाल की तमाम फ्री योजनाओं के बावजूद मतदाता उनकी पार्टी को इस बार मौका नहीं देना चाहते थे। जाहिर तौर पर भाजपा उनके लिए विकल्प थी। भाजपा नेतृत्व ने यह चुनाव बहुत ही बारीक तरीके से तमाम मुद्दों पर फोकस होते हुए लड़ा। उम्मीदवारों के चयन से लेकर आम आदमी पार्टी के कोर वोटर्स तक पहुंचने की रणनीति अपनाई गई। भाजपा गरीब, मध्यम वर्ग से लेकर उच्च तबके तक सबको अपने पाले में लाने की कोशिश में जुटी रही और इसमें कामयाब भी रही। भाजपा ने अपने चुनावी संकल्प पत्र के जरिये केजरीवाल की मुफ्त योजनाओं की काट पेश की। साथ ही भाजपा ने ये भी ऐलान किया कि हमारी सरकार बनी तो वर्तमान में चल रही कल्याणकारी योजनाओं को बंद नहीं किया जाएगा।

केजरीवाल सहित बड़े नेताओं को घेरा

भाजपा ने अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, आतिशी, सौरभ भारद्वाज, सतेन्द्र जैन, दुर्गेश पाठक और रघुविंद्र शौकीन जैसे बड़े नेताओं की तगड़ी घेराबंदी करते हुए इनके सामने अपने बड़े चेहरों को खड़ा किया। इससे टक्कर इस कदर कांटे की बनी कि आप के नेता अपनी ही सीट पर फंस गये। केजरीवाल चुनाव रणनीति और प्रचार पर उतना फोकस नहीं कर पाये क्योंकि उन्हें अपनी सीट पर ही पसीना आया हुआ था। प्रवेश वर्मा को शुरू में केजरीवाल बहुत हलके में ले रहे थे। कांग्रेस ने जैसे ही संदीप दीक्षित को टिकट दी, केजरीवाल की नई दिल्ली सीट त्रिकोणीय मुकाबले में फंस गई। दूसरी सीटों पर वे भागते भागते ही प्रचार पर जा पाये। लोगों में मैसज गया कि केजरीवाल खुद अपनी सीट नहीं बचा पाने की हालत में हैं और ये दांव भाजपा के लिए काम कर गया।

झुग्गी वोट बैंक को साधा, एससी वोटों में सेंध

भाजपा नेता जानते थे कि झुग्गी वोट बैंक केजरीवाल की पार्टी की ताकत है। इसलिए जेजे कलस्टर पर खास फोकस किया गया। पार्टी संगठन और आरएसएस ने झुग्गी वोट बैंक में सेंध लगाने के लिए बड़ी भूमिका अदा की। इससे आप को कई सीटों पर नुकसान झेलना पड़ा। लोकसभा चुनाव में संविधान के मुद्दे पर भाजपा को खामियाजा उठाना पड़ा था, इस बार एससी वोट साधने की कोशिश बड़े स्तर पर हुई और नतीजों में यह दिखा भी।

मध्य वर्ग और नौकरीपेशा लोगों पर फोकस किया

बजट में टैक्स रियायत देकर मध्यम वर्ग को और आठवें वेतमान की घोषणा के जरिये नौकरीपेशा लोगों पर फोकस किया गया। भाजपा के लिए यह मास्टर स्ट्रोक रहा। लोगों को लगा कि आप की बजाय भाजपा के पक्ष में वोट करना ठीक रहेगा।

सीएम फेस से किया किनारा, मोदी पर रहा भरोसा

केजरीवाल ने भाजपा के सीएम फेस का मुद्दा उठाया पर भाजपा जाल में नहीं फंसी। भाजपा ने प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे और नाम पर ही भरोसा किया। केजरीवाल ने रमेश बिधूड़ी का नाम भाजपा के सीएम फेस के लिए उछाला पर मुद्दा नहीं बना पाये। लोगों ने मोदी के नाम और काम की गारंटी पर भरोसा किया और केजरीवाल को नकार दिया।

आम आदमी पार्टी ऐसे हारी

केजरीवाल ने लोगों का भरोसा तोड़ा

अरविंद केजरीवाल ने शराब घोटाले में विवादित होकर ईमानदार होने की अपनी छवि को तार तार कर दिया। साल 2013 में नैतिक मापदंड़ों की दुहाई देकर केजरीवाल ने पहला चुनाव लड़ा था। शीशमहल, लग्जरी लाइफ और चुनावी हथकड़ों के जरिये वे लोगों में अपनी साख गंवा बैठे। उनके कट्टर ईमानदार होने के दावों पर लोग हंसने लगे।

आप विधायकों से बुरी तरह नाराज थे लोग

आम आदमी पार्टी की हार में पार्टी के वर्तमान विधायकों का बड़ा रोल रहा। ईमानदारी, साफ छवि और जनसेवा का नारा बुलंद कर सामान्य से लोग जब विधायक बने तो लोगों को बड़ी उम्मीदें थी। पिछले दस सालों में ज्यादातर विधायक अपनी संपत्ति बढ़ाने में जुटे रहे। बड़ी कोठियां, कारों का काफिला और लग्जरी लाइफ से सराबोर आम आदमी के विधायकों को देख जनता खुद को ठगा महसूस कर रही थी। बहुत से विधायकों लोगों की समस्याओं से कटे हुए थे। एंटीइंक्बेंसी बहुत हाई थी।

यमुना में जहर मिलाने का बोला झूठ

अरविंद केजरीवाल ने यमुना में जहर मिलाने का बहुत ही बेतुका आरोप भाजपा और हरियाणा सरकार पर मतदान से ऐन पहले लगा दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा दिल्ली में नरसंहार करवाना चाहती है। दिल्ली के लोग इस बात का हजम नहीं कर पाये। भाजपा इस मुद्दे पर केजरीवाल को झूठा बताती रही। केजरीवाल का यह आरोप लोगों को पसंद नहीं आया और माना गया कि वे अपने फायदे के लिए बिना सबूत कुछ भी कह सकते हैं। चुनाव आयोग के नोटिस के बाद वे बैकफुट पर आ गये।

परिवार को राजनीति में आगे किया

केजरीवाल परिवार और वंशवादी राजनीति के खिलाफ बड़ी बड़ी बातें कर राजनीति में आये थे। लेकिन जब उनकी गर्दन शराब घोटाले में फंसी तो वे अपनी पत्नी को ही पार्टी की अगवाई के लिए आगे ले लाए। तिहाड़ जाने के बाद सुनीता केजरीवाल पार्टी में किसी पद पर न होते हुए भी पार्टी लीड करने लगी। बड़ी जनसभाएं हों या देश में इंडिया गठबंधन की बैठकें उनमें सुनीता कि भागीदारी से मैसज गया की केजरीवाल भी परिवार को आगे बढ़ाने में लगे हैं।

आतिशी को टेम्पेररी सीएम बताया

आम आदमी पार्टी जीती तो मैं ही सीएम पद संभालूंगा। केजरीवाल ने ये बयान दिया तो आतिशी को लेकर सवाल खड़े हुए। उन्होंने आतिशी को कुछ वक्त तक के लिए ही सीएम बताया। इससे वे सवालों के घेरे में आ गये। भाजपा ने कहा कि कोर्ट की पाबंदियों के चलते केजरीवाल सीएम नहीं बन सकते हैं।

टिकट कटा तो आप के कई एमएलए भाजपा में गये

केजरीवाल के तीन मंत्रियों ने आम आदमी पार्टी छोड़ी। चुनाव में टिकट कटा तो कई एमएलए भाजपा में शामिल हो गये। आप छोड़कर गये इन नेताओं ने केजरीवाल पर तानाशाह होने का आरोप लगाया। लोगों को लगा कि जो व्यक्ति आम राय की बात कर राजनीति में आया था वह अब मनमर्जी से पार्टी चलाने लगा है।

स्वाति मालीवाल से झगड़ा पड़ा भारी

दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल को मुख्यमंत्री आवास में पीटा गया। मालीवाल ने यह आरोप लगाया। पुलिस रिपोर्ट हुई। केजरीवाल के पीए को जेल जाना पड़ा। इस पूरे विवाद ने केजरीवाल की छवि पर गहरा आघात लगा। स्वाति ने यह मामला तो पब्लिक के बीच उठाया ही साथ ही वह दिल्ली सरकार को भी नाकाम बताने में जुट गयी।

जश्न का समय नहीं, भाजपा के खिलाफ युद्ध रहेगा जारी : आतिशी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने भाजपा के रमेश बिधूड़ी को 3,521 मतों के अंतर से हराकर अपनी कालकाजी विधानसभा सीट बरकरार रखी। शनिवार को अपनी आम आदमी पार्टी की हार स्वीकार कर ली और मतदाताओं को उन पर विश्वास जताने के लिए धन्यवाद दिया, साथ ही भाजपा के खिलाफ लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया। आतिशी ने कहा कि मुझ पर भरोसा दिखाने के लिए कालकाजी के लोगों को धन्यवाद देती हूं। मैं अपनी टीम को बधाई देती हूं, जिन्होंने बाहुबल के खिलाफ काम किया। आतिशी ने कहा कि हम लोगों के जनादेश को स्वीकार करते हैं। मैं जीत गई हूं, लेकिन यह जश्न मनाने का नहीं बल्कि भाजपा के खिलाफ युद्ध जारी रखने का समय है।

दिल्ली में डबल इंजन की सरकार दिल्ली के विकास को देगी नए आयाम : राजा इकबाल

नई दिल्ली। दिल्ली में डबल इंजन की सरकार दिल्ली के विकास को नए आयाम देगी, इससे दिल्ली के विकास को पंख लगेंगे। दिल्ली नगर निगम में नेता विपक्ष एवं पूर्व महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने दिल्ली विधानसभा चुनावों में भाजपा को मिले अभूतपूर्व जनादेश पर दिल्ली की जनता का हृदय की गहराई से धन्यवाद देते हुए शनिवार को यह बयान दिया। राजा इकबाल सिंह ने कहा कि दिल्ली की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भाजपा की काम की राजनीति को चुना एवं आम आदमी पार्टी की नकारात्मक एवं विभाजनकारी राजनीति को नकार दिया है। राजा इकबाल सिंह ने कहा कि कई वर्षों के इंतजार के बाद केंद्र एवं दिल्ली में भाजपा की सरकार होगी। सरदार राजा इकबाल सिंह ने कहा कि डबल इंजन की सरकार दिल्ली के विकास को नए आयाम देगी।

नेता विपक्ष सिंह ने कहा कि भाजपा दिल्ली के विकास का रोडमैप बना कर दिल्ली के हर कोने का विकास करेगी। राजा इकबाल सिंह ने कहा कि पिछले 10 वर्षों से आम आदमी पार्टी ने दिल्ली के विकास को रोक कर रखा एवं दिल्ली को अर्बन स्लम बना दिया। उन्होंने कहा कि आज का जनादेश यह दिखाता है कि दिल्ली की जनता आप-दा से बुरी तरह त्रस्त थी और दिल्ली के विकास के लिए दिल्ली की जनता ने भाजपा के विजन पर अपनी मुहर लगाई है।

संदीप दीक्षित सहित कांग्रेस की 67 सीटों पर जमानत जब्त, प्रदेश अध्यक्ष सहित तीन ने बचाई इज्जत

सत्यप्रकाश ⏭ नई दिल्ली

- एआईसीसी की महिला अध्यक्ष, प्रवक्ता, डीपीसीसी के एक्स अध्यक्ष, पूर्व मंत्री, पूर्व महापौर सब हारे

लगातार 15 साल दिल्ली पर राज करने वाली कांग्रेस पार्टी के लिए इससे बुरी बात क्या हो सकती है कि 2025 के विधानसभा चुनाव में उसके 70 में से 67 उम्मीदवार अपनी जमानत तक नहीं बचा पाए। हालात यह रहे कि इस बार भी चुनाव में दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव से लेकर एआईसीसी की महिला अध्यक्ष अलका लांबा, एआईसीसी की प्रवक्ता रागिनी नायक, एआईसीसी के अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राजेश लिलोठिया, डीपीसीसी के एक्स अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार, पूर्व मंत्री हारून यूसुफ, पूर्व महापौर फरहाद सूरी जैसे बड़े नेताओं को हार का मुंह देखना पड़ा है। लेकिन तीन उम्मीदवारों ने अपनी जमानत जब्त होने से बचाने में कामयाब होकर कांग्रेस की कुछ इज्जत जरूर बचाई है। इनमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव बादली विधानसभा सीट, कस्तूरबा नगर से अभिषेक दत्त और तीसरे पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव रोहित चौधरी रहे जिन्होंने नांगलोई जाट सीट पर 20.1 प्रतिशत वोट हासिल किए। जबकि दो बार के पूर्व सांसद व पूर्व 15 वर्ष मुख्यमंत्री रही शीला दीक्षित के पुत्र संदीप दीक्षित भी अपनी जमानत बचाने में नाकाम रहे है। जबकि संदीप उसी नई दिल्ली सीट से चुनाव लड़ रहे थे जहां से उनकी मां शीला दीक्षित लगातार तीन चुनाव जीतकर सीएम बनी। कांग्रेस बेशक 2020 के विधानसभा चुनाव में मिले करीब 4 प्रतिशत वोट शेयर में इजाफा करते हुए 6.4 प्रतिशत कर लिया हो, लेकिन 67 सीटों पर जमानत बचाने में बुरी तरह नाकाम रही। बता दें कि यदि किसी विजयी उम्मीदवार को डाले गए कुल वोटों का कम से कम छठा हिस्सा हारे हुए उम्मीदवार को नहीं मिलता है तो उसकी जमानत राशि जब्त हो जाती है जो निर्वाचन आयोग को जमा कराई होती है। विधानसभा चुनाव में कस्तूरबा नगर विधानसभा सीट ही एक मात्र ऐसी सीट रही जहां कांग्रेस उम्मीदवार अभिषेक दत्त हारे जरूर लेकिन दूसरे नंबर पर रहे। इस सीट पर अभिषेक, भाजपा के नीरज बसोया से करीब 11 हजार से अधिक मतों से हार गए। अभिषेक को यहां 27019 वोट पड़े, इस हिसाब से हारने के बाद भी अभिषेक को करीब 32 प्रतिशत वोट मिले है, जमानत बचाने वाले तीनों में सबसे अधिक मत प्रतिशत है। वहीं नांगलोई जाट तीसरी ऐसी सीट है जहां अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव रोहित चौधरी ने 31918 वोट प्राप्त किए जो लगभग 20.1 प्रतिशत वोट शेयर होता है। वहीं बादली सीट से प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने बेशक जमानत बचाने वालों में सबसे ज्यादा 40 हजार से अधिक वोट लिए हो, लेकिन वह करीब 27 प्रतिशत वोट के साथ तीसरे स्थान पर रहे। वहीं कांग्रेस के दिग्गज कहे जाने वाले नेताओं में शामिल संदीप दीक्षित को नई दिल्ली सीट पर सिर्फ 4568 वोटों से ही संतोष करना पड़ा। और वह तीसरे स्थान पर रहे। मुख्यमंत्री आतिशी के खिलाफ कालकाजी से ताल ठोक रही अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा को भी 4392 वोट पड़े। अलका लांबा ने पहली बार विधायक बनने का सुख आप पार्टी में चांदनी चौक से पाया था, लेकिन केजरीवाल से अनबन के चलते वापस कांग्रेस में आई और इस बार हार का सामना करना पड़ा। वहीं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के अध्यक्ष व पूर्व विधायक राजेश लिलोठिया ने चार अंकों के आंकड़े को पार करते हुए 11823 वोट लिए। इसी तरह अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक को वजीरपुर सीट से केवल 6384 वोट ही अपने खाते में लाने में कामयाब रही।

भाजपा की इस सुनामी में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार भी बह गए

भाजपा की इस सुनामी में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार भी बह गए और पटपड़गंज सीट पर 16549 वोट लेने में काम रहे। इस सीट से पहिले उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया तीन बार जीत चुके थे। लेकिन इस बार सिसोदिया ने सीट बदली और वो जंगपुरा चले गए, लेकिन हार से बच नहीं पाए। पूर्व प्रधानमंत्री स्व लाल बहादुर शास्त्री के पौत्र आदर्श शास्त्री, द्वारका से चार अंकों 6773 वोट ही हासिल कर सके। वह पूर्व में आप पार्टी से इसी सीट से विधायक रह चुके है। प्रदेश कांग्रेस मीडिया कमेटी के चेयरमैन व पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज पांच अंको में 10057 वोट ले पाए। चार बार विधायक रहे सुल्तानपुर से जयकिशन इस बार भी जीत दर्ज करने से चूक गए, उनके खाते में केवल 8688 वोट पड़े। इनसे इतर पूर्व सांसद, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जय प्रकाश अग्रवाल अपने बेटे मुदित अग्रवाल को जीत दिलाने में नाकाम रहे, पहले चुनाव में मुदित को 9065 लोगों ने ही वोट किया। इसी तरह पूर्व मंत्री मंगतराम सिंघल भी अपने बेटे शिवांक सिंघल को अपनी परंपरागत सीट आदर्श नगर से जीत दिलाने में फेल हो गए। शिवांक का भी यह पहला चुनाव था, जिसमें उसे 5460 लोगों का ही समर्थन मिल सका। उत्तम नगर से पूर्व विधायक मुकेश शर्मा इस बार भी करिशमा नहीं कर पाए, लेकिन उन्हें 15565 लोगों ने वोट दिया।

खबर संक्षेप

तेज रफ्तार वाहन ने ड्राइवर को कुचला, मौत

गुरुग्राम। सेक्टर-29 एरिया में तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से एक कंपनी सीईओ के चालक की मौत हो गई। युवक ड्राइवर की नौकरी करता था और साइकिल के साथ सड़क किनारे खड़ा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया और चालक पर केस दर्ज कर लिया। पुलिस को दी शिकायत में धनकोट कॉलोनी में रहने वाले सुधीर कुमार ने कहा कि वह जिओ कंपनी में सीनियर एक्सीक्यूटिव है। सीईओ की गाड़ी पर राजकुमार बतौर ड्राइवर की नौकरी करता था।

चाकू मारकर की महिला की हत्या

फरीदाबाद। थाना सूरजकुंड के अंतर्गत एक तरफा चाहत के चक्कर में युवक ने महिला के गले पर चाकू से वार कर उसकी हत्या कर दी। घटना छह फरवरी सुबह की है लेकिन महिला ने शुक्रवार रात दम तोड़ दिया। आरोपी युवक मृतक महिला का पड़ोसी था। आरोपी दो साल से महिला को परेशान कर रहा था, लेकिन उसने पुलिस को शिकायत तक नहीं दी। यदि शिकायत कर देती तो शायद महिला आज जिंदा होती। अब पड़ोसी भी इसी बात का मलाल कर रहे हैं कि महिला आरोपी की हरकतों को नजरअंदाज कर रही थी।

कारोबारी को पिस्टल दिखाकर 6 हजार लूटे

फरीदाबाद। पानी सप्लाई कारोबारी को बदमाशों ने न केवल लूटा, बल्कि बुरी तरह से मारपीट की और हाथ-पैरे तोड़ डाले। घटना 6 फरवरी को वजीपुर रोड़ न्यू पुलिस लाइन के सामने नहर की पटरी के पास हुई। मामले की सूचना पर पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ओल्ड फरीदाबाद गढ़ी मोहल्ला के प्रेमचंद्र अपने ट्यूबवेल से खेड़ी पुल से वापस आ रहे थे। इसी दौरान चार स्कूटी सवार बदमाशों ने उनकी बाइक को टक्कर मारकर गिरा दिया।

दिल्ली जीत पर भाजपा विधायक फागना के कार्यालय पर कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

दिल्ली विधानसभा चुनाव में 27 साल बाद मिली प्रचंड जीत पर शनिवार को एनआईटी 86 विधानसभा क्षेत्र के विधायक सतीश कुमार फागना के कार्यालय पर कार्यकर्ताओं ने जमकर जश्न मनाया। इस मौके पर भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने विधायक सतीश कुमार फागना व भाजपा नेता कविन्द्र चौधरी का मिठाई खिलाकर मुंह मीठा करवाया तथा डांस कर जश्न मनाया।

इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों व समर्थकों को संबोधित करते हुए विधायक सतीश कुमार फागना ने कहा कि यह जीत दिल्ली के प्रत्येक कार्यकर्ता की जीत है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकास गारंटी की जीत है। जिस तरह प्रधानमंत्री मोदी के सहयोग से भाजपा शासित राज्यों में विकास की गंगा बह रही है। वहीं 27 साल का बाद अब दिल्ली प्रदेश का पूर्ण विकास होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने दिल्ली का विकास कराने का जो वायदा किया है उसे पूरा करने का काम किया जाएगा।

विधायक ने कहा-27 साल बाद दिल्ली प्रदेश का पूर्ण विकास होगा

विधायक फागना ने कहा कि केजरीवाल के झूठ और भ्रष्टाचार के मॉडल को दिल्ली की जनता से सिरे से नकार दिया है। उन्होंने कहा कि इस जीत में उन असंख्य कार्यकर्ताओं का भी बड़ा योगदान है जिन्होंने इस दिन के लिए अपने दिन-रात एक कर दिए।

आगामी ननि चुनाव में भाजपा जीत का परचम लहराएगी

विधायक फागना ने कहा कि आगामी नगर निगम चुनाव में भी भाजपा जीत का परचम लहराएगी इस मौके पर भाजपा नेता कविन्द्र चौधरी, प्रदीप गौड़, सुनील पांचाल, महेश लोहिया, जवाहर कालोनी के मंडल अध्यक्ष सुशील, डबुआ कालोनी की मण्डल अध्यक्ष गीता शर्मा, दिनेश राघव, मनोज बालियान, संदीप भड़ाना, मनोज बडगुर्जर, नीरज भाटिया, भोपाल कश्यप, बीके वर्मा, रोशन सिंह रावत के अलावा भाजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

आज खोल दे दिलां दी गल सारी गीत पर जमकर झूमे दर्शक

38वें सूरजकुंड शिल्प मेले की पहली शाम रही सुप्रसिद्ध सूफी गायक सरताज के नाम

सूफी सिंगर सतिंदर सरताज ने बिखेरा अपनी मखमली आवाज का जादू, तालियों से गूंजा सूरजकुंड का मैदान, गीतों की शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

38 वें अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड शिल्प मेले में देश के जाने माने पंजाब के सुप्रसिद्ध सूफी गायक, संगीतकार और कलाकार डॉ सतिंदर सरताज के नाम रही। उन्होंने अपनी सुरीली और मखमली आवाज से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। उन्होंने बिना किसी अंतराल के करीब दो घंटे की बेजोड़ प्रस्तुति दी। उनकी आज खोल दे दिलां दी गल सारी गीत पर दर्शक जमकर झूमे। उल्लेखनीय है कि देश और दुनिया में शिल्प और कला के क्षेत्र में अपनी अलग ही पहचान बना चुके 38 वां अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड शिल्प मेला 7 फरवरी से शुरू हुआ है, जो कि 23 फरवरी तक चलेगा। मेले में दर्शकों के मनोरंजन के लिए शानदार प्रबंध किया गया है, जिसमें दिनभर अलग-अलग राज्यों और प्रदेशों के कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे, वहीं दूसरी ओर हर शाम को संगीतमई बनाने के लिए जाने माने कलाकारों को आमंत्रित किया गया है।

सुरीली आवाज से दर्शक नाचने पर मजबूर हुए

शिल्प मेले के पहली शाम को आज देश और दुनिया में अपनी पहचान बना चुके सुरीली आवाज के बादशाह डॉ सरताज ने अपनी कला का खूब जादू बिखेरा। उन्होंने अपनी प्रस्तुति की शुरुआत साईं के भजन साईं रे साईं, फरियाद तेरे साईं से की तो वहां पर बैठे हजारों की संख्या में दर्शक मंत्रमुग्ध होकर भक्ति भाव में खो गए। उन्होंने आजा खोल दे दिला दी गल सारी..गीत की प्रस्तुति दी तो सारा पंडाल नाचने पर मजबूर हो गया। हर कोई दर्शक उनके गाने के नाचते हुए अपने आपको अपने फोन के कैमरे में कैद करता नजर आया। इसी प्रकार से उन्होंने सानू ईक पल चैन ना आवे सजना तेरे बिना, उड़े जब-जब जुल्फें तेरी कि कैसे ना नजर फिसले, पानी लेने के बहाने आजा कि तेरा मेरा इक रस्ता आदि गीतों की शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

सरताज ने अपनी कला के जरिए खूब तालियां बटोरी

देर रात तक चले इस कार्यक्रम में डॉ सरताज के बेहतरीन गानों पर उनके प्रशंसक जमकर झूमे और खुले मैदान में लोगों के पास जितनी तालियां थी, सतिंदर सरताज ने अपनी कला के जरिए खूब तालियां बटोरी। डॉ. सतिंदर को सुनने के लिए सूरजकुंड मेला प्राधिकरण द्वारा व्यापक प्रबंध किये गए थे। दर्शकों को जहां जगह मिली, वहीं रुक कर सरताज को सुना। उन्होंने सुरों के सरताज के गानों को दूर से सुनकर खूब आनंद लिया। वहीं दूसरी ओर सतिंदर सरताज के साथ उनके प्रशंसक एक सेल्फी लेने के लिए उत्साहित नजर आए। मेले में विभिन्न राज्यों के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को आकर्षित किया। बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित थे, जिन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया। मेले का आयोजन हर साल फरीदाबाद में किया जाता है, जो कि सूरजकुंड मेले के नाम से प्रसिद्ध है। इस अवसर पर पर्यटन विभाग की एमडी कला रामचंद्रन सहित कला एवं संस्कृति, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

राज्यसभा सांसद चौधरी पहुंची सूरजकुंड मेला, किया भ्रमण

फरीदाबाद। राज्यसभा सांसद किरण चौधरी शनिवार को 38वें सूरजुकंड मेले में पहुंची। यहां पहुंचकर उन्होंने मेले का भ्रमण किया और कलाकारों की प्रस्तुतियों को भी देखा। उन्होंने सभी इंतजाम देखकर मेला प्रबंधन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की भांति मेला अपनी ओर आकर्षित करता है। राज्यसभा सांसद ने मेले में सर्वप्रथम थीम स्टेट उड़ीसा के पैवेलियन का भ्रमण किया। यहां उन्होंने भगवान जगन्नाथ के चरणों में शीश नवाया। इसके उपरांत उन्होंने हरियाणा सांस्कृतिक और कला को प्रदर्शित करते विरासत हरियाणा पैवेलियन का दौरा किया। यहां उन्होंने हरियाणवी परिधान, हमारे पुराने औजार, पुराने खेती के औजारों का अवलोकन किया। उन्होंने बीन सपेरा पार्टी द्वारा दी गई सांस्कृतिक प्रस्तुति को भी देखा। उन्होंने बेहतरीन प्रस्तुति पर कलाकारों की भी प्रशंसा की।

विरासत हरियाणा पैवेलियन में 100 साल पुरानी बैलड़ी

फरीदाबाद। हरियाणा सरकार के पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित 7 फरवरी से 23 फरवरी तक चलने वाले 38वें सूरजकुंड क्राफ्ट मेला 2025 में विरासत दि हेरिटेज विलेज कुरुक्षेत्र द्वारा हरियाणा पैवेलियन अपणा घर की स्थापना की गई है। अपणा घर की प्रदर्शनी में जहां एक ओर लोक पारम्परिक विषय-वस्तुओं को प्रदर्शित किया गया है वहीं पर दूसरी ओर हरियाणवी लोक जीवन में प्रयोग की जाने वाली सैंकड़ों वर्ष पुरानी विषय वस्तुएं पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र बन रही हैं। यह जानकारी विरासत दि हेरिटेज विलेज के संयोजक डॉ. महासिंह पूनिया ने दी। उन्होंने बताया कि हरियाणवी लोकजीवन के परिवहन के साधनों में बैलड़ी एक ऐसा माध्यम रहा है, जिसके बिना हरियाणवीं जन-जीवन की परिकल्पना भी नहीं की जा सकती। बैलड़ी का चलन ईसा से लगभग तीन हजार वर्ष पूर्व माना जाता है।

मुख्य सचिव ने किया नगर निगम के स्वच्छ मोहल्ला स्क्वाड तथा माय जीएनएन पोर्टल का उद्घाटन

मनोज सिंह ने कहा- स्वच्छ मोहल्ला स्क्वाड को अपनाएगा पूरा प्रदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

दिल्ली से सटे गाजियाबाद के लिए आज शनिवार का दिन ऐतिहासिक रहा। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने हिंदी भवन में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में स्वच्छता को हर घर पहुंचने के लिए स्कूलों में स्वच्छ मोहल्ला स्क्वाड का शुभारंभ किया। इसे इसके साथ ही उन्होंने गाजियाबाद नगर निगम के प्रोजेक्ट

खासबात यह थी कि मुख्य सचिव ने गाजियाबाद नगर निगम के पायलट प्रोजेक्ट स्वच्छ मोहल्ला स्क्वाड को पूरे उत्तर प्रदेश में अपनाने के लिए मंच से ऐलान किया। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा विद्यार्थियों को सिखाए गए स्वच्छता के पाठ की प्रशंसा भी की ठोस अपशिष्ट प्रबंधन तथा प्लास्टिक बहिष्कार के बारे में विद्यार्थियों में संपूर्ण जानकारी के लिए विशेष रूप से स्वच्छता का पाठ पढ़ना सराहनीय है। उन्होंने सर्जनात्मक पायलट प्रोजेक्ट को तैयार कर उसे अमल में लाने के लिए नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक की प्रशंसा की।

इस मौके पर मंडलायुक्त ऋषिकेश भास्कर यशोध ने कहा कि शहर हित में पोर्टल लाभकारी सिद्ध होगा शहर वासियों के साथ-साथ निगम अधिकारियों को भी कार्य करने में सरलता मिलेगी ।

50 स्कूलों में स्वच्छता की पाठशाला का आयोजन हुआ

कार्यक्रम में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम शहर हित में लगातार नई-नई योजनाओं को धरातल पर ला रहा है। जिसमें न केवल गाजियाबाद नगर निगम शहर में सफाई की व्यवस्था को सुदृढ़ बना रहा है बल्कि हर घर को व्यवहार में स्वच्छता लाने के लिए भी प्रयास कर रहा है। जिसके लिए स्वच्छ मोहल्ला स्क्वायड का शुभारंभ कराया गया है जिसके माध्यम से पायलट प्रोजेक्ट के रूप में सरकारी 50 स्कूलों में तथा प्राइवेट 50 स्कूलों में स्वच्छता की पाठशाला का आयोजन भी हुआ है । स्कूल मैनेजमेंट अध्यापकों को भी चिंतन ग्रुप द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें चिंतन रिसर्च एंड एनवायरमेंटल एक्शन ग्रुप की डायरेक्टर भारतीय चतुर्वेदी का भी विशेष सहयोग रहा है।

स्वीपिंग मशीन का शुभारंभ किया गया

इस अवसर पर जिलाधिकारी दीपक मीना,जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल व संस्थापक चिंतन ग्रुप संस्थापक भारती चतुर्वेदी भी मंचासीन रहे रहे। इस अवसर पर मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग मशीन का शुभारंभ किया गया, वायु गुणवत्ता सुधार को लेकर उक्त विकल द्वारा पी एम 2.5 पी एम 2.10 जो कि प्रदूषण के घटक है को भी नियंत्रित किया जा सकेगा। कार्यक्रम में जीडीए सचिव राजेश कुमार सिंह ल,अपर सचिव पीके सिंह ल,अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव, अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉक्टर संजीव, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी, प्रभारी संपत्ति पल्लवी सिंह, ललित जायसवाल चीफ वार्डन सिविल, सुभाष गर्ग जीपी अग्रवाल उपस्थित रहे।

शादी करने से मना करने पर आरोपी ने दिया वारदात को अंजाम

महिला दोस्त के सिर में गोली मारने वाला आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

प्रेम-प्रसंग के चलते सेक्टर-10 एरिया स्थित कंपनी में सिक्योरिटी में लगी महिला को गोली मारने पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। वहीं महिला के सिर में गोली लगने से गंभीर हालत में उसे अस्पताल में एडमिट कराया गया है।

पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी व पीड़ित महिला के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। आरोपी महिला पर शादी करने का दबाव बना रहा था। जबकि महिला का अपने पति से इसी बात को लेकर झगड़ा चला आ रहा है। पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी।

सेक्टर-10 थाना पुलिस को सूचना मिली कि सेक्टर-37 स्थित प्लॉट नंबर 553 के सामने एक महिला को गोली मार दी है। गोली महिला के सिर में लगी। महिला को सेक्टर-10 के सिविल अस्पताल ले जाया गया। जहां से महिला को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। वहीं पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी। घायल महिला के पिता ने पुलिस को बताया कि उसकी बेटी राधा (24 वर्ष) की शादी यूपी, औरेया के गांव किशनगंज में हुई थी। जिसके कारण राधा व उसके पति के बीच झगड़ा होता था। करीब दो साल पहले राधा अपनी दोनों बेटियों को लेकर अपने पिता के पास गुरुग्राम आ गई थी। राधा सेक्टर-37, गुरुग्राम में ही सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी कर रही थी। उपेन्द्र के नम्बर को भी ब्लॉक कर दिया था।

उपेन्द्र राधा से मिलने आया और उसकी कम्पनी के रास्ते में पार्क के पास राधा को जान से मारने के लिए राधा को गोली मार दी। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी उपेंद्र को सेक्टर-37 से गिरफ्तार कर लिया।

ट्यूशन पढ़ाने के दौरान हुई दोस्ती

आरोपी उपेंद्र ने पुलिस पूछताछ में बताया कि महिला आरोपी के गांव किशनपुर (यूपी) में शादीशुदा थी। पीड़िता महिला व आरोपी दोनों ट्यूशन पढ़ाते थे। जिस दौरान दोनों के बीच दोस्ती हो गई थी। दोस्ती के कारण राधा व उसके पति के बीच झगड़ा रहने लगा तो राधा दो साल पहले अपने पिता के पास गुरुग्राम आ गई। जब यह (आरोपी) राधा से बातचीत करने व शादी करने लिए कहता तो राधा ने इसके नबंर को ब्लॉक कर दिया और शादी करने से मना कर दिया।

बुजुर्ग पर कुत्तों के हमला करने व धमकी मामले में महिला पर केस

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

सेक्टर-17-18 थाना क्षेत्र में पीजी संचालक महिला द्वारा अपने पालतू कुत्तों को राहगीरों को काटने के लिए उकसाने व विरोध करने पर धमकी देने का मामला सामने आया है। एक वरिष्ठ नागरिक की शिकायत पर पुलिस ने महिला पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में 81 वर्षीय बलजीत सिंह ने बताया कि पीजी संचालक महिला सुखमनी कौर सेक्टर-17ए में रहती है। वह महिला अपने पीजी में पांच कुत्ते रखती है। जो अपने पांच पालतू कुत्तों को उकसाकर राहगीरों को बार-बार धमकाने और परेशान करती है। आरोपी अपने आवास पर एक पीजी चलाती है और उसके पास पांच कुत्ते हैं। बुजुर्ग ने बताया कि गत 28 जनवरी 2025 को महिला ने जानते हुए भी कि उसके कुत्ते खुले हैं और आक्रामक तरीके से भौंक रहे हैं, अपना गेट खोल दिया। आरोपी महिला के उकसावे में आए खुले कुत्तों में से एक ने बलजीत सिंह पर हमला कर दिया। कुत्ते ने उसके ऊपर झपट्टा मारा, जिससे वह जमीन पर गिर गया।

ट्रक हटाने को कहना पड़ा महंगा

ड्राइवर ने साथियों के साथ रॉड से पीटकर, 54 हजार लूटे

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

कारोबारी ट्रक को हटाने के लिए कहना महंगा पड़ गया। ट्रक ड्राइवर ने अपने साथियों के साथ मिलकर कारोबारी पर जानलेवा हमला कर दिया। मारपीट के बाद कारोबारी से 54 हजार रुपए भी लूट लिए। घटना 31 जनवरी की रात साढ़े नौ बजे की है, जब कपड़ा व्यवसायी सौरव रावत अपना शोरूम बंद करके घर जा रहे थे।

सेक्टर 24 के सामने एक ट्रक सडक़ के बीचोंबीच खड़ा था, जिससे जाम लग गया था। जब सौरव ने ट्रक ड्राइवर से वाहन हटाने को कहा, तो उसने न केवल गाली-गलौज की बल्कि कार पर ट्रक चढ़ाने की धमकी भी दी। मामला यहीं नहीं रुका। ट्रक ड्राइवर ने पास की कंपनी से 8-10 लोगों को बुला लिया। इन लोगों ने लोहे के रॉड और सरिये से सौरव पर हमला कर दिया। उनके सिर समेत पूरे शरीर पर गंभीर चोटें आईं। हमलावरों ने उनसे 54 हजार रुपए भी लूट लिए। घटना में पुलिस की लापरवाही भी सामने आई है। पीड़ित ने बताया कि उन्होंने रात में तीन बार डायल 112 पर कॉल की, लेकिन पुलिस आधे घंटे बाद पहुंची और महज औपचारिकता निभाकर चली गई। यहां तक कि गंभीर चोटों के बावजूद पुलिस ने उन्हें अस्पताल भी नहीं पहुंचाया। कारोबारी को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उन्हें 4 फरवरी को डिस्चार्ज किया गया। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस अब आरोपियों की तलाश में जुटी है।

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा ने मंत्री राजेश नागर को ज्ञापन सौंपा

15-16 फरवरी को कुरूक्षेत्र में होगा धरना प्रदर्शन: चेयरमैन खत्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

राज्य कर्मचारियों के सबसे बड़े संगठन सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा ने ऑल इंडिया स्टेट गवर्नमेंट एम्पलाइज फेडरेशन के आह्वान पर बजट में केन्द्रीय वित्त मंत्री द्वारा कर्मचारियों की प्रमुख मांगों की अनदेखी करने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। फेडरेशन ने इसके खिलाफ शनिवार को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर धरने प्रदर्शन किया है। फरीदाबाद में सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला प्रधान करतार सिंह जागलान व रिटायर कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष नवल सिंह नरवत की अध्यक्षता में राजेश नागर आपूर्ति राज्य मंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि बजट में 8वें सेंट्रल पे कमीशन की सिफारिशों को लागू करने के लिए कोई राशि का आवंटन नहीं किया गया है। इससे साफ है कि उक्त कमीशन की सिफारिशों को जनवरी 2026 से लागू नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसी के साथ ही कर्मचारियों की प्रमुख मांग पीएफआरडीए एक्ट रद्द कर पुरानी पेंशन बहाली, कोविड-19 में फ्रिज किए 18 महीने के डीए व डीआर रिलीज करने, आउटसोर्स, ठेका संविदा, दैनिक वेतन भोगी कर्मियों को नियमित करने, खाली पड़े पदों को

नियमित भर्ती से भरने व नेशनल मुद्रीकरण पाइपलाइन के तहत पीएसयू के निजीकरण पर रोक लगाने आदि मांगों को संबोधित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि बजट में पेंशनर्स की 65, 70 व 75 वर्ष आयु में बेसिक पेंशन में पांच प्रतिशत बढ़ोतरी करने और कम्युटेशन राशि को 15 की बजाय 12 साल में रिकवर करने की मांग को भी संबोधित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि आयकर में अवश्य कुछ आंशिक राहत प्रदान की गई है।

वित्त मंत्री ने एक तरफ 12 लाख रुपए तक की आय कर मुक्त करने की घोषणा की और अगले की वाक्य में 4.8 लाख इनकम पर 5 प्रतिशत और 8.12 लाख इनकम पर 10 प्रतिशत टैक्स लगाने की घोषणा कर दी है। उन्होंने कहा बजट में निजीकरण की नीतियों पर रोक लगाने की मांग की अनदेखी की है।

इन लोगों की उपस्थिति रही

मंत्री राजेश नागर को ज्ञापन देने वाले प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व सफाई कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला प्रधान बलबीर बालगुहेर, टूरिज्म के चेयरमेन युद्धवीर सिंह खत्री, सिंचाई बीएण्डआर के जिला प्रधान देवी सिंह, बिजली के संजय कुमार, हरियाणा रोडवेज के जिला प्रधान जयपाल राठी, रिटायर्ड कर्मचारी संघ के जिला सचिव लज्जाराम, आशा शर्मा, नगर पालिका के मुकेश बेनीवाल, रघुबीर चौटाला, जितेंद्र, सतपाल नरवत, यूएम खान, दान सिंह, जगदीश चंद, राजकुमार ने भी संबोधित किया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **उमेश उर्फ गंजा** पुत्रः **भूप सिंह** निवासीः **एकता कैम्प, हैदरपुर, झुग्गी कैनाल की तरफ, पीतमपुरा, दिल्ली** ने case **FIR No. 277/2018 U/s 457/380/411/34 IPC, थाना रानी बाग, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त **उमेश उर्फ गंजा** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **उमेश उर्फ गंजा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है ।)
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती case **FIR No. 277/2018 U/s 457/380/411/34 IPC, थाना रानी बाग, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **उमेश उर्फ गंजा** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 18.03.2025** को या उससे पूर्व हाज़िर हो ।

आदेशानुसार
सुश्री वसुंधरा छौंकर
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, (उत्तर पश्चिम)
कमरा नं. 101, प्रथम तल
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/1373/OD/2025(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अदील अहमद, पुत्र :** मरूफ हुसैन, **पता:** 10/80, दक्षिण पुरी, डॉ. अम्बेडकर नगर, दिल्ली; दूसरा पता – मोहल्ला, गली शहीद, मुरादाबाद, (उ.प्र.) ने मुकदमा **FIR No. 322/2021 U/S 279/304A IPC & 3/181, 5/180, 146/196 M.V. Act, थाना: शाहदरा, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अदील अहमद** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अदील अहमद** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है) ।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 322/2021 U/S 279/304A IPC & 3/181, 5/180, 146/196 M.V. Act, थाना: शाहदरा, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अदील अहमद** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **25.03.2025** को या इससे पहले हाजिर हो ।

आदेशानुसार
स्वाति शर्मा
मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/1315/SHD/2025
(Court Matter)

भाजपा जीती, एनडीए हारा: आरजेडी

एजेंसी ▶▶ पटना

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने प्रचंड जीत दर्ज की है। हालांकि, उसकी सहयोगी जनता दल यूनाइटेड और लोजपा रामविलास को अपनी दोनों सीटों पर हार का सामना करना पड़ा।

लालू एवं तेजस्वी यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने दावा किया है कि दिल्ली में बीजेपी की जीत का बिहार चुनाव में कोई असर नहीं होगा। बिहारी वोटरों ने जेडीयू और एलजेपी-आर को हराकर स्पष्ट संकेत दे दिए हैं कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एनडीए का सफाया तय है। आरजेडी प्रवक्ता चितरंजन ने कहा कि दिल्ली चुनाव में भाजपा भले ही जीती है, लेकिन एनडीए की हार हुई है। उन्होंने कहा कि दिल्ली चुनाव में भाजपा की जीत के कई कारक हैं, लेकिन बुराड़ी और देवली सीट पर एनडीए के घटक दलों की हार निश्चित रूप से बिहार विधानसभा का होने वाले चुनाव में बिहारी मतदाताओं के मिजाज का इशारा कर रहा है।

गोरखपुर से ट्रेन से बेतिया पहुंचेंगे रेल मंत्री

रेल मंत्री का बिहार दौरा बहुत अहम है। इस दौरान वे करोड़ों की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। रेल मंत्री गोरखपुर तक विमान से आएंगे। गोरखपुर से वे ट्रेन से बेतिया के प्रजापति हॉल्ट पहुंचेंगे।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव बिहार को करोड़ों की सौगात देने के लिए पहली बार आ रहे

एजेंसी ▶▶ पटना

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव एक दिवसीय दौरे पर बिहार आ रहे हैं। वे बतौर रेल मंत्री पहली बार बिहार आ रहे हैं। वे बेतिया रेलवे ओवरब्रिज का उद्घाटन करेंगे। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद डॉ संजय जायसवाल के आमंत्रण पर रेल मंत्री बिहार आ रहे हैं।

खास बातें

- रेल मंत्री गोरखपुर तक विमान से आएंगे
- करोड़ों की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे
- बिहार दौरे को लेकर एनडीए में काफी उत्साह

जिला प्रशासन की ओर से चल रहा सुरक्षा पर मंथन

भाजपा सांसद ने कहा कि रेल मंत्री का यह पहला बिहार दौरा है। रेल मंत्री का बिहार दौरा बहुत अहम है। इस दौरान वे करोड़ों की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। रेल मंत्री गोरखपुर तक विमान से आएंगे। गोरखपुर से वे ट्रेन से बेतिया के प्रजापति हॉल्ट पहुंचेंगे। वहां वे बेतिया फ्लाईओवर का उद्घाटन करेंगे।

बेतिया फ्लाईओवर का करेंगे उद्घाटन

रेल मंत्री के बिहार दौरा को लेकर प्रशासन और पार्टी की ओर से तैयारी की जा रही है। जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा पर मंथन चल रहा है। रेलवे भी अपनी योजनाओं के शिलान्यास और उद्घाटन की तैयारियों में जुट गया है। बजट के बाद रेल मंत्री के बिहार दौरे को लेकर एनडीए में काफी उत्साह देखा जा रहा है। लोग खुश भी हैं।

खबर संक्षेप

एयरपोर्ट पर बार-बार कैंसल नहीं होगी फ्लाइट

दरभंगा। उत्तर बिहार के दरभंगा एयरपोर्ट पर बार-बार फ्लाइट कैंसल होने का झंझट खत्म होने वाला है। मार्च से दरभंगा हवाई अड्डा पर कैट-आई लाइटनिंग सिस्टम की सुविधा मिलने लगेगी। इससे कोहरे व कम दृश्यता में भी विमानों का संचालन हो सकेगा। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने कहा कि 10 मार्च से दरभंगा हवाई अड्डा पर कैट-आई का काम पूरा हो जाएगा।दरभंगा एयरपोर्ट पर यह सिस्टम इंस्टॉल किया जा चुका है।

छात्राओं को कार से रौंदने वाले युवक गिरफ्तार

मुरादाबाद। जिले के गोल्डन गेट ग्लोबल स्कूल के पास सड़क किनारे खड़ी 12वीं की छह छात्राओं को तेज रफ्तार कार से टक्कर मारने के तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हादसे के दौरान एक छात्रा बोनट में फंसकर 50 मीटर तक घिसटती चली गई थी। चीखपुकार मचने पर आसपास के लोगों ने कार चालक को पकड़ लिया था।

दिल्ली और मिल्कीपुर की प्रचंड जीतों पर बोले सीएम योगी

झूठ-लूट की राजनीति पर पूर्ण विराम भाजपा ने अयोध्या का 'बदला' चुकाया

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

दिल्ली चुनाव और मिल्कीपुर विधानसभा चुनाव के नतीजे आते ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि दिल्ली चुनाव और मिल्कीपुर उपचुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत, झूठ और लूट की राजनीति पर पूर्ण विराम का स्पष्ट संकेत है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अपने अकाउंट से अपना पहला रिएक्शन दिया है। उन्होंने मिल्कीपुर के मतदाताओं का धन्यवाद किया और लिखा "जय श्री राम"। दरअसल, मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर प्रचंड जीत के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रतिक्रिया का इंतजार हो रहा था।

सीएम योगी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक विजय के लिए सभी समर्पित पार्टी पदाधिकारियों और कर्मठ कार्यकर्ताओं को दिल से बधाई। सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर लिखा कि यह विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'डबल इंजन की भाजपा सरकार' की लोक-कल्याणकारी नीतियों और सेवा, सुरक्षा और सुशासन को समर्पित उत्तर प्रदेश सरकार के प्रति आमजन के अटूट विश्वास का प्रतीक है। सीएम योगी ने लिखा कि विजयी प्रत्याशी चंद्रभानु पासवान को बधाई और उत्तर प्रदेश की विकास-यात्रा और सुशासन को अपना मत देने वाली मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र की देवतुल्य जनता का हार्दिक अभिनंदन। 'जय श्री राम'।

दिल्ली चुनाव व उत्तर प्रदेश के अयोध्या के मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा ने प्रचंड जीत हासिल कर ली है और इस पर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपना पहली प्रतिक्रिया दी। कहा- झूठ-लूट की राजनीति पर पूर्ण विराम।

खास बातें

- भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को दी बधाई
- केजरीवाल ने दिल्ली को बहुत पीछे धकेल दिया

पीएमने सेवा, सुरक्षा, सुशासन और लोक कल्याण के कार्य किए

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में सेवा, सुरक्षा, सुशासन और लोक कल्याण के कार्य पिछले 11 वर्षों से निरंतर चल रहे हैं। यह उनकी विजय है। मैं दिल्ली में विजयी सभी प्रत्याशियों और भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को दिल से बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री जी, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जी, केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह जी समेत केंद्रीय नेतृत्व को ढाई दशक के बाद दिल्ली में कमल खिलाने के लिए हृदय से अभिनंदन करता हूं। अब हमारी राष्ट्रीय राजधानी भी विकास, सुशासन और लोक कल्याणकारी योजनाओं का सही लाभ दिल्लीवासियों को प्रदान करने में सफल होगी।

लोक कल्याणकारी योजनाओं से दूर रहे दिल्लीवासी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले 11 वर्षों से दिल्ली की स्थिति ने उसे बहुत पीछे धकेल दिया। जनता को बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा गया और वेलफेयर के नाम पर वास्तविक लोक कल्याणकारी योजनाओं से दूर रखा गया। इस लूट और झूठ की राजनीति का पर्दाफाश हुआ है। अब हम कह सकते हैं कि दिल्ली भी विकास का साधन बनेगी और दिल्लीवासियों को उन सभी वेलफेयर स्कीम का लाभ मिलेगा, जिसमें आम आदमी पार्टी की सरकार ने पिछले 11 वर्षों से बाधा डाली थी। इसी तरह उत्तर प्रदेश के अयोध्या जनपद की मिल्कीपुर विधानसभा के चुनाव में समाजवादी पार्टी के परिवारवाद और झूठ की राजनीति को नकारते हुए, डबल इंजन सरकार के सेवा, सुरक्षा और सुशासन के मॉडल को अपनाया गया है।

मिल्कीपुर में हार के बाद अखिलेश का रिएक्शन

इस जीत पर कई गुना भारी रहेगी लोकसभा में अयोध्या में मिली जीत

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा के चंद्रभानु पासवान ने पहली बार चुनाव लड़कर भी सपा प्रत्याशी अजीत प्रसाद को पटखनी दे दी है। चंद्रभानु की जीत का गणित मतगणना के बीच में ही काफी हद तक साफ हो गया था, जब वो 50 से 60 हजार वोटों से आगे चल रहे थे।

इसी बीच सपा प्रमुख अखिलेश यादव की प्रतिक्रिया सामने आई। अखिलेश ने एक्स हैंडल के माध्यम से कहा कि पीडीए की बढ़ती शक्ति का सामना भाजपा वोट के बल पर नहीं कर सकती है, इसीलिए वो चुनावी तंत्र का दुरुपयोग करके जीतने की कोशिश करती है।

चुनाव में धांधली का तंज

अखिलेश ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि ऐसी चुनावी धांधली करने के लिए जिस स्तर पर अधिकारियों की हेराफेरी करनी होती है, वो 1 विधानसभा में तो भले किसी तरह संभव है, लेकिन 403 विधानसभाओं में ये 'चार सौ बीसी' नहीं चलेगी। इस बात को भाजपावाले भी जानते हैं, इसीलिए भाजपाइयों ने मिल्कीपुर का उपचुनाव टाला था। उन्होंने एक्स पर लिखा- 'लोकसभा चुनावों में अयोध्या में हुई पीडीए की सच्ची जीत, उनके मिल्कीपुर के विधानसभा की झूठी जीत पर कई गुना भारी है और हमेशा रहेगी।'

ये झूठी जीत है: अखिलेश

पीडीए मतलब 90% जनता ने खुद अपनी आंखों से ये धांधली देखी है। ये झूठी जीत है, जिसका जश्न भाजपाई कभी भी आईने में अपनी आंखों-में-आंखें डालकर नहीं मना पाएंगे। उनका अपराधबोध और भविष्य में हार का डर उनकी नींद उड़ा देगा।

अधिकारियों पर घपलेबाजी का आरोप

सपा प्रमुख पहले भी कई बार अधिकारियों को घेरे में ले चुके हैं। एक बार फिर उन्होंने कहा कि जिन अधिकारियों ने चुनावी घपलेबाजी का अपराध किया है वो आज नहीं तो कल अपने लोकतांत्रिक-अपराध की सजा पाएंगे। एक-एक करके सबका सच सामने आएगा।

न क़ुदरत उन्हें बख़्शेगी, न क़ानून। भाजपाई उनका इस्तेमाल करके छोड़ देंगे, उनकी ढाल नहीं बनेंगे। जब उनकी नौकरी और पेंशन जाएगी तो वो अपने बच्चों, परिवार और समाज के बीच अपमान की जिंदगी की सजा अकेले भुगतेंगे।

हाईकोर्ट में केंद्रीय चुनाव आयोग का जवाब, कहा- राज्य को सौंप दी गई मतदाता सूची

एजेंसी ▶▶ रांची

चुनाव आयोग ने झारखंड उच्च न्यायालय को बताया कि नगर निकाय चुनाव कराने के लिए मतदाता सूची राज्य निर्वाचन आयोग को दे दी गई है। न्यायमूर्ति आनंद सेन की अदालत में पूर्व वार्ड पार्षद रोशनी खालको द्वारा दायर की गई अवमानना याचिका पर सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग ने यह जानकारी दी।

आयोग ने बताया कि राज्य में मतदाताओं की अपडेट सूची सात अगस्त 2024 को प्रकाशित की गई थी। यह सूची हाल ही में राज्य में हुए विधानसभा चुनाव में इस्तेमाल की गई थी। वहीं राज्य चुनाव आयोग ने भी कोर्ट में कहा कि उसे भारत निर्वाचन आयोग की ओर से भेजी गई मतदाता सूची मिल गई है। इसी सूची के आधार पर चुनाव कराए जाएंगे। कोर्ट ने कहा कि मामले की सुनवाई 12 सप्ताह बाद की जाएगी।

पेज एक का शेष

दिल्ली आप-दा से ...

लोकसभा चुनाव में दिल्ली की जनता ने मुझे कभी निराश नहीं किया। तीनों चुनावों - 2014, 2019 और 2024 - में दिल्ली की जनता ने हमें सभी सात सीटों पर शानदार जीत दिलाई। नरेंद्र मोदी ने कहा कि तीन-तीन बार लोकसभा में शत-प्रतिशत विजय दिलाने के बाद भी देश भर के और दिल्ली के भाजपा कार्यकर्ताओं के मन में एक टीस थी। ये टीस दिल्ली की पूरी तरह से सेवा न कर पाने की थी। लेकिन आज दिल्ली ने हमारा वो आग्रह भी मान लिया। दिल्ली की युवा पीढ़ी, 21वीं सदी में पैदा हुए साथी अब पहली बार दिल्ली में भाजपा का सुशासन देखेंगे। आज के नतीजे दिखाते हैं कि भाजपा की डबल इंजन सरकार के लिए देश में कितना भरोसा है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में जीत के बाद हमने पहले हरियाणा में अभूतपूर्व रिकॉर्ड बनाया। फिर महाराष्ट्र में नया रिकॉर्ड बनाया। अब दिल्ली में नया इतिहास रच गया है। आज के नतीजों का एक और पक्ष भी है। हमारा दिल्ली सिर्फ एक शहर नहीं है, ये दिल्ली मिनी हिंदुस्तान है, ये लघु भारत है। दिल्ली एक भारत-श्रेष्ठ भारत के विचार को जीती है। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली का ऐसा कोई क्षेत्र नहीं, ऐसा कोई वर्ग नहीं जहां कमल न खिला हो। हर भाषा बोलने वालों ने, हर राज्य के लोगों ने दिल्ली में भाजपा के कमल निशान पर वोट दिया है। मोदी ने कहा कि मैं तो पूर्वांचल से सांसद हूं। पूर्वांचल से मेरा अपनेपन का रिश्ता है। पूर्वांचल के लोगों ने प्यार और विश्वास की नई ऊर्जा दे दी, नई ताकत दे दी। इसलिए मैं पूर्वांचल के लोगों का, पूर्वांचल के एक सांसद के नाते विशेष रूप से आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि आज अयोध्या के मिल्कीपुर में भी भाजपा को शानदार जीत मिली है। हर वर्ग ने भारी संख्या में भाजपा के लिए मतदान किया है। आज देश तुष्टिकरण नहीं, बल्कि भाजपा के संतुष्टिकरण की पॉलिसी को चुन रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में धरना-प्रदर्शन की राजनीति, टकराव और प्रशासनिक अनिश्चितता ने दिल्ली के लोगों का बहुत नुकसान किया है। आज दिल्ली के विकास के सामने से एक बड़ी रुकावट आप सब दिल्ली वासियों ने दूर कर दी है। उन्होंने कहा कि आप-दा वालों ने मेट्रो का काम आगे बढ़ाने से रोका, इन आप-दा वालों ने झुग्गी वालों को घर देने से रोका, इन आप-दा वालों ने आयुष्मान भारत योजना का लाभ भी दिल्ली के लोगों को नहीं मिलने दिया।

27 साल के बाद ...

वाद चखाया। भाजपा दिल्ली के पूर्व प्रदेश अध्येक्ष सतीश उपाध्याय मालवीय नगर से, विजेन्द्र गुप्ता रोहिणी से, कैलाश गहलोत बिजवासन से, मुस्तफाबाद से मोहन सिंह बिष्ट, करावल नगर से कपिल मिश्रा, बवाना से रविन्द्र सिंह इंद्रराज, मुडंका से गजेन्द्र दराल, नांगलोई जाट से मनोज शौकिन और रिठाला से कुलवंत राणा ने भी जीत हासिल की है। दिल्ली के पूर्व सीएम मदनलाल खुराना के बेटे हरीश खुराना मोती नगर से, राजौरी गार्डन से मनजिंदर जीत सिंह सिरसा, पालम से कुलदीप सोलंकी, नजफगढ़ से नीलम कृष्ण पहलवान और उत्तमनगर से पवन शर्मा भी भाजपा के विजयी विधायकों में शामिल हैं। भाजपा ने दिल्ली के विकास का भरोसा दिलाते हुए केजरीवाल और उनकी पार्टी के भ्रष्टाचार, झूठे वादों और दिल्ली की बदहाली को मुद्दा बनाया था। भाजपा ने यमुना की सफाई के मसले पर भी केजरीवाल को घेरा। भाजपा दिल्ली की जनता को यह विश्वास दिलाने में कामयाब रही कि डबल इंजन सरकार ही देश की राजधानी में विकास और खुशहाली का मार्ग परस्त कर सकती है। जनता ने भाजपा पर भरोसा जताया। दिल्ली के चुनाव में भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर ही चुनाव लड़ा। उधर आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचार के मुद्दे पर ऐसी घिरी की संभल नहीं पायी। शराब घोटाले में दागदार हुई केजरीवाल की छवि और कई नेताओं के जेल जाने के बाद आप ईमानदार होने के अपने टैग को बरकरार नहीं रख पायी। दूषित पेयजल, टूटी सड़कों और अस्पतालों की बुरी हालत ने भी आप को हरवाने में बड़ी भूमिका अदा की। भाजपा केजरीवाल को कट्टर बेईमान साबित करने की कोशिश पूरे चुनाव में करती रही, चुनाव नतीजों से साफ है कि भाजपा इसमें सफल रही। आम आदमी पार्टी के विधायकों के प्रति भी लोगों में गुस्सा था। हालांकि केजरीवाल ने अपने कई वर्तमान विधायकों का टिकट काटा था पर वे लोगों का गुस्सा कम नहीं कर पाये।

वायुसेना के ...

की भागीदारी देखने को मिलेगी। रक्षा मंत्रालय ने 8 फरवरी को बताया कि पांच दिवसीय एयरो इंडिया 10 से 14 फरवरी तक होगा। इसका उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। इस वर्ष एयरो इंडिया का 15वां संस्करण है। जिसमें दुनिया के कई देश अपनी वायुसेनाओं में शामिल मारक हथियारों (अग्रिम पंक्ति के लड़ाकू विमान, हेलिकॉप्टर), उपकरणों और शीर्ष अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल के साथ शामिल होंगे। कार्यक्रम के पहले तीन दिन (10 से 12 फरवरी तक) व्यावसायिक आगंतुकों के लिए समर्पित हैं। जबकि अंतिम के दो दिन (13 से 14 फरवरी तक) आम जनता के लिए इसे खोला जाएगा।

आयोजित की जाएंगी ...

का विषय भारत ब्रिज-अंतरराष्ट्रीय रक्षा और वैश्विक जुड़ाव से आत्मनिर्भर बनाना होगी। यह गतिशील भू-राजनीतिक स्थितियों और आपसी समृद्धि के मार्ग को समाहित करता है। जिसे सुरक्षा और विकास की समझ वाले देशों के बीच सहयोग के माध्यम से जोड़ा जा सकता है। आयोजन में रक्षा मंत्री, रक्षा राज्य मंत्री, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष और सचिव स्तर पर कई द्विपक्षीय बैठकें आयोजित की जाएंगी। जिनमें सहयोगी देशों के साथ रक्षा और एयरोस्पेस संबंधों को मजबूत करने पर मुख्यतः ध्यान केंद्रित किया जाएगा। ताकि साझेदारी को अगले स्तर तक ले जाने के लिए नए रास्ते तलाशे जा सकें।

मेक इन इंडिया को ...

वाला प्रमुख क्षेत्र है। इनके द्वारा विकसित उत्पादों, आधुनिक तकनीकों की एक विस्तृत श्रृंखला को विशेष आईडीईएक्स पैवेलियन में प्रदर्शित किया जाएगा।

10 को महाकुंभ आ रहीं हैं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का 10 फरवरी को महाकुंभ नगर में आगमन हो रहा है। वह पावन संगम में डुबकी लगाएंगी और फिर अक्षयवट व बड़े हनुमान मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगी। लगभग पांच घंटे का उनका महाकुंभ नगर में कार्यक्रम है। उनके आगमन को लेकर प्रयागराज मेला प्राधिकरण तथा जिला पुलिस व प्रशासन की ओर से तैयारियां तेज कर दी गई हैं। राष्ट्रपति के स्नान के दौरान संगम तट समेत सभी स्नान घाटों पर आम श्रद्धालु डुबकी लगा सकेंगे। अलबत्ता स्नान घाटों पर सुरक्षा तगड़ी रहेगी।

स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव को मांगनी पड़ी माफी

रात में हाईकोर्ट के जज ने लगाई अदालत

एजेंसी ▶▶ रांची

झारखंड हाई कोर्ट ने एक अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य के स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह के खिलाफ जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया। ऐसे में उन्हें रात नौ बजे हाजिर होकर बताना पड़ा कि कोर्ट के आदेश का अनुपालन कर दिया गया है। इसके बाद हाईकोर्ट ने अवमानना से संबंधित मामले को निष्पादित कर दिया।

स्वास्थ्य सचिव ने याचिका दाखिल कर उपस्थिति में मांगी थी छूट

इस याचिका पर पिछली सुनवाई के दौरान अदालत ने स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव को शुक्रवार को हाजिर होने का आदेश दिया था, लेकिन वह हाजिर नहीं हुए। अपर मुख्य सचिव की ओर से हाई कोर्ट में एक याचिका दाखिल कर उपस्थिति से छूट मांगी गई थी। आवेदन में कहा गया था कि वह अवकाश पर हैं, इसलिए कोर्ट में उपस्थित नहीं हो सकते हैं। लेकिन कोर्ट ने उनके आवेदन को खारिज कर दिया।

पूर्व सिविल सर्जन की अवमानना याचिका पर सुनवाई

अवमानना याचिका हजारीबाग के पूर्व सिविल सर्जन डॉ. दीनानाथ पांडेय ने दायर की थी। उन्होंने याचिका में कहा था कि उनकी पेंशन के भुगतान से संबंधित मामले में कोर्ट के आदेश का अनुपालन नहीं किया गया है।

पहले राजू, फिर अरुण, अब केदार की गई जान

पुलिस हिरासत में मौतों का चौंकाने वाला आंकड़ा

एजेंसी ▶▶ आगरा

आगरा कमिश्नरेट में पुलिस हिरासत में मौत का यह कोई पहला मामला नहीं है। वर्ष 2018 में थाना सिकंदरा पुलिस चोरी के शक में राजू गुप्ता को पकड़कर लाई थी। उनकी हिरासत में मृत्यु हो गई थी। वर्ष 2021 में जगदीशपुरा थाने के मालखाने में चोरी हुई थी। पुलिस ने सफाईकर्मी अरुण वाल्मीकि को पकड़ा था। उनकी मौत हो गई थी। इस केस में पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ। अब केदार सिंह की जान चली गई। उन्हें तो बेवजह पुलिस ने पकड़ा था। उनका केस में भी नाम नहीं था। 19 नवंबर 2018 को गैलाना रोड, सिकंदरा स्थित नरेंद्र एन्क्लेव निवासी अंशुल प्रताप के घर में सात लाख के जेवरात चोरी हुए थे। अंशुल ने पड़ोस में रहने वाले 30 वर्षीय राजू गुप्ता पर चोरी का शक जताया। राजू के दिवंगत पिता ओम प्रकाश सेवानिवृत्त बैंक प्रबंधक थे। वह मां रेनू गुप्ता के साथ किराये के मकान में रहते थे। 21 नवंबर को राजू गुप्ता को कुछ लोग पुलिस के पास ले गए थे। आरोप था कि उसे पिटवाया गया। मां रेनू गुप्ता को भी थाने लाकर पूछताछ की गई थी।

पुलिस की पिटाई से हुई थी राजू गुप्ता की मौत

पुलिस की पिटाई से 22 नवंबर को राजू गुप्ता की मृत्यु हो गई। परिजन ने हंगामा किया था। मां रेनू गुप्ता की शिकायत पर दरोगा अनुज सिरोही, कारोबारी अंशुल प्रताप, उसके बेटे विवेक के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज हुआ था। मामले में कई दिन तक आरोपी दरोग फरार रहा था। बाद में जेल भेजा गया था। विवेचना में हत्या की धारा को गैर इरादत हत्या की धारा में तरमीम कर दिया गया। इसके बाद आरोप पत्र दाखिल किया गया।

मामले में परिजन की ओर से राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में शिकायत की गई। आयोग के आदेश पर मार्च 2023 से विवेचना सीबीसीआइडी में चल रही है। केस की वादी रेनू गुप्ता की 10 महीने बाद मृत्यु हो गई थी। इसी तरह अक्टूबर 2021 में थाना जगदीशपुरा के मालखाने से 25 लाख की चोरी हुई थी। मामले में मुकदमा दर्ज किया गया।

पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में लिया। उनसे पूछताछ की गई। इसमें सफाई कर्मी अरुण भी शामिल थे। आरोप है कि उन्हें चौकी अवधपुरी पर ले जाकर पीटा गया, जिससे जान चली गई। मामले में मुकदमा दर्ज हुआ। दूसरे जिले के एसपी से जांच कराई गई। मगर, जांच में पुलिसकर्मियों को क्लीन चिट मिल गई।

कवर स्टोरी / डॉ. ओम निश्चल

वैसे तो मुहब्बत का कोई दिन मुकर्रर नहीं होता। ये कभी भी कहीं भी किसी को किसी से हो जाती है। लेकिन हाल के वर्षों में वैलेंटाइन-डे को प्यार के वार्षिक उत्सव के रूप में मनाने का क्रेज बढ़ता जा रहा है। मुहब्बत की कहानी तभी से शुरू हो गई थी, जब से इंसान ने धरती पर जन्म लिया। गुजरते वक्त के साथ इसकी मूल भावना भले न बदली हो पर इसके स्वरूप में बहुत बदलाव आ गए हैं। मुहब्बत की दास्तान और इसके बदलावों पर एक नजर।

दास्तान-ए-मुहब्बत
जज्बात वही-अंदाज नया

प्रेम ऐसा मानवीय अहसास है, जिससे कोई भी अछूता नहीं रहता। यह कुदरत की देन है। हमारी ऋतुएं भी प्रेम की बयार बहाने में मदद करती हैं।

बदल गया प्रेम का स्वरूप: इस वसुधा पर वसंत आता ही है, प्रेम का अहसास लेकर। वसंत और प्रेम का बहुत घना रिश्ता है। हमारा साहित्य प्रेम के ऐसे उद्गारों से भरा है। पहले के जमाने में प्रेम को सौ पर्दे में छिपाकर रखा जाता था कि कोई जान न ले। आज तो प्रेम जताने का चलन है। सोशल मीडिया ने सब कुछ उघार दिया है। लज्जा के वसन उतार फेंके हैं दिलफेंक प्रेमियों ने। लेकिन क्या वही प्रेम आज है, जो कभी हीर-रांझा में था, जो कभी रोमियो और जूलियट में था, जो कभी पिरामिस और थेसबी में था, जो लैला-मजनू में था? अब तो मजनू भी वैसे न रहे, न लैला ही, केवल मजनू के टीले बचे हैं, जहां प्रेम नदारद है। प्रेम की सुंदर अनुभूति को मनुष्य ने धीरे-धीरे बाजारू बना दिया है। हमने प्रेम की जड़ों को सींचने के बजाय काटना शुरू किया। हमने प्रेम के आख्यान लिखे, गीत लिखे, कविताएं लिखीं, मंदिरों के स्थापत्य को प्रेम के उत्कीर्णनों से भर दिया पर जीवन में प्रेम छीजता रहा।

प्रेम बिना जीवन हो जाए नीरस: कहते हैं, प्रेम एक ऐसी शै है कि यह छुप नहीं सकता। एक दिन सारी दुनिया जहान को पता चल ही जाता है कि बंदा प्रेम में है। लेकिन भले ही पता चल जाए, मुहब्बत करने वालों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। प्रेम जीवन को संतुलित करने का नाम भी है। प्रेम को, जो काम की ही एक चैतन्य संज्ञा है, पुरुषार्थ चतुष्टय का अपरिहार्य अंग है। काम न हो, प्रेम न हो, राग न हो, अनुराग न हो, आसक्तियां न हों तो जीवन काहे का। यह मशीन की गतिशीलता बनाए रखने वाले लुब्रीकेशन की तरह है। यह न हो तो जीवन नीरस हो जाए। कविवर नीरज ने कहा ही है, *'प्यार अगर थामता न पथ में/ अंगुली इस बीमार उमर की/ हर पीड़ा वेश्या बन जाती/ हर आंसू आवारा होता।'* इस तरह प्रेम जीवन का एक अपरिहार्य पहलू है।

बावरा मन करता है प्रेम: कभी गीतकार रामावतार त्यागी के पत्रों की एक पुस्तक हाथ लगी थी। नाम था-चरित्रहीन के पत्र। हर पत्र में संबोधन के साथ अंत में लिखा होता था, 'तुम्हारा चरित्रहीन।' अद्भुत प्रेम की छुअन लिए पत्र थे। त्यागी जी ने एक गीत में लिखा है, *'अक्लमंदी हमारे नाम के आगे नहीं जुड़ती/ मगर भोले नहीं इतना कि जितना आम दिखते हैं/ हमें हस्ताक्षर करना न आया चेक पर माना/ मगर दिल पर बड़ी कारीगरी से नाम लिखते हैं।'* सच, मुहब्बत में अक्लमंदी नहीं चलती। वह तो बावरे मन का काम है।

कवियों ने प्रेम के ही गीत गाए। सगुण और निर्गुण प्रेम की धारा बहाई। मीरा, रसखान, पद्माकर, रत्नाकर प्रेम के ही कवि हैं। कृष्णमूर्ति कहते थे, 'जहां निर्भरता और आसक्ति है, वहां प्रेम नहीं रह सकता।'

होने लगा है प्रेम का पूंजी प्रबंधन: प्रेम को प्रबंधन करने का दौर चल पड़ा है। दिल की राह पर चलने वाले लोग, उपहारों के उत्कोच से प्रेम को बांधने का जतन करते हैं। पर सच्चा प्रेम कब इन उपहारों से बंधा है। जहां उपहारों की बारिश खत्म, प्रेम और मुहब्बत की सारी नवाजिश हवा हो जाती है। फिर निराला के इस गीत जैसा हाल ही प्रेमियों का होता है- *स्नेह निर्झर बह गया है, रेत ज्यों तन रह गया है।*

प्रेम सीधे-सच्चे स्नेह का पथ है। इस राह पर छली, कपटी दूर तक नहीं चल सकता। प्रेम के कई रंग हैं- पारिवारिक प्रेम, आत्मिक प्रेम, दांपत्य प्रेम, रूहानी प्रेम। इसी अनुरागमयता से यह संसार चल रहा है।

आया चट चैट-पट प्यार का दौर: प्रेम का जैसा लौकिक और अलौकिक बखान हमारे साहित्य में है, समाज में बिल्कुल नहीं। प्रेम सांसारिक भोग और विलास में बदल गया। आज मोबाइल पर हर दूसरा मैसेज प्यार का लिखा जा रहा है। हर शख्स आई लव यू के बुखार से ग्रस्त है। चट चैट, पट प्यार का फार्मूला ईजाद हो रहा है पर प्यार है कि जीवन में घुल ही नहीं रहा। अब चिट्ठियों का जमाना नहीं रहा कि महीनों लिफाफे से मुहब्बत की खुशबू आती थी। लोग उसे दिल के तहखाने में छुपा के रखते और एकांत में खोल कर पढ़ा करते थे। आज इंटरनेट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स प्यार के इजहार का मंच बन गए हैं। प्रेम और वासना की रीलें बनाई जा रही हैं। इंटरनेट प्रेम कहानियों से भरा है, पर जीवन में प्रेम नदारद है।

जरूर खोलिए प्यार का एकाउंट: एक बार फिर वैलेंटाइन-डे आ पहुंचा है प्रेम की याद दिलाने। वह जैसे हमारी देहरी पर दरवाजा खटखटा रहा है। लेकिन सच्ची मुहब्बत करने वाले खूबसूरत लोग अब नहीं दिखते हैं। ऐसा इसलिए कि हमने सच्चे दिल से अपने जीवन में प्रेम का खाता नहीं खोला। इसलिए, यदि जीवन को बचाना है, समाज को बचाना है, मन को बेगानेपन से बचाना है तो क्रिएट ए लव एकाउंट। प्रेम का खाता जरूर खोलिए जीवन में। मुहब्बत के जज्बे को संकीर्ण न होने दीजिए। एक हाथ मुहब्बत का आगे बढ़ाइए, देखिए सौ हाथ आगे बढ़ कर आपका हाथ थाम लेंगे। तब आप भी नीरज की तरह कह उठेंगे, *'एक नहीं, दो नहीं, करोड़ों साझी मेरे प्यार में।'* *

प्रेमारंभ की प्राचीन मान्यता

प्रेम की भावना यों तो हर किसी में इनबिल्ट होती है, पर सदियों पुरानी कहानी है, जब ईडन गार्डेन में आदम ने दो पक्षियों, दो पशुओं को आपस में अभिसार-मुद्रा में देख ईश्वर से पूछा कि यह क्या है? तो ईश्वर ने कहा यह प्रेम है। ये सभी प्रेम में आबद्ध हैं। तब उदास होकर आदम ने कहा मेरे जीवन में तो कोई है ही नहीं। मैं किससे प्रेम करूं? ईश्वर ने कहा, 'तुम प्रतीक्षा करो कल तक।' कुछ देर में आदम को वहीं एक पेड़ के नीचे गहरी नींद आ गई। जगा तो उसे एक सुंदरी दिखी। वह उसके प्रेम के वशीभूत हो बैठा। प्रेम के इस वर्जित फल को चखने का परिणाम ही है यह सृष्टि।

महान हस्तियों के यादगार प्रेम पत्र

आज के दौर में प्रेमी युगल को भले ही अपनी फीलिंग प्रकट करने के लिए पत्र लिखने की जरूरत नहीं रह गई है। लेकिन प्रेम पत्र लिखने का दौर भी बहुत खूबसूरत रहा है। कई प्रसिद्ध हस्तियों के पत्र तो आज भी हर प्रेम करने वाले के लिए किसी धरोहर से कम नहीं हैं।

अहसास / डॉ. अनिता राठौर

जब से मैंने आपके बारे में सुना है, मेरे प्रभु! मैं आपकी ओर पूरी तरह से आकर्षित हो गई हूं। कृपया शिशुपाल से मेरे विवाह से पहले अवश्य आएं और मुझे ले जाएं। अगर आप मुझ पर यह कृपा नहीं करते हैं, तो मैं उपवास और कठोर व्रतों का पालन करके अपना जीवन त्याग दूंगी। तब शायद अगले जन्म में मैं आपको प्राप्त कर सकूंगी।' यह संसार का संभवतः सबसे पहला प्रेम पत्र है, जो रुक्मिणी ने श्रीकृष्ण को लिखा था। यह पत्र हमें श्रीमद्भागवतम के सर्ग 10 के अध्याय 52 में मिलता है।

पत्रों में व्यक्त होती थीं भावनाएं: जब कॉल्स व इंस्टेंट मैसेजिंग का दौर नहीं था। तब प्रेमी अपने इश्क का इजहार करने के लिए अपने जज्बात शब्दों में पिरोकर कागज पर अंकित कर दिया करते थे। चिट्ठियों का वो दौर भी क्या दौर था कि प्रेमी या प्रेमिका के लिए दिल की गहराइयों से निकले हुए सुनहरे अल्फाज साहित्य की अमर कृतियां बन गई हैं।

कैफी आजमी-शौकत: बीस दिन गुजर चुके थे और शायर कैफी आजमी को अपनी प्रेमिका शौकत (बाद में पत्नी) की कोई खबर नहीं मिली थी। उन्हें लगा कि शौकत उनसे किसी बात पर नाराज हो गई हैं। उन्हें मनाने के लिए रात में 1 बजे कैफी ने अपने खून से एक प्रेम पत्र लिखा, 'तुम्हें लिखने के बाद मैंने लिफाफे को बंद किया और बिस्तर में चला गया यह सोचते हुए कि कुछ नींद आ जाएगी, लेकिन नींद नहीं आई। मैंने तुम्हारे पिछले खत को फिर पढ़ा और अपने आंसू रोक न सका। शौकत, ये मेरी बदकिस्मती है कि तुम्हें मुझ पर या मेरे प्यार पर यकीन नहीं है। कुछ दिन से मैं कुछ नहीं सोच रहा हूं, सिवाय इसके कि तुम्हें किस तरह से यकीन दिलाऊं कि मैं तुमसे प्यार करता हूं। मैंने एक ब्लेड से अपनी कलाई पर गहरा घाव कर लिया है और अब अपने खून से तुम्हें खत लिख रहा हूं। महीनों मैंने अपने प्यार के लिए आंसू बहाए हैं और अब मैं खून बहा रहा हूं। मुझे नहीं मालूम हमारा भविष्य क्या है। मोती (शौकत का प्यार का नाम), मुझे बहुत गहरा सदमा लगा है। तुम ये कैसे लिख सकती हो- 'अब मैं जान गई हूं कि उसकी आंखें मुझ पर नहीं हैं बल्कि किसी और पर हैं, जो उसे समझती नहीं है, न ही वह उसे समझना चाहती है?' इन शब्दों को वापस ले लो, शौकत, और मेरे प्यार का मजाक मत उड़ाओ। अगर तुम मेरे लिए कुछ नहीं कर सकती, तो कोई बात नहीं। तुम्हें प्यार करते ही मैं जान गया था कि मेरे लिए कोई उम्मीद नहीं है। खुदा मेरी हिफाजत करेगा। तुम्हें मेरे प्यार पर, मेरे इरादे पर शक है कि मैं तुमसे शादी करूंगा या नहीं। मैं सिर्फ इतना कह सकता हूं कि एक दिन मैं तुम्हे और दुनिया को साबित कर दूंगा कि मैं तुमसे कितना प्यार करता हूं। मेरी शौकत, मेरा और मेरे प्यार का क्या होगा। हम तुम एक दूसरे से इतनी दूर हैं कि तुम्हारे लिए मेरे दर्द को देखना मुमकिन नहीं है। अगर तुम्हें मेरी कोई बात बुरी लगी हो तो मुझे माफ कर देना। प्यार और ढेर सारा प्यार, तुम्हारा कैफी।'

शौकत के साथ कैफी आजमी

जॉन कीट्स-फैनी ब्रॉने: रोमांटिक कवि जॉन कीट्स की प्रेमिका फैनी ब्रॉने ने उनके प्रेम पत्र पढ़कर लिखा था, 'मुझे वह शब्द मत लिखो, जिनसे तुम्हारा ज्ञान-काबिलियत प्रकट होती हो, बल्कि वह अल्फाज लिखो जो तुम्हारे दिल की गहराइयों से निकले हों।' इसके बाद कीट्स ने अपने प्रेम पत्रों की शैली बदल दी थी और अपने दिल के जज्बात कागज पर बयान करने लगे थे। एक बानगी देखिए, 'तुम हमेशा नई लगती हो। तुम्हारा पिछला चुंबन सबसे अधिक मीठा था, तुम्हारी पिछली मुस्कान सबसे अधिक चमक लिए हुए थी, तुम्हारा नागिन की तरह पिछला चलने का अंदाज सबसे अधिक दिलकश था। जब कल तुम मेरी खिड़की के पास से गुजरी थीं तो मेरे प्यार भरे जज्बात वैसे ही उमड़े थे, जैसे तुम्हें पहली बार देखने पर उमड़े थे। अगर तुम मुझसे प्यार न भी करतीं तो भी मेरा प्यार सारी उम्र तुम्हें ही समर्पित रहता।'

जॉन कीट्स-फैनी ब्रॉने

व्लादिमीर नबोको-वेरा: व्लादिमीर नबोकोव की वेरा से पहली मुलाकात 1921 में हुई थी। व्लादिमीर के वेरा के लिए पत्र अपनी पूर्णता में यादगार हैं। एक पत्र में उन्होंने लिखा है, 'मेरी कोमल कली, मेरी खुशी, मैं तुम्हारे लिए क्या शब्द लिखूं? यह कितना अजीब है कि मेरा जीवन कार्य कागज पर कलम चलाना है, लेकिन मैं यह नहीं जानता कि तुम्हें कैसे बताऊं कि मैं तुम्हें प्यार करता हूं। ऐसी उत्तेजना और ऐसी दैविक शांति पिघलता बादल धूप में गुम होते हुए खुशी का पहाड़ और मैं तुम्हारे साथ तैर रहा हूं। तुम में, जलता, पिघलता और पूरा जीवन तुम्हारे साथ बादलों की गति जैसा है, उनका हवाई, शांत गिरना, उनका हल्कापन कोमलता और रंग भरी आसमानी विविधता-मेरा प्रेम। मैं इस एहसास को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता।' *

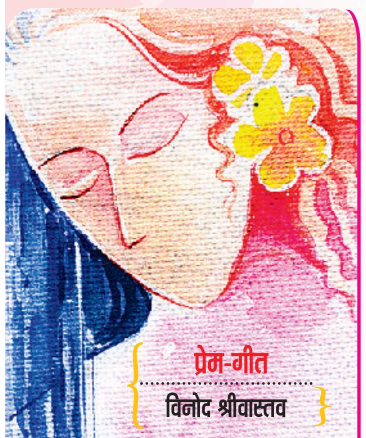

प्रेम-गीत / विनोद श्रीवास्तव

प्यास को मानसरोवर दिया

बंजर ही बंजर था
किसने हरा-भरा कर दिया
प्यास को मानसरोवर दिया।
अग्निशरों से बींध-बींधकर
छलनी कर दी काया
फेंक दिया तपती धरती पर
मांग रहा था छाया।
पतझर ही पतझर था
किसने फूलों का घर दिया
अधर पर वंशी को धर दिया।
मंदिर-घाट-हाट-मेले की
सुधियां हैं गहराईं
उजड़े डेरे सोच-सोचकर
आंखें हैं भर आईं।
अक्षर ही अक्षर था
किसने प्राणों को स्वर दिया
कंठ को गीतों से भर दिया।

व्यंग्य / राकेश सोहम

वैलेंटाइन डे के दिन जब वे अपनी पत्नी के साथ टहलने पहुंचे। जब चलते-चलते थक गए और घास पर बैठकर सुस्ताने लगे। तभी एक सुरक्षाकर्मी प्रकट हुआ। डंडा घुमाते हुए बोला, 'क्या हो रहा है यहां?' शादी के बाद बची-खुची अकड़ समेटकर उन्होंने कहा, 'क्या मतलब है जी आपका?' उसने आंख मारते हुए पहला सवाल दोहराया, 'क्या कर रहे हो यहां?'

वैलेंटाइन डे पर हुई मुसीबत

इधर 'वैलेंटाइन डे' का त्यौहार सिर पर है और दिमाग का दही हुआ पड़ा है। यह दिवस एक देशव्यापी त्यौहार बन गया है, जो प्रति वर्ष नियत तिथि पर मनाया जाता है। यह अनोखा त्यौहार बाजारों में भारी चमक-दमक के साथ आता है, लेकिन मनाने में दम निकल जाता है। कई लोगों को हर्षोल्लास की बजाय चोरी-छिपे मनाना पड़ता है। उपहारों का आदान-प्रदान गोपनीय रखना पड़ता है।

गो कि मिठाई चुपके से 'गप' कर लो और चबाते हुए मुंह चलाने का पता भी न चले। युवा अपने अभिभावकों से मुंह छिपाए घूमते हैं। वे घरों से निकलते हैं, अपनी वैलेंटाइन के लिए उपहार खरीदते हैं और उपहार को निपटा कर ही वापस लौटते हैं। बेचारे उम्रदराज, बड़ी उलझन में होते हैं। अधिकार प्राप्त निजी वैलेंटाइन के साथ भी मुश्किल में पड़ जाते हैं।

मेरे जैसे सठिया, खूसठों के द्वारा यह त्यौहार मनाना तो दूर, कुछ सूझता तक नहीं है! वैलेंटाइन डे की बात सूझने मात्र से पत्नी जी का मुंह सूज जाने का भय बना रहता है। उसे दुनिया की सभी स्त्रियों में वैलेंटाइन दिखाई देने लगती है। घर के दरवाजे पर आई बेचारी सेल्स गर्ल अपने उत्पाद के बारे में कुछ बताए, इसके पूर्व पत्नी इतना उत्पात मचा देती है कि वह पतली गली से भाग निकलती है।

एक वाकया याद आ रहा है। पिछले साल हुआ यों कि 'वैलेंटाइन डे' पर अपनी असली पत्नी के साथ 'टहलू पार्क' में टहलने गया था।

हम चलते-चलते थक गए और घास पर बैठकर सुस्ताने लगे। तभी एक सुरक्षाकर्मी प्रकट हुआ। डंडा घुमाते हुए बोला, 'क्या हो रहा है यहां?'

मैंने शादी के बाद बची-खुची अकड़ समेटकर कहा, 'क्या मतलब है जी आपका?'

उसने आंख मारते हुए पहला सवाल दोहराया, 'क्या कर रहे हो यहां?'

मुझे क्रोध आया, 'हम थक गए थे। अब बैठे सुस्ता रहे हैं।'

वह जोर से हंसा, 'अरे उम्र का लिहाज करो। थकाने वाले काम करते क्यों हो?'

मुझे उसका मंतव्य समझ आ गया, अतः हाथ जोड़कर कहा, 'टहलते हुए थकान हो गई थी इसलिए बैठे हैं, अभी चले जाएंगे।'

मेरी बात समाप्त होते ही वह तपाक से बोला, 'किसके साथ बैठे हो?'

मैंने सीना ठोक कर कहा, 'पत्नी के साथ?'

उसने पत्नी जी को देखा। फिर मुझे देखा और बोला, 'किसकी पत्नी?' दरअसल, पत्नी जी अब भी पुरानी कविता सी दिखती हैं और मैं आज के व्यंग्य जैसा बिखरा-बिखरा खड़ूस हो गया।

मैंने पत्नी जी का हाथ पकड़ा और अकड़ते हुए जवाब दिया, 'मैं अपनी पत्नी के साथ हूं, समझे।'

वह पुलिसिया डंडा घुमाते हुए बोला, 'हम कैसे मान लें?'

फिर हम दोनों के हाथ पर डंडा रख दिया। मुझे अपने 'आधार' की ताकत याद हो आई। मैंने अपने कुर्ते की जेब से दोनों के आधार कार्ड निकाल कर उसकी हथेली पर पटक दिए। वह डंडे को अपनी बगल में दबाए पैर फैला कर खड़ा हो गया और कार्ड्स में छपे छाया चित्रों से हमारी सूरतें मिलाने लगा। फिर दूसरे हाथ से टोपी के अंदर अपनी खोपड़ी खुजलाते हुए बोला, 'तुम्हारी सूरत को ठीक मान भी लें... पत्नी जी की सूरत मेल नहीं खा रही!'

मुझे 'आधार' निराधार लगने लगा। हालांकि, भ्रम हमें भी था कि हमारे आधार कार्ड में छपी सूरतें हमारी ही हैं!

तभी पार्क से हमारे पड़ोसी के बच्चे की आवाज आई, 'अरे! अंकल-आंटी आप लोग यहां हैं, मैं कब से आप लोगों को ढूंढ़ रहा हूं। घर में ताला पड़ा है और जीनू भैया आप लोगों की प्रतीक्षा कर रहे हैं।'

हम दोनों बिना कुछ कहे घर की ओर चल दिए। सुरक्षा कर्मी डंडा घुमाते हुए आगे बढ़ गया। मैंने चलते हुए पत्नी जी से कहा, 'तुम तो कभी मेकअप करती नहीं। लेकिन फोटो खिंचाते समय क्या लिपस्टिक लगाना जरूरी है? बेचारा! सुरक्षाकर्मी कन्फ्यूज हो गया था।'

पत्नी जी ने कनखियों से मुझे देखा, 'मैं हूं ही इतनी सुंदर।'

मैंने उनके कदम से कदम मिलाते हुए कहा, 'हैप्पी वैलेंटाइन डे।' वो मुस्कुरा दीं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

प्रेम में भीगी कविताएं

सुपरिचित कवयित्री-समालोचक डॉ.रचना तिवारी का नया कविता संग्रह 'कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते' हाल में प्रकाशित होकर आया है। हालांकि इस संग्रह में आदिवासी महिलाओं के जीवन का संघर्ष, कोविड की विभीषिका से उपजे मार्मिक दृश्य, स्त्रियों की आकांक्षा और उनके द्वंद्व समेत जीवन की बहुरंगी अनुभूतियों को कई कविताओं में पिरोया गया है। लेकिन संग्रह में संकलित कविताओं का मूल स्वर प्रेमानुभूति से उपजा है। यहां उन्होंने प्रेम की कोमल अनुभूतियों को बहुत संजीदगी से व्यक्त किया है। *'तुम लिख दो मुझे/यहां से वहां तक / जिसकी सड़क/मेरे इस छोर से/तुम्हारे उस छोर तक जाती हो।'*(तुम लिख दो मुझे) संग्रह की शीर्षक कविता 'कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते' में वह लिखती हैं, *'वे नहीं होते/साथ चलने के लिए/वे वनवास काटते हुए/अनकहे और अनसुने रहने के लिए होते हैं/वे एक दूसरे के पूरक होते हुए भी/अधूरे रहने के लिए होते हैं।'* कहने की जरूरत नहीं कि प्रेम पर अब तक असंख्य कविताएं लिखी जा चुकी हैं लेकिन प्रेम में भीगी ये कविताएं, उन प्रेम कविताओं में अलग से पहचान बनाने में सक्षम हैं। *

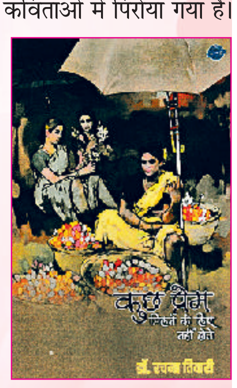

पुस्तक: कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते, लेखिका: डॉ. रचना तिवारी, मूल्य: 199 रु, प्रकाशक: सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

खबर संक्षेप

9682 करोड़ से अधिक राशि किसानों को दी

भोपाल। विपणन वर्ष 2024-25 में धान उपार्जन के लिए 6 लाख 69 हजार किसानों से 43 लाख 52 हजार मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया गया है। अभी तक 9682 करोड़ 26 लाख रुपए किसानों के बैंक खाते में अंतरित किए जा चुके हैं। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि बताया कि शेष राशि शीघ्र ही किसानों के खातों में भेज दी जाएगी।

ऑटो कटऑफ डीपी से बिजली चोरी पर अंकुश

भोपाल। मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क्षेत्रांतर्गत स्मॉल ट्रांसफार्मर रिपेयरिंग यूनिट (एसटीआरयू) में स्वनिर्मित नवीन तकनीकी का उपयोग कर बनाए गए ऑटो कटऑफ ट्रांसफार्मर से एक ओर जहां बिजली चोरी पर अंकुश लगा है वहीं दूसरी ओर विद्युत उपभोक्ताओं को बिना रूकावट के बिजली मिल रही है। कंपनी के प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल ने बताया कि कंपनी द्वारा इनहाउस बनाए गए इन ऑटो कटऑफ ट्रांसफार्मर्स की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इनमें उन्नत तकनीक का उपयोग किया गया है। इससे संबंधित क्षेत्र में स्वीकृत क्षमता से अधिक विद्युत भार का उपयोग होने पर ट्रांसफार्मर स्वमेव ट्रिप हो जाता है।

उच्च स्तरीय टीम ने किया एमपी ट्रांसको का दौरा

भोपाल। तमिलनाडु पावर ट्रांसमिशन कंपनी की प्रबंध संचालक के. इंद्राणी के नेतृत्व में तमिलनाडु ट्रांसको की उच्च स्तरीय अधिकारियों की एक टीम ने मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्यालय जबलपुर का दौरा किया। तमिलनाडु ट्रांसमिशन कंपनी की प्रबंध संचालक के. इंद्राणी तथा एमपी ट्रांसको के प्रबंध संचालक इंजीनियर सुनील तिवारी सहित मुख्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने बैठक कर अपने-अपने संस्थानों में अपनाई जा रही बेस्ट प्रैक्टिसेस के बारे में चर्चा की। साथ ही तालमेल के साथ एक दूसरे की बेस्ट प्रेक्टिसेस पर अमल करने के लिए सैद्धांतिक सहमति व्यक्त की। के. इंद्राणी ने स्काडा कंट्रोल सेंटर का दौरा कर उसकी कार्य प्रणाली का सूक्ष्मता से अध्ययन किया।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में सेमीकंडक्टर-मैन्युफैक्चरिंग रहेगा निवेशकों का प्रमुख आकर्षण

सेमीकंडक्टर पॉलिसी से निवेश के साथ युवाओं को मिलेगा रोजगार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस)-2025 में सेमीकंडक्टर एक महत्वपूर्ण सेक्टर रहेगा। इसकी महत्वता को देखते हुए कैबिनेट ने मप्र सेमीकंडक्टर पॉलिसी-2025 को मंजूरी दी है। इस नीति के लागू होने से सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के क्षेत्र में प्रदेश में बड़े पैमाने पर निवेश की संभावनाएं बढ़ गई हैं।

जीआईएस में शामिल होने वाले निवेशकों के बीच इस सेक्टर को लेकर उत्साह और रुचि देखी जा रही है, जिससे राज्य में अधिक से अधिक निवेश आकर्षित होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस पॉलिसी से राज्य में इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंड्क्टर विनिर्माण केन्द्र के रूप में विकसित एक स्थाई ईको-सिस्टम स्थापित किया जा सकेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन भारत को सेमीकंडक्टर डिज़ाइन निर्माण और तकनीकी विकास के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री का मानना है कि भारत का सेमीकंडक्टर क्षेत्र एक क्रांति की कगार पर है। उनका लक्ष्य है कि इलेक्ट्रॉनिक और सेमीकंडक्टर्स का शत-प्रतिशत निर्माण भारत में ही किया जाए। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि सेमीकंडक्टर पॉलिसी से प्रधानमंत्री मोदी के लक्ष्य की प्राप्ति में मप्र महत्वपूर्ण योगदान दे सकेगा।

घरेलू और विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने में होगी मदद

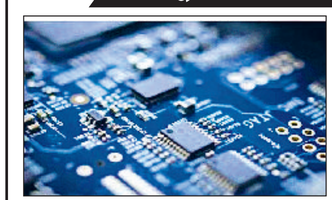

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह पॉलिसी राज्य को सेमीकंडक्टर विनिर्माण के क्षेत्र में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, जो घरेलू और विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने में मदद करेगी और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में नेतृत्व करने के अवसर प्राप्त होंगे। साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

निवेशकों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष प्रावधान

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेमीकंडक्टर पॉलिसी के तहत पूंजी निवेश अनुदान (कुल निवेश का 25 प्रतिशत या केंद्र से प्रदान सब्सिडी का 50 प्रतिशत, जो भी कम हो) दिया जाएगा। राज्य सरकार गैर-सरकारी अनुमोदित परियोजनाओं के लिए 40% (अधिकतम 150 करोड़) तक पूंजी निवेश अनुदान देगी।

2 रुपए प्रति यूनिट बिजली टैरिफ सब्सिडी भी दी जाएगी

पहले 10 वर्षों के लिए 2 रुपए प्रति यूनिट बिजली टैरिफ सब्सिडी भी दी जाएगी। इससे संचालन लागत कम होगी और निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा। पॉलिसी में 400 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं के लिए इन्फ्रास्ट्रक्टर के लिए सहयोग, कर में छूट और कुछ अतिरिक्त वित्तीय सहायताएं भी दी जाएंगीं।

पांच वर्षों में 2700 करोड़ का निवेश और 14,400 रोजगार

सेमीकंडक्टर पॉलिसी से प्रदेश में अगले पांच वर्षों में 2700 करोड़ रुपए का निवेश आने की आशा है। इससे 3,782 करोड़ रुपए निर्यात और 1,702 करोड़ रुपए स्टेट जीएसटी राजस्व से प्राप्त होंगे। साथ ही बड़ी संख्या में रोजगार सृजन होगा। राज्य सरकार, प्रावधान प्रक्रिया में विलंब को न्यूनतम करने और कंपनियों को इकाई स्थापना एवं विस्तार में सुविधा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पॉलिसी में पीपीपी मोड को बढ़ावा

मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर पॉलिसी-2025 में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे सरकारी निकायों, शैक्षणिक संस्थानों और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग बढ़ेगा, साथ ही प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को भी प्रोत्साहन मिलेगा। इसके फलस्वरूप वैश्विक विशेषज्ञता और तकनीक को मध्यप्रदेश में लाया जा सकेगा।

निवेशकों को अनुसंधान और विकास के लिए प्रोत्साहन फंड

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि सेमी कंडक्टर पॉलिसी में सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में निवेश करने वाली कंपनियों को अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) और तकनीकी नवाचार में निवेश के लिए विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जाएगा। सेमीकंडक्टर तकनीक में अनुसंधान के लिए विशेष फंड के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। राज्य सरकार पॉलिसी में नई परियोजनाओं के लिए अनुमोदन प्रक्रिया को सरल और तेज बनाने के लिए सरलीकृत नियामक तंत्र का प्रावधान किया गया है।

ताप्ती बेसिन मेगा रीचार्ज विश्व की सबसे बड़ी ग्राउंड वाटर रीचार्ज परियोजना

मुख्यमंत्री बोले, ताप्ती नदी की तीन धाराएं बना कर कृषि भूमि का कोना-कोना करेंगे सिंचित

- मुख्यमंत्री ने परियोजना के संबंध में दोनों राज्यों के अधिकारियों के साथ बैठक कर दिए निर्देश
- अंतरराज्यीय नदी परियोजना का अवरोध हुआ दूर, महाराष्ट्र के साथ शीघ्र होगा करार
- मप्र में एक साल में तीसरी महत्वपूर्ण अंतर्राज्यीय नदी परियोजना पर काम जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ताप्ती बेसिन मेगा रीचार्ज योजना विश्व की सबसे बड़ी ग्राउण्ड रीचार्ज परियोजना है। इस अंतर्राज्यीय संयुक्त परियोजना का अवरोध अब दूर हो गया है। हम महाराष्ट्र सरकार के साथ चर्चा कर करार करने की ओर बढ़ रहे हैं। जल्द ही केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को भोपाल आमंत्रित कर करार होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को मंत्रालय में ताप्ती बेसिन मेगा रीचार्ज एवं कन्हान उप कछार परियोजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में बैठक कर अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ताप्ती मेगा रिचार्ज योजना के जरिए हम महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर ताप्ती नदी की तीन धाराएं बनाकर राष्ट्रहित में नदी जल की बूंद-बूंद का उपयोग सुनिश्चित कर कृषि भूमि का कोना-कोना सिंचित करेंगे।

राष्ट्रीय जल परियोजना घोषित कराने केंद्र सरकार से चर्चा होगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज योजना को राष्ट्रीय जल परियोजना घोषित कराने के लिए केन्द्र सरकार से चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज योजना में कुल 31.13 टीएमसी जल का उपयोग होगा। इसमें से 11.76 टीएमसी मप्र को और 19.36 टीएमसी जल महाराष्ट्र राज्य के हिस्से में आएगा।

ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना से यह होंगे लाभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री के परामर्श से इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना के पूरा होने पर मध्यप्रदेश के 1 लाख 23 हजार 82 हेक्टेयर भू-क्षेत्र और महाराष्ट्र के 2 लाख 34 हजार 706 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की स्थाई सुविधा उपलब्ध होगी। इस परियोजना से मप्र के बुरहानपुर एवं खंडवा जिले की बुरहानपुर, नेपानगर, खकनार एवं खालवा की कुल चार तहसीलें लाभान्वित होंगी। मप्र के 1,23,082 हेक्टेयर क्षेत्र में एवं महाराष्ट्र के 2,34,706 सेक्टर में सिंचाई प्रस्तावित है। योजना में भूजल भंडारण का विस्तार किया जाएगा। प्रदेश के बुरहानपुर एवं खंडवा जिलों की बुरहानपुर, नेपानगर, खकनार एवं खालवा तहसीलें लाभान्वित होंगी।

विकास की यात्रा में सभी सेक्टर्स में लगातार काम

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार मप्र की नदियों का आसपास के राज्यों से सुखद और दोनों राज्यों के हितों के बंटवारे के क्रम को लगातार बनाए हुए हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में हम महाराष्ट्र के साथ नदी जल बंटवारे के मसले के निराकरण के लिए प्राथमिक चरण की चर्चा के लिए आगे बढ़े हैं। महाराष्ट्र राज्य के मुख्यमंत्री की भी यही भावना है। वे भी चाहते हैं कि मध्यप्रदेश के साथ ताप्ती और कन्हान नदी की जो नदी जल परियोजनाएं के निराकरण के लिए ठोस प्रयास किए जाने चाहिए।

शारदा विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय फेस्ट कोरस का हुआ समापन

नई दिल्ली। फेस्ट में बॉलीवुड सिंगर जुबिन नौटियाल ने बांधा समाग्रेनों के नॉलेज पार्क स्थित शारदा विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय एनुअल फेस्ट कोरस का बॉलीवुड सिंगर जुबिन नौटियाल की प्रस्तुति की साथ समापन हो होगा। इस बार फेस्ट की थीम कार्निवल ऑफ कलर्स है जो सांस्कृतिक विविधता की समृद्धि का जश्न मनाती है। इसमें विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन हुआ और कई विश्वविद्यालय और कॉलेज की करीब 60 टीमों ने हिस्सा लिया। इस दौरान डीजे और म्युजिकल नाइट के साथ बॉलीवुड सिंगर ने अपनी प्रस्तुति दी और और वहां मौजूद लोगों को नाचने पर मजबूर कर दिया। फेस्ट का मुख्य आकर्षण ग्लोबल विलेज कार्यक्रम रहा। इसमें भूटान, म्यांमार, नेपाल, अफ्रीकी देश समेत 28 देशों के छात्र अपने देश के प्रचलित व्यंजन बनाएं। इस दौरान उन देशों राजनयिक सम्मिलित हुए। विश्वविद्यालय के डायरेक्टर पीआर डॉ अजीत कुमार ने बताया कि तीन दिवसीय फेस्ट में 20 से अधिक कार्यक्रम जैसे बहस, फैशन शो, मोनोलॉग, स्टैंड-अप कॉमेडी प्रदर्शन, रैप वॉर, ओपन-माइक शो, ग्रुप डांस जैसी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इस दौरान 70 से अधिक देशों के गणमान्य व्यक्ति, संकाय सदस्य और प्रतिभागी उपस्थित रहे। प्रसिद्ध कथक कलाकार विदुषी मालती श्याम ने परफॉर्मेंस दी। इसके बाद डीजे सिन व पंजाबी गायक दिलनवाज और शनिवार को बॉलीवुड सिंगर जुबिन नौटियाल ने अपने गाने दिल गलती कर बैठा है, मेरी जिंदगी है तू, बरसात की धुन, तुम कितन चाहें आदि गानों पर अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने अपने मोबाइल में रिकॉर्ड किया। छात्रों को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों के प्रतिभागियों को मजेदार गतिविधियों और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए एक साथ लाया, प्रतिभा दिखाने, साथियों के साथ बातचीत करने और अमूल्य अनुभव प्राप्त करने के लिए एक मंच प्रदान किया। प्रो चांसलर वाईके गुप्ता ने विजेताओं को पुरस्कार दिए ।

सांसद और विधायक 13 को जाएंगे प्रयागराज

मंत्रिमंडल के सहयोगियों सहित सीएम करेंगे महाकुंभ में स्नान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उनके मंत्रिमंडल सहयोगियों समेत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद और विधायक 13 फरवरी को प्रयागराज में महाकुंभ में स्नान करेंगे। विष्णु देव साय ने पत्रकारों से कहा, '13 तारीख को मंत्रिमंडल के सभी सदस्य और पार्टी के विधायक महाकुंभ जा रहे हैं क्योंकि 144 वर्ष बाद ऐसा शुभ मुहूर्त आया है।

हम सभी लोग पुण्य के भागी बनना चाहते हैं। वहीं दूसरी ओर विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चरण दास महंत ने महाकुंभ जाने से इनकार कर दिया है। महंत ने कहा, 'विधानसभा अध्यक्ष के आमंत्रण की जानकारी मिली है। कुछ व्यक्तिगत कार्यों की वजह से मैं इसमें शामिल नहीं हो पाउंगा, लेकिन पार्टी (कांग्रेस) के विधायकों को इसमें शामिल होने से मना नहीं किया गया है। विधायक जब चाहें तब वह इसमें शामिल हो सकते हैं। जब सीएम साय से इस बारे में सवाल पूछा गया तो उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस तो भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाने वाली पार्टी है। इनसे यही उम्मीद की जा सकती है। छत्तीसगढ़ विधानसभा के अधिकारियों ने बताया कि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने मुख्यमंत्री साय सहित मंत्रिमंडल के सदस्यों, नेता प्रतिपक्ष और सभी विधायकों तथा सांसदों (लोकसभा व राज्यसभा) को 13 फरवरी को प्रयागराज में महाकुंभ में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है।

ब्लैकमेलिंग के पीड़ित बुजुर्ग ने कई बार पैसे ट्रांसफर

रिटायर्ड प्रोफेसर के साथ साइबर ठगी के 6 आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बलौदाबाजार

छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले से एक रिटायर्ड प्रोफेसर के साथ साइबर ठगी का मामला सामने आया है। आरोपियों ने सेक्सटॉर्शन के जरिए बुजुर्ग को ब्लैकमेल कर 6.8 लाख रुपये की ठगी की। पुलिस ने इस मामले में बिहार के पूर्णिया जिले से 5 और हरियाणा से 1 आरोपी को गिरफ्तार किया है, लेकिन गिरोह की मुख्य सरगना लड़की अभी फरार है।

मिली जानकारी अनुसार, 16 जनवरी को रिटायर्ड प्रोफेसर के मोबाइल पर एक अनजान व्हाट्सएप वीडियो कॉल आया। कॉल पर मौजूद लड़की ने मीठी-मीठी बातों से उन्हें अपने जाल में फंसाया और अश्लील वीडियो रिकॉर्ड कर ली। इसके बाद लड़की और उसके साथियों ने पीड़ित को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। उन्होंने धमकी दी कि यदि पैसे नहीं दिए तो यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दी जाएगी। इसके तुरंत बाद कुछ अन्य लोगों ने खुद को पुलिस अधिकारी बताकर कॉल किया और झूठा आरोप लगाया कि, प्रोफेसर ने लड़की के साथ गलत हरकत की है। इन धमकियों से डरकर पीड़ित ने कई बार बैंक खाते और ऑनलाइन पेमेंट के जरिए 6 लाख 83 हजार रुपये आरोपियों को ट्रांसफर कर दिए।

साइबर टीमें बिहार और हरियाणा हुईं थी रवाना..

पुलिस अधीक्षक ने मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर सेल और विशेष टीमों को बिहार और हरियाणा भेजा। छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन ठगी की गई राशि अभी तक बरामद नहीं हो सकी है।

मुख्यमंत्री ने जयंती पर दी पुष्पांजलि

सेवा, समर्पण और त्याग की प्रतिमूर्ति थीं माता रमाबाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

- माता रमाबाई ने विकट परिस्थितियों में भी डॉ. आंबेडकर का सहयोग किया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की धर्मपत्नी रमाबाई आंबेडकर की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने कहा कि श्रद्धेय माता रमाबाई सेवा, समर्पण और त्याग की प्रतिमूर्ति थीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि माता रमाबाई ने समानता, शिक्षा एवं राष्ट्र निर्माण में नारी सशक्तिकरण की भूमिका को रेखांकित कर एक नए युग का सूत्रपात किया। उनके विचार आज भी देश के हर नागरिक को राष्ट्र निर्माण में सहयोग और सहभागिता की अनंत प्रेरणा देते हैं। उनकी जयंती पर राष्ट्र चेतना से जुड़ने का संकल्प लेना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। माता रमाबाई ने विकट परिस्थितियों में डॉ. आंबेडकर को उच्च शिक्षा प्राप्त करने और वास्तविक क्षमता को आगे बढ़ाने में सहयोग किया था।

कार्यस्थल पर सकारात्मक सोच रखें अधिकारी और कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मदद के भाव हमारी प्राचीन संस्कृति का हिस्सा हैं। जीवन को आनंद उत्सव की तरह जीएं और कार्य स्थल पर सकारात्मक सोच रखें।

खाद्य आयुक्त कर्मवीर शर्मा ने यह बात आनंद संस्थान की ओर से आयोजित तीन दिवसीय आनंदम सहयोगी कार्यशाला के समापन सत्र में कही। कार्यशाला में विभिन्न जिलों के अधिकारी-कर्मचारियों ने सहभागिता की। विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी खाद्य विभाग सुकृति सिंह एवं आनंद संस्थान के निदेशक प्रवीण कुमार गंगराड़े ने आनंद संस्थान की अवधारणा और संस्थान की अलग-अलग गतिविधियों के बारे में बताया। तीन दिवसीय कार्यशाला को मास्टर ट्रेनर्स ने स्वयं के जीवन में बदलाव परिवर्तन के अनुभव साझा किए। जीवन का लेखा जोखा, रिश्ते, फ्रीडम गिलास जैसी विधियों और प्रेरक वीडियो फिल्म के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया।

अल्प विराम कार्यक्रम शांत समय मौन की शक्ति का अनुभव प्रतिभागियों ने स्वयं किया। कार्यक्रम समन्वयक प्रदीप मेहतो ने जीवन को बहती हुई नदी और निदेशक सत्यप्रकाश आर्य ने आनंद को परिभाषित करते जीवन मूल्यों पर विस्तार से बताया।

महाविद्यालय के स्वर्ण जयंती महोत्सव में सीएम ने कहा

भारत पूरी दुनिया को महिला सशक्तिकरण का दे रहा संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज विश्व के कई देशों के लिए महिला सशक्तिकरण चर्चा का विषय हो सकता है, लेकिन भारत देश के संदर्भ में महिला सशक्तिकरण प्राचीन काल से आराधना का विषय रहा है।

हमारे भारतीय समाज में महिलाओं के लिए आदर कोई सैद्धांतिक विषय नहीं है, महिलाओं को सशक्त बनाने का संकल्प कार्य रूप में परिणित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को सत्य साईं महाविद्यालय, भेल भोपाल के स्वर्ण जयंती महोत्सव और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में शामिल होकर संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि महाविद्यालय में ऑडिटोरियम निर्माण और आईटी और एआई रिसर्च लैब के लिए राज्य शासन की ओर से सहयोग प्रदान किया जाएगा।

सत्य साईं महिला महाविद्यालय में ऑडिटोरियम और लैब के लिए राज्य शासन देगा सहयोग

महिलाओं के लिए एक तिहाई जनप्रतिनिधित्व पर जोर दिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं के लिए एक तिहाई जनप्रतिनिधित्व पर जोर दिया है। मप्र सरकार भी शासकीय सेवाओं में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण प्रदान कर रही है। प्रदेश में नए-नए उद्योग आ रहे हैं, इनमें भी महिलाओं को बड़ी संख्या में रोजगार मिल रहा है। रेडीमेड गारमेंट उद्योग में कार्य करने वाली बहनों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है। लाड़ली लक्ष्मी और लाड़ली बहना योजना के साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में बालिकाओं को विशेष सुविधाएं दी जा रही हैं। सत्य साईं महिला महाविद्यालय जैसे उच्च शिक्षण संस्थान बधाई के पात्र हैं, जो नेशनल असेसमेंट एंड एक्रीडिटेशन कॉउंसिल (नैक) की ओर से ए प्लस ग्रेड प्राप्त है। इस महाविद्यालय की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होना एक विशेष उपलब्धि है।

बहनों और बेटियों के बिना संसार सूना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहनों और बेटियों के बिना संसार सूना है। महिलाओं का सम्मान सर्वोपरि है। आज भारत पूरे विश्व को महिला सशक्तिकरण का संदेश भी दे रहा है। देश के सर्वोच्च राष्ट्रपति पद पर जनजातीय समाज की बहन आसीन हैं। विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के सम्मान और सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। हमारे राष्ट्र की संस्कृति प्राचीन समय से महिलाओं के सम्मान के कारण जानी जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अध्यात्म के क्षेत्र में रहते हुए पूज्य सत्य साईं महाराज ने उच्च शिक्षा को भी प्रोत्साहित किया। उनकी प्रेरणा से भोपाल में इस महाविद्यालय की स्थापना और प्रगति आनंद का विषय है। कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमक्कड़ और अर्द्धघुमन्तु राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने विभिन्न प्रतिभाओं को पुरस्कृत किया। प्रगति प्रतिवेदन प्राचार्य डॉ. अर्चना श्रीवास्तव ने प्रस्तुत किया। महोत्सव में सत्य साईं संगठन पदाधिकारी निमिष पंड्या, जम्मू भंडारी आदि मौजूद रहे।

पिता की मौके पर ही मौत, बेटे की हालत गंभीर

तेज रफ्तार ट्राले ने बाइक सवार पिता-पुत्र को कुचला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में कल बाक सवार पिता-पुत्र को तेज रफ्तार ट्रेलर चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में पिता सच्चिदानंद की मौत हो गई वहीं बेटे की हालत गंभीर है। इस दुर्घटना के बाद आक्रोशित बरलिया गांव के ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर चक्काजाम शुरू कर दिया है जिससे रायगढ़-जशपुर मार्ग में वाहनों की लंबी कतार लग गई है।

इस हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। मिली जानकारी के मुताबिक रायगढ़ जिले के बरलिया गांव निवासी सच्चिदानंद साव और उसका पुत्र दीपक साव अपनी मोटर सायकल पर सवार को होकर पूजा सामग्री खरीदने रायगढ़ जा रहे थे। बाईक सवार पिता-पुत्र शाम करीब साढ़े 5 बजे जब उर्दना बेरियर के पास पहुंचे ही थे कि रायगढ़ की तरफ से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रेलर चालक ने तेज एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाईक सवार पिता-पुत्र को बुरी तरह कुचलते हुए घटना स्थल से फरार हो गया।

तत्काल दी गई पुलिस को जानकारी

अचानक घटी इस घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने सड़क हादसे की जानकारी तत्काल डायल 112 में दी जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने दोनों घायलों को रायगढ़ मेडिकल कालेज ले जाकर भर्ती कराया गया। जहां प्रारंभिक जांच में ही मौके पर मौजूद डाक्टरों ने सच्चिदानंद को मृत घोषित कर दिया वहीं उसके बेटे को भी गंभीर चोट आई है उसका उपचार जारी है। सड़क हादसे में सच्चिदानंद साव की मौत होने के बाद पीएम उपरांत आक्रोशित ग्रामीणों एवं परिजनों ने मृतक के शव को घटना स्थल पर रखकर 20 लाख रूपये मुआवजा के साथ-साथ परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग को लेकर चक्काजाम शुरू कर दिया। जिससे रायगढ़-जशपुर मार्ग में भारी वाहनों की लंबी कतार लग गई है।

घटना का सीसीटीवी फुटेज आया सामने

रायगढ़-जशपुर मार्ग में सड़क हादसे में बुजुर्ग की मौत हो जाने के बाद अब इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इस सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि आरोपी ट्रेलर चालक किस तरह लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाईक सवार पिता-पुत्र को कुचलकर आसानी से फरार हो जाता है।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में करीब 27 वर्ष बाद कमल खिला है। पूर्ण बहुमत से भाजपा की शानदार जीत हुई है, जबकि सत्ताधारी आम आदमी पार्टी को करारी हार मिली है। आप के बड़े नेता अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सतेन्द्र जैन, सौरभ भारद्धाज, सोमनाथ भारती, दुर्गेश पाठक, अवध ओझा, राखी बिड़लान आदि चुनाव हार चुके हैं। भाजपा 8 से 48 पर पहुंची है तो आप 62 से 22 पर सिमट गई है। 70 सीटों की विधानसभा वाली दिल्ली में सरकार बनाने के लिए 36 जादुई आंकड़ा है। बड़बौलेपन अरविंद केजरीवाल को दिल्ली की जनता ने नकार दिया है। इस हार के बाद आम आदमी पार्टी के राजनीतिक भविष्य पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा हो गया है। कांग्रेस एक बार फिर से जीरो साबित हुई, लेकिन उसने आप के 14 सीटों पर हारने में अहम भूमिका निभाई। अब भाजपा की अग्निपरीक्षा होगी। नए मुख्यमंत्री के चुनाव से लेकर सभी चुनावी वादे पूरे करने होंगे। भाजपा ने बिना चेहरा चुनाव लड़ा है। प्रवेश वर्मा, विजेंद्र गुप्ता, वीरेन्द्र सचदेवा व मनजिंदर सिंह सिरसा जैसे दिग्गज नेता सीएम की रेस में हैं। भाजपा के सामने वर्ष में दो मुफ्त सिलेंडर, केजी से पीजी मुफ्त शिक्षा, महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये, गर्भवती महिलाओं को 21 हजार, आयुष्मान योजना, झुग्गी बस्तियों में अटल कैंटीन में 5 रुपये में भोजन, 50 हजार सरकारी नौकरियां, 20 लाख स्वरोजगार, पंजीकृत श्रमिकों को 3 लाख लोन आदि संकल्पित वादे पूरे करने होंगे। पिछली आप सरकार की योजना मुफ्त बिजली, पानी व महिलाओं का बस में सफर को भी जारी रखने का वादा निभाना होगा। एलजी व सीएम के बीच का टकराव तो खत्म हो जाएगा, लेकिन भाजपा को काम करके दिखाना होगा। दिल्ली चुनाव का असर बिहार में भी देखने को मिलेगा। दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

गढ़ भी छूटा और सेनापति भी नहीं रहा

दिल्ली चुनाव
उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक

अरविंद केजरीवाल वह किला अब खो चुके हैं और उनके लिए चिंता की बात है कि खुद उनके साथ उनके सेनापति इस जंग में खेत रहे हैं। तो क्या यह मान लिया जाए कि आंदोलन से उपजी राजनीति के दौर का खात्मा तय है? अभी तो यह मान लेना कि आम आदमी पार्टी खत्म हो जाएगी, थोड़ी जल्दबाजी होगी। लेकिन अतीत के उदाहरणों को देखें तो साफ लगता है कि केजरीवाल के लिए राह अब आसान नहीं रही। आम आदमी पार्टी का जब गठन हुआ तो लोगों को उम्मीद थी कि उसके जरिए देश और उनकी जिंदगी में ऐसा प्रकाश फैलेगा, जिसमें उनके, उनकी संततियों और उनके देश का भविष्य उज्ज्वल होगा। राजनीति में आए केजरीवाल धीरे-धीरे जनाकांक्षा को भूलते गए।

मराठी की एक कहावत में गढ़ जीतने को अहम तो बताया गया है, लेकिन गढ़ की जंग में अगर सेनापति का बलिदान हो जाता है तो उस जीत को भी बड़ा नहीं माना जाता। इसी मराठी कहावत की तर्ज पर दिल्ली की सियासी जंग को अरविंद केजरीवाल के संदर्भ में देखें तो कह सकते हैं कि गढ़ तो गया ही, सिंह यानी सेनापति भी नहीं रहा। अलग तरह की वैकल्पिक राजनीति और उसके जरिए आम लोगों को खुशहाल और नए तरह के भविष्य का सपना दिखाकर राजनीति में आए अरविंद केजरीवाल के लिए दिल्ली विधानसभा में बहुमत एक तरह से गढ़ यानी किला ही था।

केजरीवाल के लिए राह कठिन

अरविंद केजरीवाल वह किला अब खो चुके हैं और उनके लिए चिंता की बात है कि खुद उनके साथ उनके सेनापति इस जंग में खेत रहे हैं। तो क्या यह मान लिया जाए कि आंदोलन से उपजी राजनीति के दौर का खात्मा तय है? अभी तो यह मान लेना कि आम आदमी पार्टी खत्म हो जाएगी, थोड़ी जल्दबाजी होगी। लेकिन अतीत के उदाहरणों को देखें तो साफ लगता है कि केजरीवाल के लिए राह अब आसान नहीं रही।

अण्णा हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के साथ उभरी आम आदमी पार्टी ने अलग तरह की राजनीति देने का वादा किया था। अण्णा के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन को लेकर लोगों को इतनी उम्मीदें थीं कि अण्णा का अनशन तो दिल्ली में हो रहा था, लेकिन उसके समर्थन में राजस्थान के रेतीले इलाकों में इक्का-दुक्का घरों के साथ बसी ढाणियों, झारखंड-छत्तीसगढ़ के सुदूर जंगलों, पानीपत से लेकर मोतिहारी, कच्छ से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक, शायद ही कोई शहर या गांव रहा होगा, जहां मोमबत्तियां न जली हों। ये मोमबत्तियां दरअसल नए भारत की अंजोरिया भरी राह का सपना थीं। आम आदमी पार्टी का जब गठन हुआ तो लोगों को उम्मीद थी कि उसके जरिए देश और उनकी जिंदगी में ऐसा प्रकाश फैलेगा, जिसमें उनके, उनकी संततियों और उनके देश का भविष्य उज्ज्वल होगा। इस उम्मीद और सपने को 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में दिल्ली की जनता ने भरपूर साथ दिया। पहली 54.3 प्रतिशत वोट और 67 सीटें तो दूसरी बार 53.57 प्रतिशत वोट और 62 सीटें देना एक तरह से बेहतर और चमकीले सपनीले भविष्य को लेकर जनाकांक्षाओं का उफान था। कभी बंगला और गाड़ी न लेने, वीआईपी कल्चर को न अपनाने के वादे के साथ राजनीति में आए केजरीवाल धीरे-धीरे इसी जनाकांक्षा को भूलते चले गए। दूसरे कार्यकाल में तो वे तानाशाह की तरह खुद को स्थापित करते गए। पंजाब में आम आदमी पार्टी की भारी जीत के बाद जैसे उनका खुद पर नियंत्रण नहीं रहा। आम आदमी पार्टी में सिर्फ उनकी ही चलती थी। लोकतंत्र का मुखौटा भी वहां नहीं रह गया था। वैसे भी आम आदमी पार्टी को पहली आर्थिक मदद देने वाले प्रशांत भूषण, वैचारिक आधार तैयार करने वाले योगेंद्र यादव और प्रोफेसर आनंद कुमार के साथ ही अपने साथी रहे कुमार विश्वास को पार्टी से पहले ही बाहर कर चुके थे। उनके शासन के आखिरी दिनों में जिस तरह स्वाति मालीवाल की मुख्यमंत्री के घर में ही पिटाई हुई, उसने अरविंद केजरीवाल के स्वभाव की एक तरह से कलई खोल दी। केजरीवाल ने अपने पहले कार्यकाल में बेशक अच्छे कार्य किए।

राजधानी में बढ़ता गया भ्रष्टाचार

मोहल्ला क्लीनिक का विचार दिया और उसे लागू किया। शिक्षा और स्वास्थ्य का बजट बढ़ाया, दो सौ यूनिट तक बिजली और एक सीमा तक पानी मुफ्त दिया। महिलाओं को फ्री में बस यात्रा की सहूलियत दी। लेकिन इसके साथ ही दिल्ली में भ्रष्टाचार बढ़ता गया। दो साल पहले के चुनाव में नगर निगम पर भी उनका कब्जा हो गया। इसके पहले दिल्ली की सफाई व्यवस्था के लिए नगर निगम पर अपना नियंत्रण ना होने का बहाना बनाते रहे थे, लेकिन अब वह बहाना भी नहीं रहा। फिर भी दिल्ली गंदी होती चली गई। दिल्ली की लाइफ लाइन मानी जाने वाली डीटीसी के बेड़े से बसें कम होती चली गईं। केजरीवाल के दौर में हवा-हवाई घोषणाएं खूब हुईं। इसकी वजह से उनसे फायदा लेने वाले लोग भी खुश नहीं थे। डीटीसी के कर्मचारियों, बसों में तैनात मार्शलों आदि को स्थायी नौकरियां देने का वादा कर चुके केजरीवाल उन्हें नौकरियां नहीं दे पाए।

पंजाब में किए वादे नहीं निभाए

2022 में पंजाब में हुए विधानसभा चुनाव में उन्होंने महिलाओं को हजार रुपये महीने देने का वादा किया था, लेकिन अब तक उन्हें यह रकम नहीं दे पाए। पंजाब रोडवेज की बसों में महिलाओं को फ्री सहूलियत देने के चलते पंजाब रोडवेज घाटे में है। इसकी वजह से महीनों तक कर्मचारियों को तनख्वाह नहीं मिल रही। इसका असर यह हुआ कि केजरीवाल से लोगों का भरोसा खत्म हो गया। पिछले दो चुनावों तक केजरीवाल नैरेटिव तैयार करते थे और उनके विपक्षी उसका जवाब देते थे। इस बार भी महिलाओं को 21 सौ रुपये महीने देने और उसके लिए उनके फॉर्म भरवाकर नैरेटिव स्थापित कर दिया था। लेकिन बाद में बीजेपी ने उनकी काट शुरू की। उसने अपना पंद्रह सूत्रीय संकल्प पत्र पेश किया। महिलाओं को 2500 रुपए महीने की सम्मान निधि देने और 200 की बजाय 300 यूनिट बिजली फ्री देने जैसे ऐलान किए। इसका असर वोटरों पर दिखा। इस बीच बीजेपी ने चुनाव प्रबंधन के लिए अपने सारे मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री उतार दिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता भी सक्रिय हुए। भारतीय जनता पार्टी ने बुनियादी स्तर पर अपने कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया, जिन्हें मनाने की जरूरत थी, उन्हें मनाया। केजरीवाल की पार्टी पस्त रही। खुद केजरीवाल भी हारे हैं, उनके विश्वस्त मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और राखी बिड़लान जैसे नाम चुनावी जंग में खेत रहे हैं।

कांग्रेस ने भी बिगाड़ा खेल

बीजेपी की जीत में कुछ हिस्सेदारी कांग्रेस की भी है। कांग्रेस को भले ही समर्थन नहीं मिला। कुछ एक जगहों को छोड़ दें तो उसके उम्मीदवार दूसरे स्थान पर भी नहीं रहे। लेकिन उसने केजरीवाल के भ्रष्टाचार और उनके बड़बोलेपन के खिलाफ माहौल बनाने में योग जरूर दिया। केजरीवाल के शीश महल का सवाल भले बीजेपी ने उठाया, लेकिन जिस आबकारी नीति घोटाले में केजरीवाल जेल गए थे, उसका भंडाफोड़ कांग्रेस के नेता अजय माकन ने ही किया था। जनता के बीच वे सादगी के साथ आए थे, इसलिए लोगों को उनका शीश महल स्वीकार नहीं हुआ। केजरीवाल ने चुनाव के आखिरी वक्त में एक और गलती कर दी। उन्होंने यह कहकर बीजेपी पर हमला बोला कि उसकी हरियाणा सरकार ने यमुना के पानी में जहर मिला दिया है ताकि दिल्ली वालों का नुकसान हो। इस बात को जनता स्वीकार नहीं कर पाई। दिल्ली में राजनीतिक माहौल बदल चुका है। अब बीजेपी के सामने जिम्मेदारियों की लंबी लिस्ट है। उसकी जिम्मेदारी है कि वह राजधानी को खुशहाल ही नहीं, पर्यावरण अनुकूल और साफ भी बनाए। केजरीवाल के लिए यह चिंतन का वक्त है। उनका गढ़ भी छिन गया है और सेनापति भी नहीं रहे। ऐसे में सेना का उठ खड़ा होना आसान नहीं, वे उठ पाएंगे या नहीं, उनकी राजनीति में बदलाव आएगा या नहीं, यह तो वक्त ही बता पाएगा।

अहंकार और रणनीतिक चूक से 'आप' हारी !

दो टूक
सुशील देव
वरिष्ठ स्तंभकार

आम आदमी पार्टी की विधानसभा चुनाव में हार ने भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है। यह हार केवल चुनावी गणित की वजह से नहीं हुई, बल्कि इसके पीछे कई गहरे कारण हैं, जो पार्टी की कार्यशैली, नेतृत्व की गलतियां और जनविश्वास की कमी को उजागर करते हैं। संगठन के स्तर पर भी आम आदमी पार्टी में वास्तविक कार्यकर्ताओं की उपेक्षा रही। आप की हार का एक बड़ा कारण उसका अहंकार और अति आत्मविश्वास रहा। जब कोई दल सत्ता में होता है, तो उसे जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना पड़ता है। आम आदमी पार्टी ने अपने शुरुआती दिनों में जनता से जो वादे किए थे, उन्हें निभाने में विफल रही। नाली, पानी, सड़क, सीवर एवं अन्य बुनियादी समस्याओं पर सही समय पर सही काम नहीं हुआ। इसके अलावा, संगठनात्मक रूप से पार्टी कमजोर पड़ गई। पुराने और अनुभवी साथियों की उपेक्षा तथा नए-नए लोगों को आगे बढ़ाने की नीति ने पार्टी की जड़ों को कमजोर किया। मतलब साफ है कि हार का एक और बड़ा कारण इसके कार्यकर्ताओं की अनदेखी रही। इससे पार्टी के जमीनी समर्थन में गिरावट आई। वहीं, प्रशासनिक स्तर पर भी कई फैसले ऐसे रहे जो जनता को प्रभावित नहीं कर सके। दिल्ली सरकार की शराब नीति, मुख्यमंत्री का शीश महल और केंद्र सरकार को हर नाकामी के लिए दोष देने की प्रवृत्ति ने जनता में नकारात्मक संदेश दिया। इससे केजरीवाल की 'कट्टर ईमानदार' छवि को गहरा धक्का लगा। हर बात पर केंद्र को कोसना, धीरे-धीरे जनता को काम न करने का बहाना लगने लगा। मुफ्त योजनाओं से आगे की सोच का अभाव दिखा। जैसे कि बिजली, पानी और बस यात्रा को मुफ्त करने जैसी योजनाएं शुरूआती दौर में आकर्षक थीं, लेकिन पार्टी इनसे आगे बढ़कर कोई ठोस विकास मॉडल प्रस्तुत नहीं कर पाई। भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता के आरोपों ने पार्टी की विश्वसनीयता को कमजोर किया। अन्ना आंदोलन से निकली इस पार्टी से जनता को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन समय के साथ यह उम्मीदें टूटती गईं। उनके विधायकों ने क्षेत्र के अंदर कोई कैडर तैयार नहीं किया। इस पार्टी ने बहुत जल्दी राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश करने की कोशिश की, जो एक बड़ी रणनीतिक भूल साबित हुई। जबकि पार्टी को पहले कुछ राज्यों में अपनी पकड़ मजबूत करनी चाहिए थी, लेकिन उसने सीधे केंद्र की राजनीति को लक्ष्य बनाया। इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर लगातार हमले करने की रणनीति भी कारगर नहीं रही। चाहे अनुभवों की कमी हो, या सही मागदर्शन का अभाव आम आदमी पार्टी की सरकार पर कई भ्रष्टाचार के आरोप लगे जो बड़ी किरकिरी साबित हुई। कई अवसरों पर स्वयं प्रधानमंत्री मोदी को केजरीवाल के द्वारा यह चुनौती देना कि इस जन्म में वे दिल्ली नहीं जीत सकते। यह सब बचकाना और अनुभवहीनता से जनता खुश नहीं होती थी। अब पार्टी का भविष्य क्या होगा। समय का चक्र ही बताएगा। लेकिन यह सही है कि आप के नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप भी हार का एक बड़ा कारण रहे। जहां तक दिल्ली में विपक्ष की भूमिका निभाने की बात है। आगे की राह भी आसान नहीं दिखती। जनता का खोया हुआ विश्वास वापस पाना पार्टी के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। कई नेता पार्टी छोड़ सकते हैं, जिससे संगठन और कमजोर हो सकता है। सच तो यह है कि केजरीवाल को अब सड़कों पर उतर कर फिर से आंदोलन करना पड़ सकता है। आम आदमी पार्टी को इस हार से सबक लेकर आत्ममंथन करने की जरूरत है। भाजपा ने जिस तरह आप की छवि को नकारात्मक रूप से प्रचारित किया, उसे सुधारने के लिए पार्टी को अपनी रणनीति बदलनी होगी। इस हार ने एक स्पष्ट संदेश दिया है कि राजनीति में टिके रहने के लिए सिर्फ वादे और मुफ्त योजनाएं ही काफी नहीं होतीं। जनता को स्थायी समाधान, पारदर्शिता और भरोसेमंद नेतृत्व चाहिए। आप को अपनी नीतियों और रणनीति पर गहन पुनर्विचार करने की जरूरत है, ताकि वह भविष्य में एक मजबूत राजनीतिक ताकत के रूप में उभर सके।

सत्ता की धुरी बनतीं महिला मतदाता

विमर्श
डॉ. मोनिका शर्मा
स्वतंत्र टिप्पणीकार व स्तंभकार

आम चुनावों से लेकर विधानसभा चुनावों तक आधी आबादी की सियासी लामबंदी स्पष्ट अब दिखने लगी है। राजधानी दिल्ली के विधानसभा चुनाव परिणामों में भी महिला वोटर्स के झुकाव का असर स्पष्ट नजर आया। 1998 से लेकर 2025 तक लंबे अर्से से सत्ता के बाहर रही बीजेपी की वापसी के पीछे भी महिला मतदाताओं ने अहम भूमिका निभाई है। 70 सीटों वाली दिल्ली विधानसभा में बीजेपी ने 48 सीटों के साथ स्पष्ट बहुमत हासिल किया है।

ध्यातव्य है कि दिल्ली में सरकार बनाने के लिए 36 सीटों पर जीत आवश्यक है। महिलाओं के लिए फ्री बस यात्रा से लेकर घरेलू मोर्चे पर मुफ्त पानी-बिजली देने वाली आम आदमी पार्टी के जादू को तोड़ने वाली यह जीत बीजेपी ने भी महिलाओं से लिए बहुत सी योजनाओं का वादा करके हासिल की है। असल में महिला मतदाताओं में बनती बुनियादी मुद्दों से जुड़ी सरोकारी समझ के साथ ही बढ़ता मतदान प्रतिशत भी सत्ता का खेल बनाने-बिगाड़ने वाला साबित होने लगा है।

आधी आबादी की वोटिंग ज्यादा

इस बार राजधानी दिल्ली की कुल 70 विधानसभा सीटों पर 60.54 प्रतिशत मतदान हुआ। चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में 94 लाख 51 हजार 997 लोगों ने वोट डाले। महिलाओं ने न केवल मतदान प्रक्रिया में काफी उत्साह दिखाया बल्कि कई विधानसभाओं में तो पुरुषों से अधिक मतदान किया। ज्ञात हो कि दिल्ली में कुल पंजीकृत महिला मतदाताओं की संख्या 72,36,560 और पुरुष वोटर्स का आंकड़ा 83,76,173 है। आधी आबादी की वोटिंग का आंकड़ा 60.92 फीसदी रहा। वहीं 60.20 प्रतिशत पुरुषों ने मतदान किया। 5 फरवरी को हुए मतदान में देश का पावर सेंटर कही जाने वाली राजधानी दिल्ली की कुल 70 विधानसभाओं को मिलाकर महिला-पुरुष वोटरों की तुलना में महिलाओं ने 0.72 प्रतिशत अधिक मतदान किया।

महिला वोटर्स को लुभाया

महिला वोटर्स की प्रभावी भागीदारी के चलते ही दिल्ली के चुनावी मैदान में उतरे सभी दलों की सहयोगी योजनाओं के केंद्र में आधी आबादी को लुभाने की खूब कवायद की। आर्थिक सहायता देने से लेकर मुफ्त सुविधाएं देने तक, महिलाओं के लिए बहुत सी घोषणाएं की गईं थीं। महिला मतदाताओं को रिझाने के प्रयासों की सबसे पहली कोशिश 10 साल के दिल्ली की बागडोर सम्भाल रही आम आदमी पार्टी ने की थी।

घोषणाएं राजनीति का हिस्सा

पहले भी महिला वोटर्स को मुफ्त सुविधाएं देकर सत्ता में आई आम आदमी पार्टी ने महिला सम्मान योजना के तहत दी जाने वाली राशि को इस बार 1000 रुपये से बढ़ाकर 2100 रुपये करने का निर्णय किया था। वहीं दिल्ली विधानसभा चुनाव-2025 में कांग्रेस ने भी आधी आबादी के लिए अपना पिटारा खोलने में कोताही नहीं की। ध्यातव्य है कि कभी दिल्ली की राजनीति में मजबूत उपस्थिति रखने वाली कांग्रेस पार्टी

पिछले दो विधानसभा चुनावों में अपना खाता तक नहीं खोल सकी है। ऐसे में चुनाव से पहले महिलाओं के लिए बड़ा ऐलान करते हुए कांग्रेस ने भी सत्ता में आने पर प्यारी दीदी योजना के तहत महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये देने का वादा किया था। साथ ही महंगाई मुक्ति योजना के तहत 500 रुपये में गैस सिलेंडर देने की बात भी कही थी। निःसंदेह, दोनों ही दलों की ऐसी योजनाएं महिलाओं को प्रभावित करने की राजनीति का हिस्सा थीं। वहीं 26 साल बाद दिल्ली की सत्ता में वापसी करने में सफल रही भारतीय जनता पार्टी ने भी महिलाओं को 2,500 रुपये की सम्मान राशि भी देने का ऐलान किया था। ज्ञात हो कि बीजेपी ने विधानसभा चुनाव जीतने पर 500 रुपये में एलपीजी सिलेंडर देने की भी घोषणा की थी। साथ ही घोषणाओं में विधवाओं, बेसहारा महिलाओं की पेंशन 2,500 से बढ़ाकर 3,000 रुपये करने और हर गर्भवती महिला को 21,000 रुपये दिये जाने की बात भी शामिल थी।

भाजपा पर जताया विश्वास

दिल्ली विधानसभा के परिणाम बताते हैं कि मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में महिलाओं को आर्थिक सहयोग देने वाली योजनाओं का सकारात्मक असर देख चुकी भारतीय जनता पार्टी के वादों पर फिर से महिला वोटर्स ने भरोसा किया है।

सजगता का प्रतीक

कहना गलत नहीं होगा कि महिलाओं का बढ़ता मतदान प्रतिशत योजनाओं और मुफ्त सुविधाओं की घोषणाओं से परे उनकी सजगता का भी प्रतीक है। देश की आधी आबादी अब राष्ट्र के नव-निर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने के इस अधिकार के मायने समझने लगी हैं। गौरतलब है कि इस बार सत्ता गंवाने वाली आम आदमी को 2020 में मिली जीत के पीछे भी महिला मतदाताओं की अहम भूमिका थी। वर्ष 2020 के चुनाव में 31 विधानसभा क्षेत्रों और साल 2015 में 15 विधानसभा क्षेत्रों में महिलाओं का मत प्रतिशत पुरुषों से ज्यादा था।

असल में अपने परिवेश के प्रति जागरूक होने के चलते स्त्रियां अब गंभीर और सजग वोटर्स बन गई हैं। महिला वोटर्स की इस जागरुकता के चलते राजनीतिक पार्टियां महिलाओं को उम्मीदवार बनाने में भी दिलचस्पी दिखाती हैं। वहीं मतदान का अधिकार महिलाओं को हर भेदभाव से परे एक नागरिक के रूप में बराबरी का अहसास करवाता है। समानता, सुरक्षा और अपना अस्तित्व संवारने हेतु सहज परिवेश पाने के लिए महिलाएं पूरे उत्साह से वोट देने निकलती हैं। नतीजतन, देश के राजनीतिक परिदृश्य में एक मतदाता के रूप में स्त्रियों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो गई है।

वोटिंग को लेकर महिलाएं सजग

विचारणीय है कि परंपरागत सामाजिक-पारिवारिक ढांचे वाले भारतीय समाज में स्त्रियाँ मतदान के मोर्चे स्वतंत्र राय भी रखने लगी हैं। 2014 के आम चुनावों के समय हुए 'सेंटर फॉर स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसायटी' के एक सर्वे के मुताबिक़ 70 फीसदी महिला मतदाता वोट डालने में अपने पतियों से राय लेने के बजाय स्वतंत्र निर्णय करती हैं। बीते एक दशक में तो यह आंकड़ा और बढ़ा ही है। स्त्रियां अपना मत देने को लेकर बेहद सजग हुई हैं। इतना ही नहीं, स्त्रियों में मतदान के प्रति कर्तव्य बोध का भाव भी खूब दिखता है। मतदान के अधिकार और कर्तव्य के मोर्चे पर महिला वोटर्स की बढ़ती भागीदारी व्यक्तिगत जीवन में ही नहीं सामाजिक, पारिवारिक और राजनीतिक मोर्चे पर भी सकारात्मक बदलाव की बानगी है। चुनावी खेल बदलने वाली यह भागीदारी बहुत से पहलुओं पर आ रहे परिवर्तन को सामने रखती है।

घोटालों ने डुबाई 'आप' की नैया

विश्लेषण
योगेश कुमार सोनी
वरिष्ठ पत्रकार

आखिरकार दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बन ही गई और 27 सालों का सूखा खत्म हुआ। राजधानी की जीत हर राज्य से बड़ी जीत मानी जा रही है चूंकि बीते दशकभर में बीजेपी केंद्र के अलावा कई राज्यों में सरकार बनाने में कामयाब हुई लेकिन यहां मोदी लहर के बावजूद भी केजरीवाल दिल्ली में सत्ता पर काबिज रहे। बीजेपी ने 70 में से 48 सीटों पर कब्जा किया और आम आदमी पार्टी को केवल 22 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा और कांग्रेस इस बार भी शून्य पर रही।

मोदी पर जताया विश्वास

माना यह भी जा रहा था कि यदि इस बार दिल्ली में बीजेपी की सरकार नहीं बनती तो बीजेपी के सम्मान को ठेस व छवि पर बड़ा डेन्ट पड़ जाता। लेकिन इस बार दिल्ली को बीजेपी के रूप में डबल इंजन की सरकार मिल गई और जनता ने मोदी के चेहरे पर विश्वास किया। जैसा कि बीजेपी अंत तक सीएम चेहरे की घोषणा नहीं करती तो दिल्ली को लेकर भी वही रणनीति अपनाई और कामयाब भी हुए। आम आदमी पार्टी की स्थिति इतनी दयनीय हुई कि चोटी के नेता भी अपनी सीट बचाने में कामयाब नहीं हो पाए।

यदि सबसे पहले आप संयोजक व पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की बात करें तो वह भी नई दिल्ली से प्रवेश वर्मा से हार गए। वहीं पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को भी हार का सामना करना पड़ा, वह जंगपुरा से लड़े थे। सतेन्द्र जैन, सोमनाथ भारती, सौरभ भारद्वाज व दुर्गेश पाठक समेत कुछ अन्य बड़े चेहरे भी अपनी सीट नहीं बचा पाए। हालांकि मौजूदा सीएम आतिशी ने अपनी सीट जीतकर थोड़ी सी साख बचा ली। लेकिन अब आम से लेकर खास तक के मन में एक ही प्रश्न है जिस पार्टी ने दो बार पूर्ण बहुमत से रिकॉर्डतोड़ जीत हासिल की थी, आखिर उसका किला इतनी बुरी तरह क्यों ढह गया।

शराब घोटाले का लगा दाग

वैसे तो कई कारण रहे लेकिन कुछ मुख्य वजहों से आम आदमी पार्टी की स्थिति खराब होती चली गई। सबसे पहली व बड़ी वजह शराब नीति बनी जिसकी वजह से दिल्लीवासियों ने अपने आप को बहुत ठगा व कुंठित महसूस किया। शराब नीति के तरह दिल्ली के हर एक वार्ड में तीन शराब के ठेके खोले गए थे और वह उन जगहों में खोले गए जो कॉलोनी के बीचोंबीच थे। इस बात से जनता बहुत नाराज हुई थी। मामला यहां तक पहुंच गया था कि आप अपने दामन पर लगे शराब घोटाले के दाग को छुड़ा नहीं पाई। बीजेपी ने पिछले तीन साल में इस मुद्दे पर जमकर घेरा। हालात यह थी कि इस मामले में अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और राज्य सभा सांसद संजय सिंह को जेल जाना पड़ा।

जल बोर्ड घोटाला भी बना मुद्दा

बीजेपी इस मुद्दे को लेकर लगातार प्रदर्शन करती रही और घेरती रही। बीजेपी नेताओं ने इस मुद्दे को गर्म रखा और हर जगह इस घोटाले की चर्चा करते रहे। इसके अलावा दिल्ली जल बोर्ड घोटाला ने भी आप को परेशान किया। इस मामले

में ठेकेदारों से पैसे वसूलने के लिए ठेकों को कम पैसे पर छोड़ने का आरोप लगा था। इस मामले की जांच अब तक ईडी कर रही है। अरविंद केजरीवाल इस मामले में भी आरोपी हैं।

इसके अलावा बीते लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन करना भी आम आदमी पार्टी को भारी पड़ा और हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में गठबंधन नहीं हुआ तो आप-कांग्रेस के नेता एक-दूसरे पर आरोप लगाते नजर आए, जैसा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच ज्यादा समय नहीं था तो जनता बातों को भूल भी नहीं पाई।

आप विधायकों ने छोड़ा साथ

इससे जनता में अविश्वास बढ़ा। साथ ही बीजेपी के लिए सोने पर सुहागा इसलिए भी हो गया कि दिल्ली में जब चुनाव प्रचार चरम पर था तो आम आदमी पार्टी के सात विधायक पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए थे।

इससे पहले आप के कई कैबिनेट मंत्री भी पार्टी का साथ छोड़कर दूसरी पार्टियों में शामिल हो गए थे। इनमें कैलाश गहलोत और राजेंद्र पाल गौतम मुख्य माने जा रहे थे।

बता दें कि ये दोनों नेता कभी 'आप' के मुख्य चेहरा हुआ करते थे। इस बात का भी असर आप के चुनाव परिणाम पर पड़ा।

स्वाति मालीवाल का पिटाई कांड

आम आदमी पार्टी लोगों में यह धारणा बना पाने में नाकाम रही कि पार्टी में सबकुछ ठीक-ठाक है और वहां नेतृत्व का कोई संकट नहीं है लेकिन सच्चाई सबको पता चल गई। स्वाति मालीवाल के पिटाई कांड से भी पार्टी को बड़ी क्षति हुई और उस कांड के बाद स्वाति ने अपनी पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और पार्टी की आंतरिक बातों को बाहर उजागर करना शुरू कर दिया। बीते लगभग 6 महीने से स्वाति मालीवाल ने अपनी ही पार्टी के खिलाफ एक मुहिम सी छेड़ दी जिससे पार्टी के कुछ अन्य नेताओं का भी विश्वास टूटा, साथ ही जनता में एक बड़ा नकारात्मक संदेश गया और पार्टी को बड़े स्तर पर नुकसान हुआ। वहीं इस चुनाव में कांग्रेस भले ही कोई सीट नहीं जीत पाई हो लेकिन वह अपना वोट फीसदी बढ़ा पाने में कामयाब रही है। कांग्रेस को 2020 के चुनाव में 4.26 फीसदी वोट मिले थे और इस बार लगभग 7 प्रतिशत वोट मिले।

कांग्रेस को जितना भी वोट प्रतिशत बढ़ा वो आम आदमी पार्टी का ही माना जा रहा है। इन तमाम बड़े मुद्दों को बीजेपी ने जमकर भुनाया और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नारे ने कई 'बंटोगे तो कटोगे' के नारे से कई राज्यों में बीजेपी को जीत में मदद मिली। दिल्ली में योगी के इस नारे का जादू चला और योगी ने कुल 14 विधानसभा सीटों पर प्रचार किया था जिसमें से 11 सीटों पर जीत मिली है।

भाजपा का आक्रामक प्रचार

वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व केन्द्रीय गृहमंत्री के अलावा भाजपा शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ कई बड़े चेहरों ने जमकर प्रत्याशियों के लिए प्रचार किया।

इस बार भाजपा की ओर से बहुत पहले से ही माहौल बना हुआ था और जिस ऊर्जा के साथ लड़ रहे थे उससे यह तो तय हो गया था कि इस बार खेल बड़ा होगा। बीजेपी ने दिल्ली तो जीत ली लेकिन दिल्ली वालों का दिल जीतना अभी भी बाकी है। चूंकि पार्टी ने आम आदमी पार्टी के तर्ज पर जितनी बड़ी घोषणाएं की हैं उसको पूरा करना व निभाना बेहद चुनौतीपूर्ण होगा चूंकि बीजेपी अब तक भी आप को फ्री की योजनाओं को लेकर घेरती रही। अब बीजेपी के लिए भी खेल गुणवत्ताओं पर चलेगा चूंकि दावों और वादों की झड़ी बहुत ज्यादा व बड़ी है।

दिग्गजों के बोल

कांग्रेस साथ देती तो नहीं हारती आप

भाजपा ने आम आदमी पार्टी (आप) के गढ़ दिल्ली में उसे हराकर अरविंद केजरीवाल को तगड़ा झटका दिया है। आप की हार पर शिवसेना यूबीटी ने भी प्रतिक्रिया दी है। शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने भी कांग्रेस और आप की लड़ाई को हार के लिए जिम्मेदार बताया। कहा कि कांग्रेस साथ देती तो आम आदमी पार्टी नहीं हारती।

और लड़ो आपस में! समाप्त कर दो एक-दूसरे को!

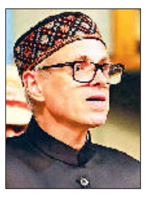

दिल्ली चुनाव के नतीजों पर आप आदमी पार्टी की हार पर राजनीतिक जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बड़ी ही दिलचस्प प्रतिक्रिया दी है। उमर ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि 'और लड़ो आपस में!' अब्दुल्ला ने एक जीआईएफ भी साझा किया है, जिसमें लिखा है कि 'जी भर कर लड़ो, समाप्त कर दो एक दूसरे को!'

भाजपा को जिताने के लिए राहुल को बधाई

कांग्रेस के कमजोर प्रदर्शन पर तंज कसते हुए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने भाजपा को कथित तौर पर जीत दिलाने के लिए राहुल गांधी को बधाई दी। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में रामा राव ने कहा, 'भाजपा को एक बार फिर चुनाव जिताने के लिए राहुल गांधी को बधाई। बहुत अच्छा।

अहंकार रावण का भी नहीं बचा था...

राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल का एक सोशल मीडिया पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। स्वाति मालीवाल ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर की है। इसमें हिंदू महाकाव्य महाभारत से द्रौपदी के 'चीरहरण' को दिखाया गया है। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी कहा कि रावण का अहंकार भी नहीं बचा था।

हम प्राथमिकता से वादों को पूरा करेंगे

भाजपा के प्रवेश वर्मा ने कहा कि मैं नई दिल्ली के मतदाताओं, लाखों मेहनती कार्यकर्ताओं और पीएम नरेंद्र मोदी का शुक्रिया अदा करता हूं। यह उनकी जीत है। लोगों ने उन पर भरोसा जताया है। हमारी प्राथमिकता महिलाओं को 2500 रुपए देना, भ्रष्टाचार की जांच के लिए एसआईटी बनाना, यमुना रिवरफ्रंट, प्रदूषण कम करना, ट्रैफिक जाम कम करना होगी। हम प्राथमिकता से वादों को पूरा करेंगे।

केजरीवाल का चैलेंज-इस जन्म में तो नहीं...

भाजपा की रिकॉर्ड जीत के बाद आप का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।आप की हार के बाद आप प्रमुख केजरीवाल का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे अपनी पार्टी की जीत का दावा कर रहे थे। इस वीडियो में वे मंच से पीएम मोदी को चैलेंज कर रहे थे कि इस जन्म में पीएम मोदी उन्होंने नहीं हरा सकते।

पहली कैबिनेट में एसआईटी गठित होगी

दिल्ली में भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में भाजपा की सरकार बनते ही पहली कैबिनेट में ही एसआईटी का गठन होगा। सभी घोटालों की जांच होगी। माना जा रहा है एक बार फिर अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। वे जेल भी जा सकते हैं।

निर्लज्ज, आत्ममुग्ध व्यक्ति पर क्या संवेदना

दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप की करारी हार के बाद मशहूर कवि और कभी आप नेता रहे कुमार विश्वास ने अरविंद केजरीवाल को खरी-खोटी सुनाई है। विश्वास ने कहा कि आप के लाखों और करोड़ों कार्यकर्ता, जिनके बहुत ही निश्छल, निष्पाप और भारत की राजनीति को बदलने के बड़े सपने की हत्या एक निर्लज्ज, आत्ममुग्ध व्यक्ति ने की उसके प्रति क्या ही संवेदना रखना।

100वीं सफल विफलता, न बहू न ही बहुमत

परेश रावल ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया पोस्ट में राहुल गांधी की फोटो शेयर की गई, जिसमें लिखा, राहुल गांधी मानव इतिहास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने से कुछ घंटे दूर हैं- 100वीं सफल असफलता। रावल ने लिखा, एक मां का दर्द समझो। ना बहू मिलती हैं और ना ही बहुमत मिलता हैं।

सबको सदैव बेवकूफ नहीं बना सकते

भाजपा स्पष्ट बहुमत के साथ दिल्ली में सरकार बनाएगी। इस पर पार्टी की पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता नूपुर शर्मा की भी प्रतिक्रिया आई है। शर्मा ने वोट डालने के बाद स्याही लगी उंगली की तस्वीर शेयर की है। साथ ही एक्स पर शनिवार को की गई पोस्ट में लिखा है कि आप कुछ समय के लिए सभी लोगों को बेवकूफ बना सकते हैं और कुछ लोगों को हर समय बना सकते हैं, लेकिन आप सभी लोगों को हर समय बेवकूफ नहीं बना सकते। शर्मा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पोस्ट को भी री-पोस्ट किया, जिसमें लिखा है, दिल्लीवासियों ने बता दिया कि जनता को बार-बार झूठे वादों से गुमराह नहीं किया जा सकता। जनता ने अपने वोट से गंदी यमुना, पीने का गंदा पानी, टूटी सड़कें, ओवरफ्लो होते सीवरों और हर गली में खुले शराब के ठेकों का जवाब दिया है।

राजधानी दिल्ली में खिला है भाजपा का कमल

कौन बनेगा मुख्यमंत्री... प्रवेश, विजेंद्र सतीश रेस में चल रहे हैं सबसे आगे

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली में भाजपा की प्रचंड जीत के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि दिल्ली में मुख्यमंत्री कौन बनेगा? देखा जाए तो भाजपा में सीएम पद के कई दावेदार हैं। सीएम चेहरे का चुनाव करते समय बीजेपी जातिगत और क्षेत्रीय संतुलन साधने की कोशिश करेगी। सूत्रों की मानें तो मुख्यमंत्री का चुनाव विधायकों में से ही होने की संभावना है। सीएम की रेस में सबसे पहला नाम प्रवेश वर्मा का है। उन्होंने नई दिल्ली सीट से अरविंद केजरीवाल को हराया है।

खास बातें

- आप पार्टी को मिली है करारी शिकस्त
- भाजपा ने लंबे अरसे बाद दिल्ली जीती
- केजरीवाल को हराने के कारण प्रवेश फिलहाल सबसे आगे

प्रवेश वर्मा

प्रवेश वर्मा के पास राजनीतिक अनुभव भी है और इससे पहले वह दो बार सांसद रह चुके हैं।बाहरी दिल्ली से होने के बावजूद प्रवेश वर्मा ने नई दिल्ली में अपनी ताकत दिखाई। वे पूर्व सीएम साहिब सिंह वर्मा के बेटे हैं। वर्मा केवल दिल्ली के प्रमुख युवा चेहरों में ही शामिल नहीं हैं, बल्कि जाट सीएम बनाने से ग्रामीण दिल्ली, पश्चिमी यूपी, हरियाणा और राजस्थान के जाट वोटरों में संदेश जाएगा. वोटिंग और जीत के बाद उन्होंने अमित शाह से मुलाकात की।

विजेंद्र गुप्ता

भाजपा का वैश्य चेहरा विजेंद्र गुप्ता दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष रह चुके हैं। आप की लहर के बावजूद उन्होंने पिछले दोनों विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की थी। 2015 में जब दिल्ली विधानसभा में केवल 3 विधायक थे तो उनमें से एक विजेंद्र गुप्ता थे। इसके बाद 2020 के विधानसभा चुनावों में भी उन्होंने अपनी सीट बचाए रखी। वह दो बार दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रह चुके हैं। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभाते हुए दिल्ली की समस्याओं को बेहतर तरीके से समझते भी हैं।

जितेंद्र महाजन

रोहतास नगर से लगातार तीसरी बार चुनाव जीते जितेंद्र महाजन आरएसएस के करीबी हैं और वैश्य समुदाय से आते हैं। उन्होंने इस बार भी आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार सरिता सिंह को बड़े मतों के अंतर से शिकस्त दी। वे डार्क हॉर्स साबित हो सकते हैं।

सतीश उपाध्याय

सतीश उपाध्याय भाजपा का ब्राह्मण चेहरा हैं। वो भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। इसके अलावा वे दिल्ली युवा मोर्चा के अध्यक्ष, एनडीएमसी के उपाध्यक्ष रहे हैं। प्रशासनिक अनुभव के साथ-साथ वह संगठन में भी कई जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। उपाध्याय मध्य प्रदेश के सह प्रभारी रहे हैं और संघ में भी उनकी गहरी पकड़ है।

आशीष सूद

आशीष सूद भाजपा का पंजाबी चेहरा हैं। जनकपुरी से विधायक चुने गए सूद पार्षद भी रहे हैं। इसके अलावा दिल्ली भाजपा के महासचिव रहे और वर्तमान में गोवा के प्रभारी और जम्मू-कश्मीर के सह प्रभारी हैं। केंद्रीय नेताओं से उनके करीबी रिश्ते हैं। डीयू के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

दिल्ली में इन चर्चाओं ने **पकड़ा जोर**

जहां पीएम मोदी ने किया था प्रचार वहां भाजपा को जबरदस्त 'फायदा'

इस चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी का प्रभाव भी देखने को मिला है। दरअसल, पीएम ने जहां-जहां प्रचार किया है, वहां भाजपा ने अधिकतर सीटों पर बाजी मार ली है। फिर चाहे वह पूरे जिले की बात हो या विधानसभा सीटों की। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रचार का सबसे बड़ा चेहरा खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रहे। पीएम मोदी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव का बिगुल तो काफी पहले फूंक दिया था, लेकिन अंतिम समय में उन्होंने दिल्ली के कुछ और जिलों को कवर करने की कोशिश की। दिल्ली के कुल 11 जिलों में से पीएम मोदी ने चार जिले उत्तर-पश्चिम दिल्ली, पूर्वोत्तर दिल्ली, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली और नई दिल्ली जिले में प्रचार किया।

उत्तर दिल्ली

पीएम मोदी ने सबसे पहले दिल्ली विधानसभा चुनाव का बिगुल इसी क्षेत्र से फूंका था। प्रधानमंत्री ने यहां 3 जनवरी को पहली रैली उत्तर दिल्ली के रोहिणी में की थी। जिले में 8 विधानसभा सीटें हैं। इनमें रोहिणी के अलावा आदर्श नगर, बादली, बवाना, मॉडल टाउन, नरेला, शकूर बस्ती और वजीरपुर की सीटें शामिल हैं।

उत्तर-पूर्व दिल्ली

भाजपा के लिए प्रधानमंत्री मोदी की अगली रैली 29 जनवरी को पूर्वोत्तर दिल्ली के घोंडा में हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने इसके जरिए 5 सीटों को कवर करने का प्रयास किया। इन सीटों में घोंडा के अलावा गोकलपुर, करावल नगर, मुस्तफाबाद और सीलमपुर की सीट शामिल रहीं। यहां अधिकतर सीटों पर भाजपा ने विजय दर्ज की।

दक्षिण पश्चिम

प्रधानमंत्री मोदी की अगली रैली 31 जनवरी को दक्षिण पश्चिम दिल्ली क्षेत्र में आयोजित की गई । प्रधानमंत्री मोदी ने यहां द्वारका सीट पर चुनाव प्रचार के जरिए सात सीटों पर भाजपा को जीत दिलाने की कोशिश की। इनमें द्वारका के अलावा बिजवासन, मटियाला, नजफगढ़, पालम, उत्तम नगर और विकासपुरी की सीटें शामिल थीं।

नई दिल्ली

पीएम मोदी के चुनाव प्रचार के दौरान आखिरी रैली नई दिल्ली जिले में हुई। पीएम ने यहां के आरके पुरम विधानसभा क्षेत्र में जनता को संबोधित कर जिले की छह अन्य सीटों को साधने की तैयारी की। इनमें दिल्ली कैंट, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली, पटेल नगर, आरके पुरम और राजेंद्र नगर सीट पर प्रभाव छोड़ने की कोशिश की।

राहुल-प्रियंका ने भी किया प्रचार, लेकिन...

कांग्रेस का खाता तक नहीं खुला

दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का हाल बीते दो चुनावों की कहानी दोहरा रहा है। फिलहाल पार्टी का राजधानी में खाता भी खुलता नहीं दिख रहा है। ऐसे में दिल्ली में कांग्रेस के चुनाव प्रचार की तैयारियों को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। कई लोगों ने स्टार चेहरों के प्रभाव के बेअसर होने की बात कही है। कांग्रेस के दो प्रमुख नेताओं-राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने कई रैलियां की हैं।

दोनों ने 11 रैलियां की थी

राहुल ने प्रचार की शुरुआत 13 जनवरी को ही कर दी थी। उन्होंने सबसे पहले पूर्वोत्तर दिल्ली (5 सीट) के सीलमपुर से चुनाव प्रचार की शुरुआत की। वहीं, प्रियंका गांधी वाड्रा ने 31 जनवरी को चुनाव के लिए पहली रैली की। दोनों ने दिल्ली के 6 जिलों में 11 रैलियां कीं। इनमें सबसे ज्यादा तीन रैलियां उत्तर दिल्ली में कीं। वहीं, पश्चिम दिल्ली में दो, मध्य दिल्ली में दो, पूर्वोत्तर दिल्ली में दो, शहादरा और पश्चिम दिल्ली में एक-एक रैली शामिल रही।

पीएम ने जिसके 3 बार छुए पैर, मार लिया मैदान

पीएम मोदी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में अंतिम दौर के प्रचार के दौरान एक भाजपा प्रत्याशी के पैर छुए थे। 29 जनवरी को करतार नगर में हुई इस 'संकल्प रैली' में पीएम मोदी के इस अंदाज ने खूब सुर्खियां बटोरी थी। उस शख्स की भी खूब चर्चा हुई थी, जिसके पैर पीएम मोदी ने छुए थे। पीएम मोदी ने जिस शख्स के पैर छुए थे, वह पटपड़गंज से भाजपा के प्रत्याशी रविंद्र सिंह नेगी थे। नेगी को जब मंच पर बुलाया गया तो उन्होंने सबसे पहले पीएम मोदी के पैर छुए। इसी के जवाब में पीएम मोदी ने तीन बार नेगी के पैर छुए थे। रविंद्र नेगी के सामने पटपड़गंज में बड़ी चुनौती थी। उनके सामने सोशल मीडिया पर फैमस और यूपीएससी एग्जाम की तैयारी करने वाले ओझा थे।

28 हजार मतों से जीते : पटपड़गंज की सीट जीतना नेगी के लिए आसान तो नहीं था लेकिन आप के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर में वे ओझा से पार पा गए। उन्होंने अवध ओझा को 28,072 मतों के विशाल अंतर से मात दी। उल्लेखनीय है कि पिछली बार रविंद्र सिंह नेगी ने इसी सीट पर मनीष सिसोदिया को कड़ी टक्कर दी थी।

मोदी की गारंटी की तोप चली, तिनका क्या पूरी झाड़ू ही बिखरी

दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार भाजपा के प्रमुख चेहरा पीएम मोदी का जादू सिर पर चढ़कर बोला। भाजपा को पटखनी देने का दम भरने वाली आम आदमी का सूपड़ा साफ हो गया। कांग्रेस को एक बार फिर मुंह की खानी पड़ी है और उसका खाता अब तक नहीं खुला है इस तरह कांग्रेस का यह तीसरी बार शून्यपर आउटच होने का बड़ा रिपकॉर्ड ही बन गया। यहां बड़ा सवाल यह है कि आखिर पर्दे के पीछे वो कौन लोग या कारण थे, जिन्होंने इस चुनाव में बड़ा खेला किया

भाजपा ने मध्यम वर्ग को लुभाया

दिल्ली का मध्यम वर्ग आप से नाराज है। उसने इस बात का फायदा उठाते हुए मिडिल क्लास को सांत्वना देते हुए उनके साथ खड़े होने का मजबूती से वादा किया।

सुविधाओं की कमी

आप ने जनता की जरूरतों की उपेक्षा की। अपना हित साधने में जुटी रही। जनता काफी परेशान हो गई।

रेवड़ियों से नाराज हुआ मिडिल क्लास

आप का जब 2012 में गठन हुआ तो उसने अपनी छवि इस तरह की बनाई थी जैसे वह आम आदमी यानी मिडिल क्लास की पार्टी है। आप ने भ्रष्टाचार की बात की, महिला सुरक्षा की बात की और महंगाई की बात करके मिडिल क्लास के बीच अपनी पैठ बनाई। आम आदमी का चेहरा जल्दी ही धूमिल हो गया, जब उसने खुद को सिर्फ गरीबों की पार्टी के रूप में पेश कर दिया और रेवड़ियां बांटना शुरू कर दिया।

मीम्स की नजर में दिल्ली चुनाव

सुकून के साथ कांग्रेस देखती रही चुनावी संग्राम

अरे, देखो कहां तक पहुंचे नतीजे?

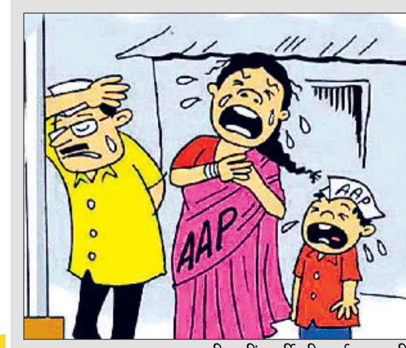

कहा था न... शराब घर ही नहीं पार्टी भी बर्बाद करती है

बहुत बेआबरू होकर तेरे कूचे से हम निकले

अब जाके आया मेरे बेचैन दिल को करार...

जीरो चेक कर लो सर...

बंगाल की भी बारी आएगी

अयोध्या की मिल्कीपुर सीट पर भाजपा की बड़ी जीत, 'बड़बोले' अवधेश के बेटे अजीत हारे

एजेंसी ▶▶| मिल्कीपुर (अयोध्या)

आम तौर पर उपचुनावों में वोटरों का उत्साह ठंडा रहता है, लेकिन मिल्कीपुर ने मतदान का इतिहास रच दिया है। 1967 में यह सीट अस्तित्व में आई थी। अब यहां हुए 15 चुनावों में इस बार सर्वाधिक मतदान हुआ है। 2022 के आम चुनाव के मुकाबले भी यह आंकड़ा 5फीसदी अधिक है। 31वें राउंड की समाप्ति तक चंद्रभानु पासवान को 1 लाख 46 हजार 397 वोट मिले, जबकि अजीत प्रसाद को 84 हजार 687 वोट मिले। चुनाव आयोग की वेबसाइट के मुताबिक अंतिम 31वें राउंड की समाप्ति में चंद्रभानु ने 61 हजार 710 वोट से जीत दर्ज की है। पासवान ने जीत का प्रमाण पत्र लिया। उन्होंने सपा के अजीत प्रसाद को हराया है। इस पर भाजपा कार्यालय में जश्न का माहौल है। पासवान की संभावित जीत पर नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बधाई दी। भाजपा कार्यालय पर ढोल नगाड़े के बीच रंग और गुलाल उड़े।

लोकसभा में पटखनी खाने पर भाजपा ने लिया सबक

जून में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा को फैजाबाद सीट पर हार का सामना करना पड़ा था। यह वही सीट थी जहां अयोध्या में राम मंदिर बनाया गया है। वहां से भाजपा का हारना एक बड़ी राजनीतिक घटना साबित हुई। इस जीत के बाद भाजपा ने सबक लिया। राम मंदिर दर्शन करने की लगाई गई कई पांबंदियों को हटाने के साथ-साथ लोकल स्तर पर नाराजगी दूर करने की कोशिश की गई।

भाजपा के पासवान ने मिल्कीपुर विधान सभा उप चुनाव 61.710 वोटों से जीता।

भाजपा की जीत की 5 बड़ी वजहें

उत्तर प्रदेश की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा ने समाजवादी पार्टी को बड़े अंतर से हरा दिया। यह जीत भाजपा के लिए खास मायने रखती है, क्योंकि लोकसभा चुनाव में फैजाबाद सीट पर पार्टी को हार का सामना करना पड़ा था। मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव में जीत सपा और भाजपा दोनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण थी। इस उपचुनाव में भाजपा की जीत और सपा की हार के पीछे कई महत्वपूर्ण कारण सामने आए।

बूथ स्तर पर पकड़ मजबूत की

- इस उपचुनाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सक्रियता भाजपा के लिए गेमचेंजर साबित हुई। चुनाव की घोषणा से पहले ही योगी ने अयोध्या और मिल्कीपुर में कई दौरे किए और सरकार की योजनाओं का लाभ जनता तक पहुंचाने का काम किया। उन्होंने चुनाव प्रचार में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और मतदाताओं को सीधे साधने में सफल रहे।
- **बेहतर चुनावी रणनीति और बूथ मैनेजमेंट** भाजपा ने इस उपचुनाव में बूथ स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी। पार्टी ने हर बूथ पर कार्यकर्ताओं की विशेष टीम तैनात की, जो मतदाताओं तक सीधे पहुंचने में सफल रही। पिछली बार जिन बूथों पर भाजपा को अपेक्षाकृत कम वोट मिले थे, उन पर विशेष ध्यान दिया गया। इस प्रभावी चुनावी रणनीति ने पार्टी को बढ़त दिलाई।
- सपा की कमजोर रणनीति और नेतृत्व की कमी जहां भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी, वहीं सपा चुनाव प्रचार में पिछड़ती नजर आई। पार्टी का नेतृत्व इस सीट को लेकर उतना सक्रिय नहीं दिखा, जितना भाजपा दिखी। अखिलेश यादव ने इस चुनाव में व्यक्तिगत रूप से ज्यादा ध्यान नहीं दिया, जिससे सपा कार्यकर्ताओं में भी जोश की कमी देखी गई।
- जातीय समीकरणों को भाजपा ने बेहतर साधा लोकसभा चुनाव के दौरान पासी और दलित वोटों का बड़ा हिस्सा सपा के पक्ष में चला गया था। लेकिन इस बार भाजपा ने खुद पासी समुदाय से उम्मीदवार उतारा, जिससे यह समीकरण भाजपा के पक्ष में आ गया। वहीं, ओबीसी और सवर्ण मतदाता पहले से ही बीजेपी के साथ बने हुए थे, जिससे सपा की हार सुनिश्चित हो गई।
- भाजपा ने इस चुनाव में पीएम मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विकास योजनाओं को केंद्र में रखा। राम मंदिर, सड़क निर्माण, बिजली, पानी और रोजगार जैसी योजनाओं का उल्लेख कर मतदाताओं को अपने पक्ष में किया।

अलर्ट : 6 माह में 25 से ज्यादा स्मॉलकैप फंड ने कराया 10-19% तक नुकसान

ज्यादातर ट्रेडिंग सेशन में स्टॉक मार्केट पर दबाव दिखा ● सेंसेक्स और निफ्टी अपने पीक से 10% से ज्यादा कमजोर बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स 6 महीनों में 11 फीसदी कमजोर ● मिडकैप इंडेक्स इस साल 8 फीसदी कमजोर हुआ

बिजनेस डेस्क

इस बार स्मॉलकैप स्टॉक में गिरावट के चलते स्मॉलकैप फंड के शॉर्ट टर्म रिटर्न पर असर पड़ा है। 6 महीने में 25 से ज्यादा स्मॉलकैप फंड ऐसे हैं, जिनमें 10 से 19% तक की गिरावट दर्ज की गई है। सितंबर में पीक बनाने के बाद से अब तक ज्यादातर ट्रेडिंग सेशन में स्टॉक मार्केट पर दबाव देखने को मिला है। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों इंडेक्स अपने पीक से 10 फीसदी से ज्यादा कमजोर हुए हैं। इस साल अभी बाजार में गिरावट जारी है। हालांकि बिकवाली का सबसे ज्यादा असर स्मॉलकैप सेग्मेंट में देखने को मिल रहा है। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स बीते 6 महीनों में 11 फीसदी कमजोर हुआ है। इस साल भी इंडेक्स में करीब 11 फीसदी ही गिरावट है। फिलहाल स्मॉलकैप शेयरों में बिकवाली का असर स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड में एसआईपी रिटर्न भी दिख रहा है।

इक्विटी मार्केट की बात करें तो बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स इस साल अबतक करीब 11 फीसदी कमजोर हुआ है। वहीं, 6 महीने में भी इसमें इतनी ही गिरावट रही है। जो अन्य प्रमुख इंडेक्स के मुकाबले सबसे ज्यादा है। इस साल अबतक सेंसेक्स में 1.65 फीसदी और निफ्टी में 1.50 फीसदी गिरावट रही है। मिडकैप इंडेक्स इस साल 8 फीसदी कमजोर हुआ है तो बीएसई 500 इंडेक्स में 4.5 फीसदी गिरावट रही है। बैंक निफ्टी इस दौरान 3.17 फीसदी और निफ्टी आईटी इंडेक्स करीब 3 फीसदी कमजोर हुआ है।

स्मॉलकैप फंड : बिगड़ा रिटर्न

स्मॉलकैप स्टॉक में गिरावट के चलते स्मॉलकैप फंड के शॉर्ट टर्म रिटर्न पर असर हुआ है। बीते 6 महीने में 25 से ज्यादा स्मॉलकैप फंड हैं, जिनमें 10 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई है। इनमें 10 से 19 फीसदी निगेटिव रिटर्न दिख रहा है।

इन फंडों में गिवट का दौर

फंड	गिरावट
मिराए एसेट निफ्टी स्मॉलकैप 250 मोमेंटम क्वालिटी 100 ईटीएफः	-19.73%
क्वांट स्मॉल कैप फंडः	-14.02%
एबीएसएल स्मॉल कैप फंडः	-13.65%
बड़ौदा बीएनपी परिबास स्मॉल कैप फंडः	-13.30%
फ्रैंकलिन इंडिया छोटी कंपनी फंडः	-13.06%
डीएसपी निफ्टी स्मॉलकैप250 क्वालिटी 50 इंडेक्सः	-12.94%
महिंद्रा मैनुलाइफ स्मॉल कैप फंडः	-12.89%
निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंडः	-12.73%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी स्मॉलकैप 250 ईटीएफः	-12.63%
आईसीआईसीआई प्रू निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्सः	-12.59%
एसबीआई निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्सः	-12.57%
एचडीएफसी निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्सः	-12.56%
निप्पॉन इंडिया निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्सः	-12.51%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्सः	-12.51%
एचडीएफसी निफ्टी स्मॉलकैप 250 ईटीएफः	-12.46%
एडलवाइस निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्सः	-12.46%
एचएसबीसी स्मॉल कैप फंडः	-11.52%
एसबीआई स्मॉल कैप फंडः	-11.42%
कोटक निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्सः	-11.02%
एबीएसएल निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्सः	-11.02%
एक्सिस निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्सः	-11.01%
केनरा रोबेको स्मॉल कैप फंडः	-10.86%
आईसीआईसीआई प्रू स्मॉलकैप फंडः	-10.55%
बैंक ऑफ इंडिया स्मॉल कैप फंडः	-10.15%
कोटक स्मॉल कैप फंडः	-10%
यूनियन स्मॉल कैप फंडः	-10%

स्मॉलकैप में अस्थिरता वजह

बाजार के जानकारों का कहना है कि स्मॉलकैप सेग्मेंट में पिछले साल लगातार भारी इनफ्लो देखने को मिला था। वहीं, बाजार की जो रैली सितंबर तक चली है, उसमें स्मॉलकैप शेयरों में बहुत ज्यादा तेजी आई। स्मॉलकैप इंडेक्स में अन्य इंडेक्स के मुकाबले बहुत ज्यादा मजबूती देखने को मिली। वहीं, अब बाजार वोलेटाइल है तो ऐसे में स्मॉलकैप सेग्मेंट में सबसे ज्यादा अस्थिरता देखने को मिल रही है। ऐसा आमतौर पर होता भी है कि बाजार के गिरावट के दौर में स्मॉलकैप में ज्यादा अस्थिरता दिखती है। हालांकि यह दौर ज्यादा नहीं चलता। बजट के बाद फिर इन फंडों में रैली देखने को मिल सकती है।

स्मॉल कैप फंड : कौन करें निवेश

फाइनेंशियल एडवाइजर हमेशा सलाह देते हैं कि जो इन्वेस्टर्स हाईरिटर्न के लिए हाई रिस्क लेने को तैयार हैं, वे स्मॉल कैप फंडों में निवेश कर सकते हैं। कहने का मतलब है कि जो निवेशक बाजार का ज्यादा रिस्क लेने की क्षमता रखते हैं, वे स्मॉल कैप कैटेगरी में निवेश करने पर विचार कर सकते हैं। हालांकि स्मॉलकैप फंडों में उनके निवेश का लक्ष्य कम से कम 5 साल का होना चाहिए। लंबी अवधि में किए गए निवेश से शॉर्ट टर्म की वोलेटिलिटी का रिस्क कम हो जाता है। स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड प्रमुख रूप से 5,000 करोड़ रुपये से कम मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं। यह इक्विटी म्यूचुअल फंड की एक सब-कैटेगरी है और इनका प्रदर्शन बाजार के उतार-चढ़ाव से प्रभावित होता है। स्मॉल कैप कंपनियों में बाजार में गिरावट के दौरान अधिक अस्थिरता यानी वोलैटिलिटी दिखती है। हालांकि बेस्ट स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड में लंबी अवधि में हाई रिटर्न देने की क्षमता होती है।

5 साल में कैसा रहा एसआईपी रिटर्न

बीते 5 साल में स्मॉलकैप फंडों का एसआईपी रिटर्न देखें तो यह हाई रहा है। 15 से ज्यादा फंड में सालाना 25 फीसदी या इससे ज्यादा रिटर्न मिला है, जिनमें कुछ के नाम इस प्रकार हैं।

पांच साल में इन्होंने दिया बढ़िया रिटर्न

फंड का नाम	रिटर्न
क्वांट स्मॉल कैप फंडः	35%
निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंडः	30.64%
इनवेस्को इंडिया स्मॉलकैप फंडः	29%
टाटा स्मॉल कैप फंडः	28%
एचएसबीसी स्मॉल कैप फंडः	28%
एडलवाइस स्मॉल कैप फंडः	27.76%
फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉल कैप फंडः	27.61%
एलआईसी एमएफ स्मॉल कैप फंडः	27.58%
बैंक ऑफ इंडिया स्मॉल कैप फंडः	27%
एचडीएफसी स्मॉल कैप फंडः	26.76%
केनरा रोबेको स्मॉल कैप फंडः	25.67%
आईसीआईसीआई प्रू स्मॉलकैप फंडः	25.35%

(डिस्क्लेमरः किसी भी इक्विटी फंड में पुराना रिटर्न आगे भी जारी रहेगा या नहीं, इसकी गारंटी नहीं है। यह भविष्य में कायम भी रह सकता है और नहीं भी। बाजार में जोखिम होते हैं, इसलिए निवेश करने के पहले एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।)

बाजार के उतार-चढ़ाव में हाइब्रिड फंड हो सकते हैं निवेश के लिए अच्छा सौदा

- इनमें टैक्स में बचत और नुकसान का कम होता है खतरा
- अलग-अलग तरह की असेट्स को मिलाकर बनाए जाते हैं
- इससे निवेशकों के लिए नुकसान का खतरा कम हो जाता है

सुझाव

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में हाल के दिनों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। ऐसे निवेशकों की चिंता भी लगातार बढ़ती है और निवेश के लिए एक अच्छा और सुरक्षित विकल्प चुनना भारी हो जाता है। ऐसे में हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स अच्छा ऑप्शन हो सकता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि ये फंड्स अलग-अलग तरह की असेट्स को मिलाकर बनाए जाते हैं। इससे नुकसान का खतरा कम हो जाता है। जो लोग शेयरों में निवेश करना चाहते हैं साथ ही टैक्स भी बचाना चाहते हैं, लेकिन वैल्यूएशन और उतार-चढ़ाव के कारण उनके कदम डगमगा रहे हैं। ऐसे निवेशकों के लिए हाइब्रिड फंड्स निवेश के लिए अच्छा ऑप्शन हो सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ये फंड्स अलग-अलग तरह की असेट्स को मिलाकर बनाए जाते हैं। जिससे नुकसान का खतरा कम हो जाता है। जानकारों का कहला है कि मिड और स्मॉलकैप की तुलना में लार्जकैप के शेयरों के दाम अभी ठीक-ठाक हैं। इसलिए निवेश इनकी ओर रुख कर सकते हैं। ऐसा करना कोई नुकसान का सौदा नहीं है। हालांकि रिटर्न कुछ कम हो सकता है, लेकिन लॉन्ग टर्म में देखेंगे तो आप अच्छा मुनाफा कमा पाएंगे और टैक्स भी बचा लेंगे।

क्या कहते हैं आंकड़े

एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के आंकड़े बताते हैं कि पिछले 22 वर्षों में शेयरों ने 12 बार, सोने ने 9 बार और डेट ने सिर्फ एक बार बेहतर प्रदर्शन किया है। इससे साफ है कि हाइब्रिड स्ट्रेटेजी कितनी जरूरी है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड के आंकड़ों के मुताबिक, वर्तमान में निफ्टी 50 (जिसमें बड़ी कंपनियों के शेयर हैं) का पीई 23 है। पिछले पांच साल के औसत 24.4 से थोड़ा कम है। लेकिन बीएसई मिडकैप का पीई 43.1 और बीएसई स्मॉलकैप 250 का पीई 43.2 है। ये पिछले पांच साल के औसत पीई (33.8 और 27.4) से काफी ज्यादा है। इससे पता चलता है कि लार्जकैप की तुलना में स्मॉल और मिडकैप महंगे हैं।

कैसे होता है अलोकेशन

जानकारों का कहना है कि हाइब्रिड फंड्स में ज्यादातर बड़ी कंपनियों (लार्जकैप) के शेयर होते हैं, जिनके वैल्यू अभी फेयर हैं। वेल्थ मैनेजर्स बताते हैं कि ज्यादातर हाइब्रिड फंड्स में मीडियम और छोटी कंपनियों के शेयर बहुत कम होते हैं। हाइब्रिड फंड्स में इक्विटिज का हिस्सा 20% से 70% तक होता है, ये फंड के कैटिगरी पे निर्भर करता है। इक्विटी सेविंग्स फंड्स में सबसे कम 10% से 35% तक शेयर होते हैं। उसके बाद मल्टी असेट फंड्स आते हैं। इनमें 25% से 65% तक इक्विटी होते हैं। बैलेंस्ड अडवांटेज फंड्स में औसतन 50% से 60% इक्विटी होते हैं, जबकि अग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स में 65% से 75% तक।

ऐसे में क्या करें निवेशक

जो लोग फिक्स्ड डिपॉजिट से शेयरों में आना चाहते हैं और ज्यादा जोखिम नहीं उठाना चाहते हैं, वो अपने रिस्क के हिसाब से अलग-अलग तरह के हाइब्रिड फंड्स में निवेश कर सकते हैं। आप इक्विटी सेविंग्स, बैलेंस्ड अडवांटेज, मल्टी असेट और एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स में बराबर-बराबर पैसा लगा सकते हैं। इसमें नुकसान होने की संभावना बेहद कम होती है। ऐसे में यह निवेशकों के लिए सुरक्षित विकल्प हो सकते हैं।

लॉन्ग टर्म में देखेंगे तो अच्छा मुनाफा कमा पाएंगे, टैक्स बचेगा मिड और स्मॉलकैप की तुलना में लार्जकैप शेयर अभी फिट हैं

क्यों जरूरी हाइब्रिड स्ट्रेटेजी

एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के आंकड़े बताते हैं कि पिछले 22 वर्षों में शेयरों ने 12 बार, सोने ने 9 बार और डेट ने सिर्फ एक बार बेहतर प्रदर्शन किया है। इससे साफ है कि हाइब्रिड स्ट्रेटेजी कितनी जरूरी है। वेल्थ मैनेजर्स कहते हैं कि हाइब्रिड फंड्स टैक्स में बचत कराते हैं। अगर कोई खुद शेयर, डेट व सोने में निवेश करके अपना पोर्टफोलियो बनाता है, तो उसे शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स या फिर अपनी स्लैब के हिसाब से ज्यादा टैक्स देना पड़ सकता है, जिससे इनकम कम होती है। लेकिन हाइब्रिड फंड्स में निवेश करने से टैक्स में बचत होती है। इसकी वजह ये है कि इनमें से ज्यादातर कैटेगरीज को टैक्स के लिए इक्विटी फंड्स की तरह माना जाता है।

हाइब्रिड फंड क्या हैं

हाइब्रिड म्यूचुअल फंड एक निवेश फंड है जो अपनी परिसंपत्तियों को विभिन्न क्षेत्रों में फैलाता है। आम तौर पर, ये फंड स्टॉक और बॉन्ड में निवेश करते हैं, लेकिन अपने पोर्टफोलियो में सोना, अंतर्राष्ट्रीय इक्विटी, रियल एस्टेट, आईटी, फार्मा आदि जैसी अन्य परिसंपत्तियां भी शामिल कर सकते हैं। हाइब्रिड फंड द्वारा प्रदान किया गया विविधीकरण बाजार के जोखिमों को नियंत्रित करने और एकल परिसंपत्ति वर्ग पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय अपेक्षाकृत स्थिर लाभ प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

- एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करें, एक लाख रुपये हर माह कई वर्षों तक मिलते रहेंगे
- मोटा रिटर्न हमेशा से ही रिस्क भरा होता रहा है, अब निवेशक अच्छे रिटर्न के लिए रिस्क पसंद कर रहे

फ्यूचर प्लानिंग

हर माह करने होंगे 15,000 रुपये निवेश, बरसेगा धन

बिजनेस डेस्क

अमीर बनना और बड़ा फंड बनाना हर किसी का सपना होता है। इसके लिए हर कोई अपने-अपने तरीके से जतन भी करता है। कोई बाजार में निवेश करता है तो कोई, जमीन, गहने, ईटीएफ, म्युचुअल फंड, एफडी-आरडी में निवेश अपना भविष्य सुरक्षित करने की जुगत लगाता है। इसलिए हर कोई अलग-अलग तरीके अपनाता है। हालांकि एक निवेश ऐसा भी जहां शुरूआत में आपको हर महीने 15,000 रुपये निवेश करने होंगे और बुढ़ापे में आपको चिंता की कोई जरूरत नहीं होगी और आप आसानी से अपने लिए बढ़िया फंड तैयार कर लेंगे। हालांकि बड़ा फंड बनाने के लिए काफी निवेशक अलग-अलग स्कीम में निवेश करते हैं। फ्यूचर फाइनेंशियल प्लानिंग कई बार गड़बड़ भी हो जाती है। कई प्लान ऐसे हैं, जिनमें आप निवेश कर जिंदगीभर मोटी कमाई कर सकते हैं। आप हर महीने कुछ रकम निवेश कर जिंदगीभर एक लाख रुपये या उससे ज्यादा घर बैठे कमा सकते हैं।

हर कोई कर रहा निवेश

आज के समय काफी लोग अपनी कमाई का कुछ हिस्सा अलग-अलग जगह पर निवेश कर रहे हैं। कोई एफडी में निवेश कर रहा है तो कोई शेयर मार्केट या दूसरी जगह अपना पैसा लगा रहा है। कुछ प्लान और स्कीम ऐसी हैं जिनमें निवेश करके मोटी कमाई की जा सकती है। हालांकि मोटा रिटर्न हमेशा से रिस्क भरा होता है, लेकिन काफी निवेशक अच्छे रिटर्न के लिए रिस्क भी लेना पसंद करते हैं।

कितना कमा सकते हैं

आप हर महीने जिंदगी भर एक लाख रुपये घर बैठे कमा सकते हैं। इसके लिए आपको कुछ वर्षों तक हर महीने 15 हजार रुपये निवेश करने होंगे। इसके बाद आपको एक लाख रुपये हर महीने आपको कई वर्षों तक मिलते रहेंगे। फिर भी कई करोड़ रुपये आपके पास बचे होंगे। यह रकम इतनी हो जाएगी कि आपकी सात पुश्तें भी घर बैठकर कमाई कर सकेंगी। यह कमाई कैसे होगी, इसके बारे में इस रिपोर्ट में बताया गया है।

कितना मिलता है रिटर्न?

निवेश के लिए काफी लोग अभी भी एफडी को पसंद करते हैं। इसका कारण है कि इसमें 6 से 9 फीसदी तक का फिक्स्ड रिटर्न मिल जाता है। हालांकि यह रिटर्न बैंक पर निर्भर करता है। समय-समय पर बैंक इस ब्याज में बदलाव करते रहते हैं। लेकिन घर बैठे एक लाख रुपये की कमाई एफडी में निवेश करके नहीं की जा सकती। इसके लिए आपको दूसरी स्कीम में निवेश करना होगा।

कहां करना होगा निवेश

आपको अच्छी कमाई के लिए एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करना होगा। आपको हर महीने 15 हजार रुपये 20 साल तक किसी म्यूचुअल फंड में निवेश करने होंगे। 15 फीसदी सालाना रिटर्न के हिसाब से 20 साल बाद यह रकम बढ़कर 2.27 करोड़ रुपये हो जाएगी। इसमें 36 लाख रुपये आपके निवेश के और बाकी की रकम ब्याज की होगी।

कैसे मिलेंगे एक लाख हर महीने

20 साल बाद आपको कोई काम करने की जरूरत नहीं है। इन 2.27 करोड़ रुपये में से 27 लाख रुपये आप अपने किसी काम में खर्च कर सकते हैं। बाकी के दो करोड़ रुपये एसडब्ल्यूपी में निवेश कर दें। एसआईपी का मतलब हर महीने रकम जमा करना है तो एसडब्ल्यूपी का मतलब हर महीने रकम निकालना। इसमें भी यह रकम म्यूचुअल फंड में लगानी होती है। अगर कोई म्यूचुअल फंड सालाना 9 फीसदी का ब्याज दे रहा है तो भी आप 30 साल तक एक लाख रुपये हर महीने निकाल सकेंगे।

बच्चों के बच्चे भी करेंगे कमाई

आपके इस निवेश से आपके बच्चे और उनके बच्चों के बच्चे भी जिंदगीभर कम से कम एक लाख रुपये हर महीने कमाते रहेंगे। ध्यान रखें कि अगर आप हर महीने एक लाख रुपये से ज्यादा चाहते हैं तो वह भी मिल सकते हैं लेकिन इसमें कई बार आपका फंड यानी 2 करोड़ रुपये जल्दी खत्म हो सकते हैं। एसडब्ल्यूपी में रकम का चुनाव करने के लिए इंटरनेट पर कई कैलकुलेटर मौजूद हैं। आप उनकी भी मदद ले सकते हैं।

टर्म इंश्योरेंस, सही प्लान व कवरेज के लिए इन बातों का रखना ध्यान

जानकारी

बिजनेस डेस्क

परिवार के आर्थिक भविष्य और उसकी सुरक्षा की फिक्र हर किसी को रहती है। लोग लाइफ इंश्योरेंस इसी फिक्र को दूर करने के लिए लेते हैं, लेकिन लाइफ इंश्योरेंस के एंडोमेंट प्लान के जरिये पर्याप्त कवरेज लेने पर काफी महंगा प्रीमियम भरना पड़ता है। ऐसे में कई लोग प्रीमियम भरने की क्षमता को देखकर कवरेज लेते हैं, जो काफी नहीं होता, जबकि कवरेज पर्याप्त न हो तो लाइफ इंश्योरेंस लेने का उद्देश्य ही पूरा नहीं होता। टर्म लाइफ इंश्योरेंस प्लान के जरिये कम खर्च में भी जरूरत के मुताबिक कवरेज लिया जा सकता है। यह जीवन बीमा कवरेज का सबसे आसान और किफायती तरीका है। टर्म लाइफ इंश्योरेंस लेने के लिए सबसे पहले तो इस प्लान का सही मतलब समझना जरूरी है। दरअसल, टर्म इंश्योरेंस एक ऐसा जीवन बीमा प्लान है, जो निश्चित अवधि (टर्म) तक सुरक्षा प्रदान करता है। अगर इस अवधि के दौरान पॉलिसीधारक का निधन हो जाता है, तो बीमा कंपनी द्वारा उसके नॉमिनी को कवरेज के हिसाब से एकमुश्त रकम दी जाती है। यह एक प्योर प्रोटेक्शन प्लान होता है। यानी इसमें किसी तरह का निवेश या सेविंग का पहलू जुड़ा हुआ नहीं होता।

यह किफायती क्यों

टर्म लाइफ इंश्योरेंस की सबसे बड़ी खासियत इसका कम प्रीमियम है। कवरेज की तुलना में इसका प्रीमियम इतना कम इसलिए होता है, क्योंकि इसमें केवल 'डेथ कवर' दिया जाता है और प्रीमियम के तौर पर भरे गए पैसों पर कोई रिटर्न या प्रॉफिट नहीं मिलता, लेकिन एंडोमेंट प्लान्स की तुलना में इसकी प्रीमियम की दरें इतनी कम होती हैं, जिससे आपको कम लागत में अधिक बीमा कवर लेने का मौका मिलता है।

कितना कवरेज लें

सही टर्म इंश्योरेंस कवरेज का चुनाव करना बेहद जरूरी है। बीमा कवरेज की रकम इतनी होनी चाहिए कि बीमा कराने वाले के न रहने पर उसके परिवार की आर्थिक जरूरतें आसानी से पूरी हो सकें। कवरेज की रकम तय करते समय आपको अपनी मौजूदा आर्थिक जिम्मेदारियों और जरूरतों, मसलन, होम लोन, कार लोन, बच्चों के एजुकेशन और दैनिक खर्चों को ध्यान में रखना चाहिए। इसके अलावा, भविष्य में बढ़ने वाली महंगाई और अन्य संभावित खर्चों को शामिल करना भी जरूरी है। आमतौर पर माना जाता है कि टर्म इंश्योरेंस का कवरेज की रकम आपकी सालाना आमदनी के मुकाबले 10-15 गुना होनी चाहिए। यानी अगर आपकी सालाना आमदनी 10 लाख रुपये है, तो टर्म इंश्योरेंस 1 से 1.5 करोड़ होना जरूरी है।

सही अवधि कैसे चुनें

बीमा कवरेज की अवधि का चुनाव करते समय यह ध्यान में रखें कि पॉलिसी की अवधि आपकी एक्टिव अर्निंग लाइफ यानी कामकाजी उम्र को जरूर कवर करती हो। टर्म लाइफ इंश्योरेंस प्लान के कवरेज की अवधि इतनी होनी चाहिए कि जब तक आपके आश्रित परिवार को आपके आर्थिक सपोर्ट की जरूरत है, कम से कम तब तक वे सुरक्षित रहें। अगर आपके बच्चे अभी छोटे हैं या आपके पास लंबी अवधि के ऋण हैं, तो आपको लंबी अवधि का टर्म प्लान लेना चाहिए।

राइडर्स और अन्य लाभ चेक करें

इंश्योरेंस प्लान के साथ आने वाले राइडर्स का मतलब है, ऐसे एक्स्ट्रा बेनिफिट यानी अतिरिक्त लाभ, जिन्हें आप अपने टर्म इंश्योरेंस प्लान में जोड़ सकते हैं। इनमें क्रिटिकल इलनेस कवर, एक्सीडेंटल डेथ कवर और प्रीमियम वेवर जैसे बेनिफिट शामिल होते हैं। ये राइडर, अतिरिक्त सुरक्षा तो देने हैं, लेकिन इनके लिए एक्स्ट्रा प्रीमियम भी भरना पड़ सकता है। अपनी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह तय कर सकते हैं कि कौन सा राइडर आपके लिए फायदेमंद है। टर्म इंश्योरेंस प्लान में प्रीमियम पेमेंट यानी भुगतान के लिए अलग-अलग ऑप्शन उपलब्ध होते हैं। आप सालाना, छमाही, तिमाही या मंथली आधार पर भी प्रीमियम का भुगतान कर सकते हैं।

रिन्यूएबिलिटी और कन्वर्टिबिलिटी

कुछ टर्म लाइफ इंश्योरेंस प्लान में रिन्यूएबिलिटी और कन्वर्टिबिलिटी जैसे ऑप्शन भी दिए जाते हैं। रिन्यूएबिलिटी का ऑप्शन आपको पॉलिसी पीरियड खत्म होने के बाद बिना किसी नए मेडिकल टेस्ट के इसे आगे बढ़ाने की सुविधा देता है। वहीं, कन्वर्टिबिलिटी का ऑप्शन आपको अपने टर्म प्लान को किसी और तरह के जीवन बीमा प्लान में बदलने की सुविधा देता है। हालांकि, इन ऑप्शन्स के साथ प्रीमियम की रकम बढ़ सकती है, इसलिए इन्हें चुनने से पहले सभी पहलुओं को अच्छी तरह समझना जरूरी है।

सेहत और उम्र का असर

आपकी उम्र और स्वास्थ्य आपकी बीमा पॉलिसी की प्रीमियम दरों को सीधे प्रभावित करते हैं। आमतौर पर, जितनी कम उम्र में आप टर्म इंश्योरेंस खरीदते हैं, प्रीमियम उतना ही कम देना पड़ता है। अगर आप पहले से ही किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं, तो आपकी प्रीमियम दरें अधिक हो सकती हैं. इसलिए, टर्म इंश्योरेंस को जल्द से जल्द लेना फायदेमंद होता है। पॉलिसी खरीदने से पहले उससे जुड़ी शर्तों और नियमों को अच्छी तरह से पढ़ना और समझना जरूरी है। बीमा पॉलिसी में कुछ एक्सक्लूजन्स भी होते हैं, जिनके तहत बीमा कंपनी क्लेम का भुगतान नहीं करती।

क्लेम सेटलमेंट रेशियो भी देखें

इंश्योरेंस कवरेज लेने से पहले यह देखना भी जरूरी है कि आप जिस बीमा कंपनी का प्लान लेने की सोच रहे हैं, उसका क्लेम सेटलमेंट रेशियो कितना है। क्लेम सेटलमेंट रेशियो से पता चलता है कि बीमा कंपनी ने अपने पॉलिसीहोल्डर्स के कितने प्रतिशत क्लेम यानी दावों का निपटारा किया गया है। अगर यह रेशियो अधिक है, तो उससे पता चलता है कि बीमा कंपनी अपने ग्राहकों के प्रति जिम्मेदार है और समय पर दावों का भुगतान करती है।

टर्म इंश्योरेंस प्लान को बीच में बंद न करें

कई बार लोग यह सोचकर टर्म इंश्योरेंस प्लान को पूरी अवधि तक जारी नहीं रखते कि इसके प्रीमियम में भरे जाने वाले पैसों पर कोई रिटर्न मिलना तो दूर, प्रीमियम की रकम भी वापस नहीं मिलेगी, लेकिन ऐसा सोचना सही नहीं है, क्योंकि इंश्योरेंस का मकसद सुरक्षा देना है, रिटर्न देना नहीं। अगर आप एक बराबर कवरेज वाले किसी एंडोमेंट प्लान और टर्म प्लान के प्रीमियम की तुलना करें, और टर्म प्लान में होने वाली प्रीमियम की बचत को किसी अच्छे म्यूचुअल फंड की एसआईपी में लगा दें, तो पॉलिसी की पूरी अवधि के दौरान आपको मिलने वाला कुल रिटर्न एंडोमेंट प्लान के मुकाबले बहुत अधिक हो सकता है।

रोहित की फॉर्म और कोहली की फिटनेस पर निगाह, इंग्लैंड से दूसरा वनडे आज

एजेंसी ▶▶| कटक

भारत और इंग्लैंड के बीच रविवार को यहां होने वाले दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पिछले लंबे समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की फॉर्म और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की फिटनेस पर सभी की निगाह टिकी रहेगी। भारत ने नागपुर में खेले गए पहले वनडे में चार विकेट से जीत दर्ज करके तीन मैच की श्रृंखला में शुरुआती बढ़त हासिल की है और उसका लक्ष्य अपना विजय अभियान जारी रखकर श्रृंखला जीतना होगा।

■ तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से आगे है भारतीय टीम

मैच का प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स पर दोपहर 1.30 बजे

कोहली फिट : कोटक

भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने पुष्टि की कि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अपने दाहिने घुटने के दर्द से उबर चुके हैं। कोटक ने दूसरे मैच की पूर्व संध्या पर यहां पत्रकारों से कहा, 'विराट कोहली खेलने के लिए फिट हैं। वह अभ्यास के लिए आए हैं और खेलने के लिए तैयार हैं।' उन्होंने हालांकि यह नहीं बताया कि सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और पिछले मैच के अर्धशतक लगाने वाले श्रेयस अय्यर में से किसे अंतिम एकादश से बाहर किया जाएगा। कोटक ने कहा, 'यह कप्तान (रोहित शर्मा) और कोच (गौतम गंभीर) का फैसला है। मैं इसका जवाब नहीं दे सकता।'

रन बनाने के लिए जूझ रह कप्तान

कोहली की तरह कप्तान रोहित भी रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वह पहले वनडे में केवल दो रन बना पाए थे। मुंबई के इस बल्लेबाज ने पिछले साल श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में 64 रन बनाने के बाद किसी भी प्रारूप में अर्धशतक नहीं लगाया है। अगर रोहित दूसरे वनडे में भी रन नहीं बना पाते हैं तो उनकी फॉर्म और भविष्य को लेकर आशंकाएं पैदा हो जाएंगी।

अय्यर का दावा मजबूत

पिछले मैच में कोहली की जगह श्रेयस अय्यर को टीम में शामिल किया गया था और उन्होंने 36 गेंद पर 59 रन बनाकर टीम में अपनी जगह सुरक्षित कर ली थी। अगर पहले की बात होती तो कोहली को अय्यर की जगह टीम में शामिल किया जाता लेकिन अब पूरी संभावना है कि उन्हें पहले मैच में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की जगह टीम में लिया जाएगा। ऐसे में रोहित के साथ गिल पारी की शुरुआत कर सकते हैं।

गेंदबाजी आक्रमण अच्छा

भारत का गेंदबाजी आक्रमण अच्छा नजर आ रहा है। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने वापसी के बाद अच्छा प्रदर्शन किया है और चैंपियंस ट्रॉफी को देखते हुए यह भारत के लिए अच्छा संकेत है। पिछले मैच में पदार्पण करने वाले हर्षित राणा को इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट ने कड़ा सबक सिखाया था और वह काफी महंगे साबित हुए थे लेकिन उन्होंने बेन डकेट और हैरी ब्रुक के कीमती विकेट लेकर अच्छी वापसी की थी। अगर जसप्रीत बुमराह पूरी तरह से फिट नहीं हो पाते हैं तो फिर राणा के पास चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में जगह बनाने का मौका होगा।

सुंदर, वरुण, अक्षर पहुंचे जगन्नाथ मंदिर

इंग्लैंड के खिलाफ कटक के बाराबती स्टेडियम में रविवार को होने वाले दूसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच से पहले भारतीय क्रिकेट टीम के तीन खिलाड़ियों ने शनिवार को पुरी में श्री जगन्नाथ मंदिर का दौरा किया और भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद लिया। इन तीनों खिलाड़ियों वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल ने कड़ी सुरक्षा के बीच सुबह-सुबह जगन्नाथ मंदिर के दर्शन किए। पुलिस ने कहा कि खिलाड़ियों ने सुरक्षाकर्मियों की निगरानी में दर्शन किए।

खबर संक्षेप

शुभंकर और अहलावत कतर में कट से चूके

दोहा। भारतीय खिलाड़ी शुभंकर शर्मा ने दूसरे दौर में अच्छा खेल दिखाकर तीन अंडर 69 का कार्ड खेला लेकिन पहले दौर के लचर प्रदर्शन के कारण वह यहां कतर मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट में एक शॉट से कट से चूक गए। यह 2025 में डीपी वर्ल्ड टूर पर लगातार तीसरा अवसर है जबकि शुभंकर कट में जगह नहीं बना पाए। उन्होंने पहले दौर में 75 का कार्ड खेला था और इस तरह से उनका कुल स्कोर इवन पार रहा जबकि कट एक अंडर पर गया। भारत के एक अन्य खिलाड़ी वीर अहलावत भी कट से चूक गए।

अदिति ने फाउंडर्स कप में कट हासिल किया

ब्राडेंटन। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक एलपीजीए टूर पर सत्र के शुरुआती टूर्नामेंट फाउंडर्स कप के दूसरे दौर में एक अंडर 70 का कार्ड खेलकर स्टार खिलाड़ियों के साथ कट में जगह बनाने में सफल रहीं। उन्होंने पहले दौर में एक ओवर 72 का कार्ड खेला था जिससे वह लिडिया को, मिंजी ली और सोफिया पोपोव जैसी गोल्फरों के साथ संयुक्त रूप से 50वें स्थान पर हैं। अदिति ने दूसरे, 10वें और 13वें होल में बर्डी लगाई जबकि 12वें और 15वें होल में शॉट ड्रॉप कर बैठीं।

अब हमारे पास मॉडल और नुस्खाः डिविलियर्स

जोहानिसबर्ग। एसए 20 की सफलता से अभिभूत इसके ब्रांड दूत एबी डिविलियर्स ने यहां महिला टी20 लीग शुरू करने की पैरवी करते हुए कहा कि अब दक्षिण अफ्रीका के पास मॉडल और नुस्खा दोनों हैं। एमआई केपटाउन और दो बार की चैंपियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप के बीच एसए 20 के तीसरे सत्र के फाइनल से पहले डिविलियर्स ने कहा, 'मैने दुनिया भर में काफी सफल महिला क्रिकेट लीग देखी हैं और पिछले साल ही बेहद सफल महिला टी20 विश्व कप भी हुआ है।

भारत को हराना वास्तविक चुनौती

लाहौर। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने नए सिरे से तैयार किए गए गद्दाफी स्टेडियम के उद्घाटन समारोह के दौरान शुक्रवार की रात को कहा कि भारत के खिलाफ उनके खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। शरीफ ने कहा, 'हमारी टीम बहुत अच्छी है और उसने हाल के दिनों में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उनके सामने अब वास्तविक चुनौती चैंपियंस ट्रॉफी जीतना ही नहीं बल्कि दुबई में होने वाले मैच में हमारे चिर प्रतिद्वंद्वी भारत को हराना होगा।'

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

रणजी ट्रॉफी : टीम इंडिया के दरवाजे पर फिर दी दस्तक

नायर ने ठोका 22वां प्रथम श्रेणी शतक चीफ सेलेक्टर को दिया मुंहतोड़ जवाब

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

लंबे समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे करुण नायर रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। घरेलू क्रिकेट में उनका ड्रीम रन अभी भी जारी है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने शनिवार को रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में विदर्भ के लिए शतक ठोका है। उन्होंने ये काम तमिलनाडु के खिलाफ किया है। विदर्भ स्टंप तक छह विकेट पर 264 रन बनाने में सफल रहा। नायर शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने अपना 22वां प्रथम श्रेणी शतक जड़ा। इससे पहले उन्होंने पिछले दौर में हैदराबाद के खिलाफ शतक जड़ा था।

सत्र में नायर का ये रणजी ट्रॉफी में कुल तीसरा शतक है। रणजी ट्रॉफी में उनका ये लगातार दूसरा शतक है। इससे पहले हैदराबाद के खिलाफ उन्होंने शतक जमाया था और 105 रन बनाए थे। इस साल विजय हजारे ट्रॉफी में भी उनका बल्ला जमकर चला था। इस वनडे फॉर्मेट के टूर्नामेंट में नायर ने कुल पांच शतक जमाए थे। विजय हजारे ट्रॉफी में दमदार खेल दिखाने के बाद नायर के टीम इंडिया में वापसी की अटकलें थीं। माना जा रहा था कि सेलेक्टर्स उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में जगह दे सकते हैं, लेकिन ऐसा हुआ नहीं था। चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा था कि हर किसी को टीम में फिट नहीं कर सकते क्योंकि 15 खिलाड़ी ही चुनने होते हैं।

शतक बनाकर नाबाद लौटे

नायर का साथ दानिश मालेवर ने दिया और 98 रनों की साझेदारी की। दानिश 119 गेंदों पर 13 चौकों की मदद से 75 रन बनाकर आउट हो गए। नायर दिन का खेल खत्म होने तक टिके रहे। वह 100 रन बनाकर नाबाद लौटे। अपनी पारी में इस बल्लेबाज ने 180 गेंदों का सामना कर 14 चौके और एक छक्का मारा।

मुंबई ने की वापसी

कोलकाता। शम्स मुलानी और तनुश कोटियान की आठवें विकेट के लिए 165 रन की साझेदारी के बूते गत चैंपियन मुंबई ने रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के शुरुआती दिन शनिवार को यहां हरियाणा के खिलाफ आठ विकेट पर 278 रन बनाकर अच्छी वापसी की। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी का फैसला करने के बाद 25 रन तक चार जबकि 113 रन तक सात विकेट गंवा दिए थे लेकिन मुलानी ने 178 गेंद में 91 जबकि कोटियान ने 154 गेंद में नाबाद 85 रन की पारी खेलकर मौजूदा सत्र में एक बार फिर से टीम को संकट से बाहर निकाला। स्टंप्स के समय कोटियान के साथ मोहित अवस्थी क्रीज पर मौजूद थे।

तेज गेंदबाज निधीश के पांच विकेट

पुणे। मध्यम गति के गेंदबाज एमडी निधीश के पांच विकेट झटकने से केरल की टीम ने रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल मैच के पहले दिन शनिवार को यहां स्टंप तक जम्मू-कश्मीर का स्कोर आठ विकेट पर 228 रन कर दिया। निधीश ने शुरू से ही जम्मू-कश्मीर के बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर दी और केरल का टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला करने के बाद नियमित अंतराल पर विकेट चटकाए। उन्होंने सलामी बल्लेबाज शुभम खजूरिया, यावर हसन, विवरांत शर्मा, विकेटकीपर कन्हैया वाधवान और लोन नासिर मुजफ्फर के विकेट लिए। उन्हें बासिल थम्पी, बाएं हाथ के स्पिनर आदित्य सरवटे और नेदुमनकुझी बासिल का अच्छा साथ मिला जिन्होंने एक-एक विकेट लिया।

राष्ट्रीय खेल

अनिमेष ने 100 मीटर स्पर्धा में जीता गोल्ड

एजेंसी ▶▶| देहरादून

ओडिशा के उभरते हुए धावक अनिमेष कुजूर ने शनिवार को यहां राष्ट्रीय खेलों में एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के शुरुआती दिन अनुभवी धावकों की मौजूदगी में पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में खेलों के रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए स्वर्ण पदक जीता।

कुजूर ने 10.28 सेकंड का समय लेकर असम के अमलान बोरगोहेन के इन खेलों के रिकॉर्ड की बराबरी की। बोरगोहेन ने 2022 में गुजरात में इस समय के साथ स्वर्ण पदक जीता था।

शनिवार को 10 स्वर्ण पदक दांव पर थे। इसमें महाराष्ट्र और सेना ने दो-दो, जबकि ओडिशा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और तमिलनाडु ने एक-एक पीला तमगा हासिल किया। इक्कीस साल के कुजूर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 10.27 सेकंड है। कुजूर 2024 में फेडरेशन कप और राष्ट्रीय अंतर-राज्य चैंपियनशिप दोनों में 100 मीटर के रजत पदक विजेता हैं। महाराष्ट्र के प्रणव गुरव 10.32 सेकेंड के समय के साथ रजत विजेता रहे, जबकि बोरगोहेन 10.43 सेकेंड के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

सुदेशना शीर्ष पर

महाराष्ट्र की सुदेशना शिवंकर ने 11.76 सेकंड के समय के साथ महिलाओं की 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता, जबकि तेलंगाना की निथ्या गंधे (11.79) और तमिलनाडु की गिरिधरानी रविकुमार (11.88) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं।

सावन, संजीवनी चैंपियन

हिमाचल प्रदेश के सावन बरवाल ने पुरुषों की 10,000 मीटर फ़ाइनल में 28:49.93 मिनट के खेल रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। महिलाओं की 10,000 मीटर फाइनल में महाराष्ट्र की अनुभवी संजीवनी जाधव ने 33:33.47 मिनट के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। महिलाओं की 1500 मीटर फाइनल में दिल्ली की 2022 सत्र की चैंपियन केएम चंदा ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक मध्य प्रदेश की केएम दीक्षा को हराकर स्वर्ण पदक जीता। चंदा ने 4: 17.74 सेकंड का समय निकाला, जबकि दीक्षा 4:21.92 सेकंड से काफी पीछे रहीं।

लेब्रॉन जेम्स एनबीए में 40 अंक स्कोर करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| लॉस एंजिलिस

बास्केटबॉल के महानायक 40 वर्षीय लेब्रॉन जेम्स ने एक और इतिहास रच दिया। वह एनबीए के इतिहास में 40 अंक स्कोर करने वाले सबसे उम्रदराज बास्केटबॉल खिलाड़ी बन गए। उन्होंने लॉस एंजिलिस लेकर्स के लिए कुल 42 अंक स्कोर करते हुए गोल्डन स्टेट वॉरियर्स पर अपनी टीम को 120-112 से जीत दिलाई।

किंग जेम्स के नाम से मशहूर लेब्रॉन ने अपने अपने आदर्श और बास्केटबॉल की दुनिया के सबसे बड़े नामों में शुमार माइकल जार्डन को पीछे छोड़ा। जॉर्डन ने अपने 40वें जन्म दिन के तीन दिन बाद वाशिंगटन विजार्ड के लिए 2003 में 40 अंक स्कोर किए थे। जेम्स ने यह उपलब्धि 40 वर्ष और 38 दिन में हासिल की। जेम्स एनबीए इतिहास के सर्वाधिक स्कोरर हैं और रिकॉर्ड 22वें सत्र में खेल रहे हैं। जेम्स ने कहा, इस यात्रा के दौरान जब भी उनका नाम महान खिलाड़ियों के रिकॉर्ड पीछे छोड़ने में जुड़ा, जो उनके लिए शानदार अनुभव रहा।

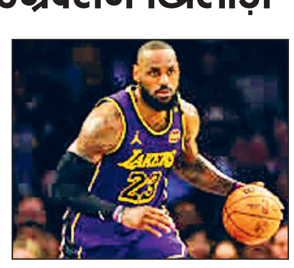

सुनील और दिनेश लॉन बॉल स्पर्धा में चमके

देहरादून। राष्ट्रमंडल खेलों (2024) के रजत विजेता पुरुष टीम के सदस्यों सुनील बहादुर और दिनेश कुमार ने राष्ट्रीय खेलों में अपनी अपनी स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक के साथ शनिवार को यहां लॉन बॉल प्रतियोगिता के अंतिम दिन झारखंड का दबदबा कायम जारी रखा। झारखंड ने दो स्वर्ण और इतने ही कांस्य पदक भी जीते। सुनील ने फाइनल में चंदन कुमार को 21-17 से हराकर पुरुष एकल का स्वर्ण पदक जीता। पुरुष वर्ग के फोर फाइनल में दिनेश, आलोक लाकड़ा, मोहम्मद वसीम और अभिषेक लाकड़ा की झारखंड टीम ने पश्चिम बंगाल को 17-10 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। असम और मणिपुर ने एक-एक कांस्य पदक जीता। यह सुनील और दिनेश दोनों के लिए इन खेलों का दूसरा स्वर्ण था।

ऑस्ट्रेलिया 2-0 से श्रृंखला जीतने के करीब

एजेंसी ▶▶| गॉल

ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को यहां दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन शानदार प्रदर्शन से स्टंप तक श्रीलंका के दूसरी पारी में 211 रन तक आठ विकेट झटक लिए जिससे मेजबान टीम ने महज 54 रन की मामूली बढ़त हासिल की। मेहमान चौथे दिन सुबह श्रीलंका की दूसरी पारी को जल्दी समेटकर श्रृंखला 2-0 से जीतने के लिए लक्ष्य का पीछा करने की कोशिश करेगी। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 414 रन बनाए थे।

■ ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए थे 414 रन

■ चांदीमल को आउट कर लियोन ने पूरे किए 550 विकेट

श्रीलंका ने एक समय 81 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे जिससे ऐसा लग रहा था कि उसे तीन दिन में एक और पारी की करारी हार का सामना करना होगा। पर एंजेलो मैथ्यूज 76 रन बनाकर श्रृंखला में अपना पहला अर्धशतक जड़ा जिससे उम्मीद जगी। बाएं हाथ के स्पिनर मैथ्यू कुहनेमैन ने सबसे ज्यादा परेशान किया, उन्होंने चार विकेट लिए, जिससे मैच में उनके कुल सात विकेट हो गए। उन्हें लियोन का अच्छा साथ मिला, जिन्होंने तीन विकेट लिए। 37 वर्षीय लियोन ने लंच के बाद दिनेश चांदीमल को आउट करते हुए 550 टेस्ट विकेट तक पहुंचकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि भी हासिल की। वह शेन वार्न (708) और ग्लेन मैकग्रा (563) के साथ यह उपलब्धि हासिल करने वाले केवल तीसरे ऑस्ट्रेलियाई बने।

लॉकी फर्ग्यूसन का चैंपियंस ट्रॉफी में खेलना मुश्किल

दुबई। न्यूजीलैंड के मुख्य तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन का हैमस्ट्रिंग चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी में खेलना संदिग्ध है। इसमें टीम को इस वनडे टूर्नामेंट में पहला मैच पाकिस्तान के खिलाफ खेलना है। संयुक्त अरब अमीरात में अंतरराष्ट्रीय लीग टी20 मैच के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग की चोट लग गई। न्यूजीलैंड 19 फरवरी को कराची के नेशनल स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी में अपना पहला ग्रुप ए मैच खेलेगा। कोच गैरी स्टीड ने पुष्टि की कि इस प्रमुख गेंदबाज ने चोट की गंभीरता को जानने के लिए स्कैन करवाया है।

उत्तर रेलवे
सार्वजनिक अधिसूचना
कार्यालय– उप. मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण, नई दिल्ली

उत्तर रेलवे के निम्नलिखित खंड के पूर्ण खंड पर स्थित रेलवे लाइनों और परिसर के सभी उपयोगकर्ताओं को सूचना दी जाती है कि उत्तर रेलवे के मुरादाबाद और दिल्ली डिवीजन के देवबंद–रूड़की खंड में विद्युतीकृत नवनिर्मित ट्रैक का लोको परीक्षण **10.02.2025** को आयोजित किया जाएगा। आम जनता को उपरोक्त खंड में रेलवे ट्रैक से दूर रहने के लिए सूचित किया जाता है। ट्रैक पार नहीं करना चाहिए. ट्रैक का अतिक्रमण एक दंडनीय अपराध है और ऐसा करने वाले व्यक्ति/व्यक्तियों पर रेलवे अधिनियम के तहत मुकदमा चलाया जा सकता है।

अनुभाग	दिनांक
उत्तर रेलवे के मुरादाबाद और दिल्ली मंडल के देवबंद रूड़की खंड में विद्युतीकृत नवनिर्मित ट्रैक	10.02.2025

426/2025
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जूनियर खिलाड़ियों को नहीं मिलेंगे नकद पुरस्कार

ई-स्पोर्ट्स, ब्रेक-डांसिंग बने पुरस्कार के पात्र

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

खेल मंत्रालय ने मल्लखंब, ई-स्पोर्ट्स और यहां तक कि आलोचकों के निशाने पर रहे ब्रेक-डांसिंग के विश्व और महाद्वीपीय चैंपियनशिप के पदक विजेताओं को नकद पुरस्कार प्राप्त करने का पात्र बना दिया है, लेकिन जूनियर और सब-जूनियर खिलाड़ियों के लिए इस तरह के पुरस्कारों को समाप्त करने का फैसला किया है।

मंत्रालय ने 51 खेलों की एक सूची जारी की है जो नकद पुरस्कार के लिए पात्र होंगे, जिनमें वे सभी खेल शामिल हैं जो ओलंपिक खेलों, एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और विश्व विश्वविद्यालय खेलों के कार्यक्रम का हिस्सा हैं। इस सूची में खो-खो भी शामिल है, जिसका पहला विश्व कप पिछले महीने दिल्ली में हुआ था। कुराश और जू-जित्सु भी इस सूची का हिस्सा हैं।

नई नीति लागू

मंत्रालय ने अपने परिपत्र में कहा कि नीति में संशोधन 'अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में पदक विजेताओं और उनके कोचों को नकद प्रोत्साहन के वितरण को सरल बनाने के लिए' किया गया है। नई नीति एक फरवरी से लागू हो गई है।

पैरा खिलाड़ियों के लिए बढ़ाई राशि

मंत्रालय ने पैरा खिलाड़ियों के लिए पुरस्कार बरकरार रखे हैं जबकि बधिर, दृष्टिबाधित और बौद्धिक रूप से कमजोर खिलाड़ियों की प्रतियोगिताओं में पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि बढ़ाने का फैसला किया है। इन खिलाड़ियों को विश्व स्तर की प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीतने पर पहले अधिकतम 10 लाख रुपए मिलते थे लेकिन अब उन्हें 20 लाख रुपए तक मिल सकते हैं।

आयु वर्ग के खिलाड़ी निराश

मंत्रालय ने हालांकि आयु वर्ग के खिलाड़ियों के लिए पुरस्कार राशि देने की प्रणाली को खत्म करने का फैसला किया है। मंत्रालय ने इस बारे में कोई स्पष्टीकरण भी नहीं दिया है। जूनियर खिलाड़ियों के लिए अपने प्रारंभिक वर्षों के पोषण, कोचिंग और उपकरण की जरूरतों को पूरा करने के लिए यह पुरस्कार काफी मायने रखते थे। एक जूनियर खिलाड़ी पहले चार साल में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने के लिए 13 लाख रुपये से कुछ अधिक का हकदार था, जो कि सीनियर स्तर पर इसी तरह की उपलब्धि के लिए निर्धारित पुरस्कार राशि का एक तिहाई था। एक सब-जूनियर खिलाड़ी चार साल में होने वाली विश्व प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने पर लगभग 6.66 लाख रुपये की पुरस्कार राशि हासिल कर सकता था।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **जमुना, पुत्रः राम कौर, पताः सी–2/242, नंद नगरी, दिल्ली** ने **FIR No. 347/12018, U/s 379/337/338 IPC, पुलिस थाना नंद नगरी, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **जमुना** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **जमुना** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 347/12018, U/s 379/337/338 IPC, पुलिस थाना नंद नगरी, दिल्ली** के अभियुक्त **जमुना** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **10.03.2025** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री दीपाक्षी राणा
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–03
शाहदरा जिला, कमरा नं. 19
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/1538/NE/2025

सशस्त्र सेनाओं को मजबूती देगा 3 महीने तक चलने वाला ट्रोपेक्स युद्धाभ्यास

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में लगातार बढ़ती जा रही चीन की आक्रामकता के बीच जारी सेना, वायुसेना और तटरक्षकबल के व्यापक संयुक्त युद्धाभ्यास 'कैपस्टोन थिएटर लेवल ऑपरेशनल एक्सरसाइज (ट्रोपेक्स-25)' से भविष्य में सशस्त्र सेनाओं की रणनीतिक क्षमता में कई गुना की बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। मूलरूप से यह थिएटर स्तर का सेनाओं का अब तक का एक बहुत बड़ा युद्धाभ्यास है। जिसकी कुल अवधि तीन महीने की है। टोपेक्स युद्धाभ्यास की शुरुआत पिछले महीने 25 जनवरी को आईओआर में हो गई थी और समापन 25 मार्च 2025 को होगा। नौसेना ने एक बयान में यह जानकारी दी। उधर, रक्षा क्षेत्र के जानकारों का मानना है कि इतने बड़े स्तर पर युद्धाभ्यास के आयोजन से भारत दुश्मनों को अपनी विस्तृत युद्धक क्षमता की सीधी झलक दिखा रहा है। जिससे वो हमारे खिलाफ किसी भी तरह की कोई गुस्ताखी करने की कोशिश नहीं करेंगे।

विक्रांत युद्धपोत, सुखोई, पनडुब्बियां शामिल

नौसेना ने बताया कि यह एक द्विवार्षिक युद्धाभ्यास है। जिसमें भारत का स्वदेशी विमानवाहक युद्धपोत आईएनएस विक्रांत, 9 पनडुब्बियां (कलवरी श्रेणी की अत्याधुनिक पनडुब्बियां शामिल), हेल सी गार्डियन, एमएच-60आर हेलिकॉप्टर, मिग-29-के लड़ाकू विमान, पी8आई समुद्री गश्ती विमान और 65 जहाज व कोलकाता श्रेणी के युद्धपोत अपनी प्रचंड मारक क्षमता का प्रदर्शन कर रहे हैं। वायुसेना का सुखोई-30 एमकेआई, जगुआर लड़ाकू विमान, सी-130जे परिवहन विमान, जरूरत पड़ने पर विमानों में ईंधन भरने वाला फ्लाइट रिफ्यूलर, एडब्ल्यूएसीएस विमान शामिल है। जबकि भारतीय सेना की 600 से अधिक सैनिकों के साथ एक इन्फैंट्री ब्रिगेड और तटरक्षकबल के 10 से अधिक जहाज टोपेक्स में अपनी युद्धक क्षमता प्रदर्शित कर रहे हैं।

टोपेक्स का उद्देश्य

इस युद्धाभ्यास का उद्देश्य नौसेना के मुख्य युद्ध कौशल को मान्य करना, पारंपरिक, असीमित और मिश्रित खतरों के खिलाफ एक प्रतिस्पर्धी वातावरण में राष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा हितों को संरक्षित-सुरक्षित करने के लिए समन्वित और एकीकृत प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना है। दो चरणों (बंदरगाह, समुद्री) में चल रहे इस युद्धाभ्यास में युद्ध संचालन, साइबर और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध संचालन, संयुक्त कार्य चरण तथा संयुक्त अभ्यास (एम्फेक्स) के दौरान लाइव हथियार फायरिंग के तमाम पहलुओं को एकीकृत करते हुए किया जा रहा है।

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी

नौसेना ने बताया कि बीते कुछ वर्षों में युद्धाभ्यास के दायरे और जटिलता में वृद्धि के बाद टोपेक्स किसी भी समय, कहीं भी, किसी भी तरह से भारत के राष्ट्रीय समुद्री हितों की सुरक्षा की दिशा में एक गतिशील वातावरण में समन्वित योजना, सटीक लक्ष्यीकरण, युद्ध प्रभावशीलता और विश्वसनीय संयुक्त संचालन में एक कदम आगे है।

बांग्लादेश के कार्यकारी उच्चायुक्त को तलब कर भारत की बांग्लादेश को दो टूक...

शेख हसीना की टिप्पणियां व्यक्तिगत, जिनमें भारत की कोई भूमिका नहीं

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने शुक्रवार को नई दिल्ली में बांग्लादेश के कार्यकारी उच्चायुक्त मोहम्मद नूरल इस्लाम को तलब कर मोहम्मद युनुस की अंतरिम सरकार को दो टूक अंदाज में यह साफ कर दिया कि भारत बांग्लादेश के साथ पारस्परिक रूप से सकारात्मक, रचनात्मक और लाभकारी संबंध बनाए रखना चाहता है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा बांग्लादेश को लेकर की जा रही टिप्पणियां उनकी व्यक्तिगत टिप्पणियां हैं, जिनमें भारत की किसी तरह की कोई भूमिका नहीं है। इसे भारत सरकार से जोड़ना द्विपक्षीय संबंधों में सकारात्मकता लाने के लिहाज से अच्छा नहीं होगा। विदेश मंत्रालय ने 7 फरवरी को जारी किए गए अपने एक बयान के जरिए यह जानकारी दी। यहां बता दें कि मंत्रालय का यह बयान बीते दिनों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक लाइव के जरिए बांग्लादेश की पूर्व पीएम द्वारा की गई टिप्पणियों से जुड़े घटनाक्रम के बीच आया है। बांग्लादेश ने कहा था कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत की शरण में हैं और वहां से वह बांग्लादेश के बारे में झूठी व मनगढ़ंत टिप्पणियां और बयान दिए जा रहे हैं। इतना ही नहीं कुछ दिन पहले प्रदर्शनकारियों ने हसीना के ढाका स्थित घर पर तोड़फोड़ के साथ आग भी लगा दी थी। मंत्रालय ने कहा कि यह खेदजनक है कि बांग्लादेशी अधिकारियों के बयानों में भारत को नकारात्मक रूप से चित्रित किया जा रहा है। जबकि मामला उनके आंतरिक प्रशासन से जुड़ा हुआ है। भारत दोनों देशों के बीच सकारात्मक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है। हमें उम्मीद है कि बांग्लादेश भी माहौल को खराब किए बिना समान रूप से इसी तरह का कदम उठाएगा।

भारत ने स्पष्ट किया हम बांग्लादेश के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं

बांग्लादेश की मांग पूर्व पीएम हसीना को बयान देने से रोकें

इतिहास अपना बदला लेता है: हसीना

एजेंसी, नई दिल्ली। 5 फरवरी को प्रदर्शनकारियों ने शेख हसीना के पिता और बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान 'बंगबंधु' के ढाका स्थित धनमंडी-32 आवास पर तोड़फोड़ की थी। इसके बाद हसीना ने फेसबुक पर अपने समर्थकों को संबोधित किया था। हसीना ने हमलावरों को चेतावनी देते हुए कहा था कि इतिहास अपना बदला लेता है। हसीना ने कहा था कि किसी ढांचे को मिटाया जा सकता है, लेकिन इतिहास को नहीं मिटाया जा सकता।

'बुलडोजर जुलूस' के बाद शुरू हुई हिंसा

5 फरवरी को हुई हिंसा की शुरुआत सोशल मीडिया पर 'बुलडोजर जुलूस' के ऐलान के बाद हुई। जब हमला हुआ, तब वहां सुरक्षाबल भी मौजूद थे। भीड़ को वहां से जाने के लिए समझाने की कोशिश की, लेकिन सारी कोशिशें नाकाम रहीं। कुछ उपद्रवी शेख मुजीब के आवास और संग्रहालय में भी घुस गए। बालकनी पर चढ़ गए और तोड़फोड़ की। बताया जा रहा है कि आवास में आगजनी भी की गई है।

तोड़फोड़ लोकतंत्र के लिए खतरा: बीएनपी

बांग्लादेश में शेख हसीना की विरोधी पार्टी बीएनपी ने इस घटना को लोकतंत्र खत्म करने की साजिश करार दिया था। बीएनपी नेता हाफिजुद्दीन अहमद ने कहा कि ढाका में शेख मुजीब के घर पर जिस तरह हमला हुआ, उससे अराजकता फैल सकती है। इस तरह की घटनाएं देश में अस्थिरता पैदा कर सकती हैं। यह घटना लोकतंत्र के लिए खतरा है। इसकी जांच होनी चाहिए और दोषियों को सजा मिलनी चाहिए।

घटना की कड़ी निंदा की जाए

भारत ने एक बयान में रहमान के आवास को ध्वस्त करने की निंदा करते हुए स्थल को 'वीर प्रतिरोध' का प्रतीक बताया। कहा वे सभी लोग जो बांग्ला पहचान और गौरव को पोषित करने वाले स्वतंत्रता संग्राम को महत्व देते हैं, वे बांग्लादेश की राष्ट्रीय चेतना के लिए इस निवास के महत्व से अवगत हैं। इस घटना की कड़ी निंदा की जानी चाहिए।

देशभर में हो रही तोड़फोड़ और आगजनी रोकेंगे: यूनुस

ढाका। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने शुक्रवार को कहा कि वह देश भर में हो रही तोड़फोड़ और आगजनी पर रोक लगाएगी। अंतरिम सरकार ने यह बयान ऐसे वक्त दिया है जब देश के एक प्रमुख विपक्षी दल और पड़ोसी मुल्क भारत ने अपदस्थ पीएम शेख हसीना से जुड़े एक ऐतिहासिक घर पर हमले को लेकर चिंता व्यक्त की है।

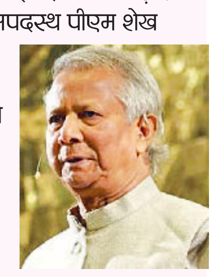

शुक्रवार की सुबह यूनुस के प्रेस कार्यालय ने एक संक्षिप्त बयान में चेतावनी दी कि हिंसा के ऐसे कृत्यों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। शुक्रवार देर रात, यूनुस के हवाले से जारी एक अन्य बयान में कहा गया कि अंतरिम नेता ने सभी नागरिकों से तुरंत पूर्ण कानून-व्यवस्था बहाल करने तथा यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि हसीना के परिवार और उनके समर्थकों से जुड़ी संपत्तियों पर अब कोई हमला नहीं होगा।

अलास्का में विमान दुर्घटना, 10 की मौत

अलास्का। पश्चिमी अलास्का में एक छोटा यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसका मलबा शुक्रवार को बर्फ से ढंके समुद्र में मिला। इस दुर्घटना में विमान में सवार सभी 10 लोगों की मौत हो गई। अमेरिकी तट रक्षक बल के प्रवक्ता माइक सालेर्नो ने बताया कि विमान की अंतिम लोकेशन पर बचावकर्मी उसकी तलाश में जुटे थी तभी उनकी नजर विमान के मलबे पर पड़ी। पड़ताल के लिए दो तैराकों को समुद्र में उतारा गया। 'बेरिंग एयर' के विमान ने गुरुवार दोपहर को उनालाक्लीट से उड़ान भरी थी।

जवानों पर गोलीबारी कोई हताहत नहीं

राजौरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में शनिवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार एक जंगल में गश्त कर रहे सैनिकों पर गोलीबारी की गई, जिसके बाद जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की। सुरक्षा अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि इस संक्षिप्त गोलीबारी में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन इलाके में सख्त निगरानी करने के लिए कहा गया है। भारतीय सैनिक केरी सेक्टर के अग्रिम गांव में गश्त कर रहे थे, तभी सीमा पार जंगल में छिपे संदिग्ध आतंकवादियों ने कुछ राउंड गोलियां चलाईं। वे भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करने के मौके की तलाश में थे।

गाजा में युद्धविराम समझौते का पालन

हमास ने तीन बंधक किए रिहा, इनमें एक महिला

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव

हमास ने शनिवार को इजराइल के तीन और बंधकों को रिहा कर दिया। रिहाई से पहले तीनों बंधकों की हमास ने गाजा में हजारों लोगों के सामने परेड कराई। हमास ने बंधकों को रिहाई से पहले हजारों लोगों के सामने मंच पर पेश किया और उनसे बयान देने को कहा गया। जब बंधकों को रिहा किया जा रहा था तो मौके पर हमास के हथियारबंद लड़ाके बड़ी संख्या में मौजूद रहे। समझौते के तहत शनिवार को तीन और बंधकों को रिहा किया गया, इनमें तीन पुरुष शामिल हैं। बंधकों में एली शारबी (52), ओहद बेन अमी (56) और ऑर लेवी (34) शामिल हैं। 7 अक्टूबर, 2023 को सभी का अपहरण कर लिया गया था।

पहले चरण में 33 बंधकों को किया जाना है रिहा

छह हफ्ते तक चलने वाले पहले चरण के युद्धविराम समझौते में 33 इजराइली बंधकों को रिहा किया जाना है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हमास द्वारा जिन तीन बंधकों को रिहा किया गया है, उनमें एली शराबी (52 वर्षीय), ओहाद बेन एमी (56 वर्षीय) और ओर लेवी (34 वर्षीय) का नाम शामिल है। वहीं इजराइल द्वारा 183 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया जाएगा। एली शराबी को किबुत्ज बीरी से बंधक बनाया गया था। हमले में एली की पत्नी और बेटी की आतंकियों ने हत्या कर दी थी। बेन एमी को भी किबुत्ज बीरी से ही बंधक बनाया गया था। हमले में बेन की पत्नी को भी बंधक बनाया गया था, लेकिन उन्हें नवंबर 2023 में छोड़ दिया गया था। लेवी एक कंप्यूटर प्रोग्रामर है, जिसे रिशोन लीजन इलाके से पकड़ा गया था। हमले में लेवी की पत्नी की हत्या हुई थी। दंपति का बेटा अन्य परिजनों के पास है।

कई खूंखार फिलिस्तीनी कैदी होंगे रिहा

दूसरे चरण में करीब दर्जन भर इजराइली बंधक रिहा किए जा सकते हैं। वहीं शनिवार को रिहा किए जा रहे फिलिस्तीनी कैदियों में 18 लोग ऐसे हैं, जो उम्रकैद की सजा काट रहे हैं। वहीं 54 कई-कई वर्षों की सजा भुगत रहे हैं। वहीं 111 बंधक वे हैं, जिन्हें 7 अक्टूबर के हमले के बाद गाजा से पकड़ा गया था। रिहा किए जाने वाले कैदियों में इयाद अबु शखदम का नाम भी शामिल है। वह साल 2000 में इजराइल पर हुए हमले में शामिल था, जिसमें कई इजराइली नागरिक मारे गए थे। इयाद अबु शखदम को 18 बार उम्रकैद की सजा हुई थी।

रक्षा मंत्रालय ने बीईएल संग किया 642 करोड़ का समझौता

नौसेना के 14 जहाजों के लिए 28 ईओएन-51 सिस्टम की खरीद की जाएगी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

तेजी से बदलते घरेलू और वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य के बीच रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के साथ कुल 642.17 करोड़ रुपए के एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। जिससे भारतीय नौसेना के 14 जहाजों के लिए 28 ईओएन-51 सिस्टम की खरीद की जाएगी।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह समझौता रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में काफी मददगार साबित होगा। इस सिस्टम की खरीद नौसेना के 11 अगली नई पीढ़ी के अपतटीय गश्ती जहाज (ओपीवी) और 3 कैडेट प्रशिक्षण जहाजों के लिए की गई है।

बॉय-आईडीडीएम श्रेणी से होगी खरीद

मंत्रालय ने बताया कि बीईएल के साथ यह समझौता बॉय (इंडियन-आईडीडीएम) श्रेणी के तहत क्रियान्वित किया जाएगा। ईओएन-51 एक इलेक्ट्रो ऑप्टिकल फायर कंट्रोल सिस्टम है। जो इलेक्ट्रो ऑप्टिकल और थर्मल इमेजर उपकरणों की मदद से लक्ष्य को ढूंढने, पहचान करने के साथ उसका वर्गीकरण करेगा। योजना के जरिए तीन साल के लिए रोजगार सृजित किया जाएंगे। जिसमें भारत के सूक्ष्म एवं लघु उद्योग (एमएसएमई) की भी भागीदारी देखने को मिलेगी। अंततः इस पूरी कवायद से रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को काफी बढ़ावा मिलेगा।

एलवीएम3 रॉकेट के ऊपरी चरण को पावर देने में इसरो को मिली कामयाबी

क्रायोजेनिक इंजन का वैक्यूम इग्निशन का परीक्षण सफल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने फिर एक बार नई उपलब्धि को हासिल किया है। इसरो ने शनिवार (8 फरवरी 2025) को बताया कि उसने क्रायोजेनिक इंजन का वैक्यूम इग्निशन ट्रायल सफलतापूर्वक कर लिया है। इसरो ने कहा कि उसने वैक्यूम परिस्थितियों में 'मल्टी-एलिमेंट इग्नाइटर' के साथ एलवीएम3 के ऊपरी चरण को पावर देने वाले स्वदेशी सीई20 क्रायोजेनिक इंजन का सफलतापूर्वक प्रज्वलन परीक्षण किया है। अंतरिक्ष एजेंसी ने एक बयान में कहा कि यह परीक्षण यह परीक्षण शुक्रवार को तमिलनाडु के महेंद्रगिरि स्थित इसरो प्रोपल्शन परिसर में उच्च स्थल परीक्षण प्रतिष्ठान में किया गया।

कई परीक्षण कर रहा है इसरो

इसरो क्रायोजेनिक इंजन को फिर से शुरू करने की क्षमता बढ़ाने की दिशा में बूटस्ट्रैप मोड में इंजन शुरू करने के मकसद से एक के बाद एक परीक्षण कर रहा है। इंजन पहले से ही एकल शुरुआत के साथ उड़ान में 19टी से 22टी तक के 'थ्रस्ट' स्तर पर काम करने के लिए मुफीद है। यह इंजन गगनयान मिशन के लिए काफी अहम है। इस मिशन के तहत भारत पहली बार अंतरिक्ष में इंसानों को भेजेगा। इसे तरल प्रणोदन प्रणाली केंद्र द्वारा विकसित किया गया था।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109